हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● मंगलवार ● 02.12.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 127 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

पीएम ने गीता जयंती पर दी शुभकामनाएं

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गीता जयंती के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, देशभर के मेरे परिवारजन को श्रीमद्भगवद्गीता के अवतरण से जुड़े पावन दिवस 'गीता जयंती' की ढेर सारी शुभकामनाएं। कर्तव्य पालन के अनमोल संदेशों से सुशोभित यह दिव्य ग्रंथ भारतीय पारिवारिक, सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन में अत्यंत विशिष्ट स्थान रखता है। इसके दिव्य श्लोक हर पीढ़ी को निष्काम कर्म के लिए प्रेरित करते रहेंगे। जय श्रीकृष्ण।

नवंबर में जीएसटी कलेक्शन 0.7 फीसदी बढ़कर हुआ ₹1.70 लाख करोड़

नयी दिल्ली : भारत के गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन ने नवंबर 2025 में मजबूती दिखाई है। कुल जीएसटी राजस्व 1.70 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो नवंबर 2024 के मुकाबले 0.70 फीसदी ज्यादा है। हालांकि, फरवरी 2024 के बाद से ये आंकड़ा सबसे कम है। ग्रॉस घरेलू जीएसटी राजस्व साल- दर- साल घटकर 1.24 लाख करोड़ रुपये रह गया, जिसमें सीजीएसटी 34,843 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 42,522 करोड़ रुपये और आईजीएसटी 46,934 करोड़ रुपये रहा। आयात से संबंधित आईजीएसटी में 10.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और यह बढ़कर ₹45,976 करोड़ हो गया। इसके साथ ही कुल सकल जीएसटी राजस्व बढ़कर ₹1,70,276 करोड़ पर पहुंच गया, जो नवंबर 2024 की तुलना में 0.7 फीसदी अधिक है। रिफंड को छोड़कर शुद्ध जीएसटी राजस्व 4 फीसदी घटकर ₹18,196 करोड़ रहा। इसके बाद नेट जीएसटी कलेक्शन ₹1,52,079 करोड़ रहा, जो पिछले साल की तुलना में 1.3 फीसदी की मामूली बढ़त दिखाता है। शुद्ध घरेलू फीसदी राजस्व 1.5 फीसदी घटकर ₹1,15,558 करोड़ रह गया। वहीं, निर्यात और आयात से संबंधित शुद्ध संग्रह 11.6 फीसदी बढ़कर ₹36,521 करोड़ पर पहुंच गया। अप्रैल से नवंबर 2025 के बीच कुल शुद्ध जीएसटी राजस्व 7.3 फीसदी बढ़कर ₹12.79 लाख करोड़ हो गया।

दिल्ली कार विस्फोट मामले में डॉ शाहीन के लखनऊ के घर पर एनआईए का छापा

लखनऊ : दिल्ली के लाल किले के पास बीते 10 नवंबर को कार विस्फोट मामले में जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने सोमवार को लखनऊ स्थित डॉ. शाहीन के आवास पर छापा मारा। डॉ. शाहीन फरीदाबाद से आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में एनआईए की हिरासत में हैं। उसे दिल्ली विस्फोट की भी आरोपित बताया जा रहा हैं। एनआईए ने लखनऊ के अलावा कश्मीर घाटी में कई जगह छापा मारा है। यूपी पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एनआईए की टीम सोमवार तड़के डॉ. शाहीन के घर पर पहुंची थी। टीम के साथ यूपी एटीएस और स्थानीय पुलिस मौजूद थी। इस दौरान टीम ने शाहीन के पिता सईद अंसारी और बड़े भाई शोएब से गहन पूछताछ की। घर की छानबीन के दौरान एनआईए को महत्वपूर्ण दस्तावेज और इलेक्ट्रानिक उपकरण मिलने की बात सामने आ रही है।

शीतकालीन सत्र : एसआईआर के मुद्दे पर रास-लोस पूरे दिन के लिए स्थगित

राधाकृष्णन ने किया सदस्यों से संसदीय मर्यादा की 'लक्ष्मण रेखा' का पालन करने का आग्रह

एजेंसी

नयी दिल्ली : संसद के शीतकालीन सत्र की शुरूआत सोमवार से हुई। यह सत्र 19 दिसंबर तक चलेगा। इससे पहले रविवार 30 नवंबर को केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी, जिसमें सभी विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए थे। इस बैठक में सदन को सर्वसम्मति से चलाने पर विचार-विमर्श हुआ। किरेन रिजीजू ने कहा कि सरकार का हरसंभव प्रयास होगा कि कार्यवाही सुचारुरूप से चले। वहीं, विपक्षीदलों ने सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की रणनीति बनाई है। सूत्रों से पता चला है कि विपक्षीदल केंद्र सरकार से एसआईआर के मुद्दे पर हर जवाब मांगेगी। बात विधेयक की करें तो इस सत्र में सरकार कई विधेयकों को सदन में पेश करेगी।

राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने सोमवार को उच्च सदन में अपने प्रथम संबोधन में सदस्यों से संविधान के प्रति निष्ठावान रहने और संसदीय आचरण की निर्धारित 'लक्ष्मण रेखा' का पालन करने की अपील की। सोमवार को सभापति के तौर पर पहली बार सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता कर रहे राधाकृष्णन ने अपने पहले भाषण में सदस्यों से संस्थानों का सम्मान करने

और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने का भी आह्वान किया। उन्होंने सदस्यों से भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में मदद करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उच्च सदन के पास बहुत विधायी कार्य हैं और समय को लेकर सदस्यों व पीठ दोनों के सामने चुनौती होगी। राधाकृष्णन ने कहा, हर कोई – चाहे सभापति हों या सदस्य – हम सभी को राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझना चाहिए। भारत का संविधान और राज्यसभा के नियम हमारे संसदीय आचरण की लक्ष्मण रेखा तय करते हैं। हर सदस्य के अधिकारों की रक्षा की जाएगी, लेकिन उस लक्ष्मण रेखा के भीतर ही। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य सदस्यों द्वारा किए गए अभिनंदन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने जो कुछ कहा, उसके लिए मैं उनका आभारी हूं। उन्होंने मेरे जीवन के कम ज्ञात पहलुओं को साझा किया है। राधाकृष्णन ने कहा कि जब प्रधानमंत्री बोल रहे थे, उन्हें एक खिलाड़ी की खेल भावना के साथ अपने दिन याद आ रहे थे।

लोगों के मुद्दे उठाना ड्रामा नहीं : प्रियंका गांधी

प्रियंका गांधी ने सरकार पर संसद में चर्चा से बचने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी मुद्दे पर संवाद करने के लिए तैयार नहीं है, जिससे सदन का सुचारू रूप से चल पाना कठिन हो रहा है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों से जुड़े मुद्दे उठाना ड्रामा नहीं है, लेकिन उन पर चर्चा न होने देना ड्रामा है। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन मोदी के बयान पर जवाब देते हुए, प्रियंका गांधी ने वायु प्रदूषण और एसआईआर जैसे जरूरी मुद्दों पर बहस की मांग की और कहा कि ये आम लोगों बड़े मुद्दे हैं जिन पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद किस लिए है। यह ड्रामा नहीं है। मुद्दों पर बोलना और मुद्दे उठाना ड्रामा नहीं है। ड्रामा का मतलब है चर्चा न होने देना। ड्रामा का मतलब है उन मुद्दों पर डेमोक्रेटिक चर्चा न होना जो जनता के लिए मायने रखते हैं। उन्होंने पूछा, हमने प्रदूषण के बारे में बात की है, हम इसे क्यों नहीं उठा रहे हैं। हमें इन चीजों पर चर्चा करने की इजाजत क्यों नहीं है। उन्होंने कहा, जिस तरह खिलाड़ी नियमों के अनुसार खेलते हैं, उसी तरह नेताओं को भी संविधान और संसदीय मानदंडों का पालन करना चाहिए।

संसद को चुनावी हार-जीत की निराशा व अहंकार का अखाड़ा न बनने दें : मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया है कि उन्हें चुनावी हार-जीत के परिणामों से बाहर निकलकर इसकी निराशा या अहंकार का अखाड़ा संसद को नहीं बनाना चाहिए और जनता की आकांक्षाओं तथा लोकतंत्र की मर्यादाओं के अनुरूप संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेना चाहिए। प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि संसद का महत्वपूर्ण शीतकालीन सत्र शांतिपूर्ण ढंग से चलेगा और सभी सदस्य देश की प्रगति के लिए तथा चुने हुये प्रतिनिधियों को अपनी अभिव्यक्ति का अवसर देने के लिए सदन को चलाने में अपना सहयोग करेंगे। श्री मोदी ने सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले संसद भवन परिसर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र तेज गति से आगे बढ़ रहा है और इसे और आगे बढ़ने की ऊर्जा देने का काम शीतकालीन सत्र करेगा, उन्हें ऐसा उन्हें विश्वास है। चुनावी हार जीत लोकतंत्र का हिस्सा है लेकिन संसदीय लोकतंत्र की मजबूती का दायित्व हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि निजी एजेंडे के लिए संसद की कार्यवाही बाधित नहीं होनी चाहिए। नये सांसदों को अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए और सदन के कार्यवाही बाधित कर उनके अवसर को छीना नहीं जाना चाहिए।

चमरा लिंडा ने छात्रवृत्ति वितरण की धीमी गति पर अफसरों को लगाई फटकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सोमवार को कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निदेश दिया कि किसी भी हाल में छात्रों की छात्रवृत्ति मिलने में देर नहीं होनी चाहिए। बोकारो, चतरा, गिरिडीह जिला में वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति कक्षा 1-8 और कक्षा 9-10 तथा पोस्ट मैट्रिक में शत - प्रतिशत छात्रवृत्ति वितरण की धीमी गति पर जताई चिंता। उन्होंने बोकारो, चतरा, गिरिडीह जिला के जिला कल्याण पदाधिकारियों से कारण पृच्छा करने का निदेश दिया।

ससमय करें छात्रवृत्ति भुगतान संबंधी कार्रवाई

कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने जिला कल्याण पदाधिकारियों को यथाशीघ्र वर्तमान शैक्षणिक सत्र समाप्त होने के पहले छात्रवृत्ति भुगतान संबंधी कार्रवाई करने का सख्त निर्देश दिया साथ ही सभी जिलों के उपायुक्तों को ससमय जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित कर लम्बित छात्रवृति के आवेदनों पर स्वीकृति प्रदान करने का निर्देश दिया।

इस साल एलओसी पर घुसपैठ की 4 घटनाएं हुई, 8 आतंकवादी मारे गए : बीएसएफ आईजी

श्रीनगर : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने सोमवार को कहा कि कश्मीर फ्रंटियर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ के प्रयासों में इस साल कमी आई है, अब तक केवल चार प्रयासों की सूचना मिली है। इनमें से दो प्रयास ऑपरेशन सिन्दूर से पहले और दो उसके बाद किए गए। बीएसएफ के 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर हुमहामा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कश्मीर फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) अशोक यादव ने बताया कि इन घुसपैठों में 13 घुसपैठिए शामिल थे, जिनमें से आठ को सेना ने मार गिराया और पांच को पीछे धकेल दिया। उन्होंने कहा कि सेना के साथ समन्वय में नियंत्रण रेखा पर प्रभावी प्रभुत्व ने प्रयासों की संख्या को कम करने में योगदान दिया। उनके कार्यकाल के दौरान सेना और बीएसएफ के संयुक्त अभियानों में घुसपैठ की चार कोशिशों को नाकाम कर दिया गया। यह पूछे जाने पर कि कितने ऑपरेशन पूरी तरह से बीएसएफ के खुफिया इनपुट पर आधारित थे, उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण संख्या में खुफिया इनपुट साझा करना जारी रखता है, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवाद विरोधी कार्रवाई होती है, जिसमें युद्ध जैसे भंडार को निष्क्रिय करना और पुनर्प्राप्त करना शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को दिया बड़ा आदेश कहा- पहले डिजिटल अरेस्ट घोटाले की जांच करें

एजेंसी

नयी दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सीबीआई को अहम निर्देश दिए। शीर्ष अदालत ने देश की संघीय जांच एजेंसी से कहा कि वह पहले अखिल भारतीय स्तर पर सामने आ चुके डिजिटल अरेस्ट घोटाले के मामलों की जांच करे। सुप्रीम कोर्ट ने विपक्षी राजनीतिक दलों के शासन वाले राज्यों- पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना सहित अन्य राज्यों से भी डिजिटल अरेस्ट के मामलों की जांच के लिए सीबीआई को अनुमति देने को कहा।

सुप्रीम कोर्ट ने सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े मध्यस्थों को भी निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों से संबंधित घटनाओं की जांच में सीबीआई को पूरा विवरण मुहैया कराएं और सहयोग भी प्रदान करें। कोर्ट ने सीबीआई को निर्देश दिया कि जांच एजेंसी टैक्स के पनाहगाह विदेशी ठिकानों और देशों से संचालित साइबर अपराधियों तक पहुंचने के लिए इंटरपोल की सहायता ले।

साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट के इस अतिसंवेदनशील मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई को भी नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत ने पूछा कि साइबर धोखाधड़ी के मामलों में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों को फ्रीज करने के लिए एआई या मशीन लर्निंग तकनीक का इस्तेमाल क्यों नहीं किया गया?

युवा शक्ति को नशे की जद से बाहर रखना हमारी जिम्मेदारी : मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ (एनयूएसआरएल) में सोमवार को 'उभरते तंबाकू एवं निकोटिन उत्पादों से सुरक्षा, चुनौतियां एवं आगे की राह' विषय पर राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. इरफान अंसारी ने युवाओं को नशे से दूर रहेने की हिदायतें दी। उन्होंने कहा कि देश की युवा शक्ति को नशे की जद से बाहर रखना हमारी जिम्मेदारी है। यहां बैठे युवा कल के वकील और जज हैं। समाज आप सभी की ओर उम्मीद भरी नजरों से देखता है। नशे की लत में सैकड़ों जानें जा रही हैं, इसलिए विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका तीनों के समन्वित प्रयास बेहद जरूरी हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि सशक्त कानून तभी असरदार होते हैं, जब उनका ईमानदारी से पालन और क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। विशिष्ट अतिथि डॉ. एल स्वस्तिचरण, उप महानिदेशक एवं निदेशक, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार ने देश में उभरते निकोटिन उत्पादों के नियमन की चुनौतियों, खामियों और आगे की दिशा पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए कानून प्रवर्तन और जागरूकता को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सेमिनार का उद्देश्य युवाओं को तंबाकू एवं निकोटिन के खतरनाक प्रभावों के प्रति जागरूक करना, इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम 2019 के प्रभावी क्रियान्वयन को बढ़ावा देना तथा निकोटिन पाउच जैसे उभरते उत्पादों के वैश्विक नियामक अनुभवों को साझा करना था।

मौके पर उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता के रंजीत सिंह ने ई-सिगरेट निषेध अधिनियम 2019 के प्रवर्तन में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों और समाधान पर चर्चा की। वंदना शाह ने निकोटिन पाउच के वैश्विक नियामक ढांचे और विभिन्न देशों में लागू नीतियों की जानकारी दी। प्रवीण सिन्हा ने उभरते तंबाकू एवं निकोटिन उत्पादों के स्वास्थ्य जोखिमों और वैश्विक ट्रेंड्स पर महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी। गौरव गुप्ता, सीनियर रिसर्च कंसल्टेंट ने नशे को लेकर भारत में किए गए कई सर्वेक्षणों के निष्कर्षों को साझा किया। डॉ. सिद्धार्थ सेन्याल, निदेशक-इन-चीफ ने स्वास्थ्य सेवाएं, झारखंड निकोटिन उत्पादों के उपयोग के आंकड़े और राज्य में बढ़ती चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

ऑपरेशन सागर बंधु ने श्रीलंका में 150 को बचाया, 2 हजार भारतीयों को निकाला, 53 टन राहत सामग्री भेजी

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारत ने चक्रवातीय तूफान दित्वा से आई भीषण बाढ़ और जानमाल के नुकसान का सामना कर रहे श्रीलंका को मदद के लिए तीन दिन से जारी सहायता अभियान ऑपरेशन 'सागर बंधु' में अब तक 53 टन राहत सामग्री भेजने के साथ ही विभिन्न देशों के 150 से अधिक लोगों को बचाया है। इसके अलावा खराब मौसम के कारण फंसे हुए 2 हजार से अधिक भारतीयों को स्वदेश लाया गया है। विदेश मंत्रालय ने 28 नवंबर से चल रहे ऑपरेशन 'सागर बंधु' में अब तक के राहत एवं बचाव कार्य की सोमवार को यहां जानकारी दी। भारत ने श्रीलंका में राहत एवं बचाव कार्यों के संचालन में मदद के लिए विमानवाहक पोत

आईएनएस विक्रांत को तैनात किया है। मंत्रालय का कहना है कि भारत जरूरत के समय में श्रीलंका की सरकार और लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है और बचाव राहत और जल्द से जल्द सामान्य जीवन की बहाली के लिए हर संभव सहायता दे रहा है।

मंत्रालय ने बताया कि बचाव कार्य में सुरक्षित निकाले गए नागरिक श्रीलंका, भारत, जर्मनी, स्लोवेनिया, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, पोलैण्ड, बेलारूस, ईरान, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और बांग्लादेश के थे। फंसे भारतीय नागरिकों को भी भारतीय वायुसेना के विशेष विमानों के साथ-साथ वाणिज्यिक उड़ानों के माध्यम से निकाला गया।

भारत की ओर से श्रीलंका को अबतक कुल 53 टन राहत सामग्री भेजी गई है। सबसे पहले आगे आते हुए भारत ने ने तुरंत कोलंबो में भारतीय नौसेना के दो जहाजों से 9.5 टन राशन दिया और 31.5 टन राहत सामग्री एयरलिफ्ट करने के लिए भारतीय वायुसेना के तीन विमान भेजे।

चक्रवात दित्वा से तमिलनाडु में तबाही

तमिलनाडु : चक्रवात दित्वा का सबसे ज्यादा असर तमिलनाडु में देखने को मिला है। तमिलनाडु के चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, कुड्डालोर और रानीपेट सहित कई हिस्सों में सोमवार को चक्रवाती तूफान के कारण लगातार मध्यम बारिश हुई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, चक्रवाती तूफान दित्वा कमजोर होकर गहरे दबाव में बदल गया है और अगले 24 घंटे तक इसी रूप में स्थिर रह सकता है। इसके प्रभाव के कारण अगले कुछ घंटों में भी बारिश हो सकती है। आईएमडी ने अपने बुलेटिन में कहा, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और इससे सटे उत्तर तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों के ऊपर स्थित गहरा अवदाब पिछले छह घंटे में 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर की ओर बढ़ा और उसी के आसपास केंद्रित रहा। मौसम विभाग के अनुसार चक्रवात दित्वा की वजह से तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा में 1 और 2 दिसंबर को, 3 दिसंबर को केरल और माहे में भारी बारिश की संभावना है। 1 से 4 दिसंबर के दौरान तमिलनाडु, केरल, माहे, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा में गरज और बिजली के साथ छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

एनडीपीएस कोर्ट स्थापना पर केंद्रीय मंत्रालय की बैठक पांच दिसंबर को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) कोर्ट की स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस विषय पर चर्चा के लिए केंद्रीय मंत्रालय की अध्यक्षता में आगामी पांच दिसंबर को एक अहम बैठक आयोजित होने वाली है। इस बैठक से पहले की तैयारियों के तहत, झारखंड सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने राज्य पुलिस को एक निर्देश जारी किया है।

गृह विभाग ने झारखंड पुलिस से 48 घंटे यानी तीन दिसंबर तक एनडीपीएस केसों से संबंधित लंबित रिपोर्ट मांगी है। रिपोर्ट में मुख्य रूप से साल 2020 से लेकर 2025 तक की अवधि के दौरान लंबित नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस मामलों का विस्तृत ब्योरा मांगा गया है। इस रिपोर्ट को जल्द से जल्द तैयार करने के लिए झारखंड सीआईडी ने एक दिसंबर को सभी जिलों के एसएसपी और एसपी को एक पत्र जारी किया है।

सीआईडी ने जिला के एसपी से 24 घंटे के भीतर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस केस से संबंधित लंबित रिपोर्ट उपलब्ध कराने को कहा है ताकि इसे गृह विभाग के माध्यम से केंद्रीय बैठक में प्रस्तुत किया जा सके।

कर्णपुरा महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

बड़कागांव : कर्णपुरा महाविद्यालय बड़कागांव में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. कीर्ति नाथ महतो एंव संचालन डॉ निरंजन प्रसाद ने किया। मौके पर मुख्य अतिथि सचिव टुकेश्वर प्रसाद ने कहा कि "एड्स केवल एक बीमारी नहीं है,बल्कि यह जागरूकता की कमी का परिणाम भी है। युवा वर्ग सही जानकारी प्राप्त कर सुरक्षित व्यवहार अपनाए तो एड्स को पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है। डॉ.सर्वोततम भास्कर ने बताया कि एचआईवी का पूर्ण रूप मानव प्रतिरक्षा अपक्षय वायरस है। यह वायरस शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को धीरे-धीरे कमजोर करता है। यह वह अवस्था है जिसमें शरीर की प्रतिरोधक क्षमता अत्यंत कमजोर हो जाती है और व्यक्ति आसानी से रोगों का शिकार हो जाता है। "एचआईवी संक्रमण होने के तुरंत बाद एड्स नहीं होता है। एचआईवी पहले शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर धीरे-धीरे हमला करता है,और कई वर्षों बाद रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने पर एड्स की स्थिति उत्पन्न होती है।"डॉ. भास्कर ने स्पष्ट किया की एचआईवी हवा, भोजन, पानी, हाथ मिलाने या साथ बैठने से नहीं फैलता। यह मुख्य रूप से असुरक्षित यौन संबंध संक्रमित सुई या सिरिंज, संक्रमित रक्त, तथा गर्भावस्था/ प्रसव/ स्तनपान के दौरान माता से बच्चे में फैल सकता है। उपचार और परामर्श से एचआईवी संक्रमित व्यक्ति लंबे समय तक सामान्य एवं स्वस्थ जीवन जी सकता है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया की "हमें एचआईवी/एड्स से डरने की नहीं,बल्कि इसके बारे में सही जानकारी फैलाने की आवश्यकता है। इससे जुड़े कई गलत धारणाओं को हम सबको मिलकर दूर करना होगा। नियमित स्वास्थ्य जांच, सुरक्षित संबंध तथा नशापान से दूरी इसके प्रमुख बचाव उपाय हैं। डॉ. इन्द्रदेव प्रसाद ने कहा कि "युवा न केवल स्वयं जागरूक हों, बल्कि परिवार और समुदाय को भी इससे संबंधित सही जानकारी दें। एड्स से लड़ने में शिक्षा और जागरूकता सबसे सशक्त हथियार हैं। प्राचार्य डॉ. कीर्ति नाथ महतो ने कहा कि एनएसएस के माध्यम से छात्र समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। स्वयंसेवकों ने जागरूकता रैली का आयोजन किया। पोस्टर व स्लोगन प्रदर्शनी लगाई,तथा स्थानीय लोगों को निःशुल्क परामर्श संबंधी जानकारी भी उपलब्ध कराई। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ . सुरेश महतो, प्रो. फजरुद्दीन, प्रो. नरेश कुमार दांगी, डॉ .पवन कुमार ,डॉ. अनु कुमारी, प्रो. ऋतुराज, डॉ. चंद्रशेखर राणा, प्रो. रामकिशोर प्रसाद दांगी,डॉ दिव्या शालू डॉ. सनवीर कुमार सहित अन्य कर्मचारी तथा सैकड़ों छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

एक नजर

सेवानिवृत्त शिक्षक पुत्र बना सहायक आचार्य मिली बधाइयां

बरही : बरही बाराटांड़ निवासी सेवानिवृत शिक्षक साधु शरण दास के सुपुत्र अमित कुमार दास सहायक आचार्य बने हैं। बीते दिनों रांची में सीएम हेमंत सोरेन की उपस्थिति में उन्हें शिक्षा विभाग की ओर से नियुक्ति पत्र मिला है। नियुक्ति पत्र मिलने से उनके पिता और माता सहित उनके परिवार के लोग काफी खुश हैं। पुत्र की सफलता पर सेवा-निवृत शिक्षा में समर्पित साधु शरण दास जी ने कहा कि सुपुत्र होने के नाते, इनकी यह उपलब्धि न केवल परिवार के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण है। अमित की मेहनत, लगन और अनुशासन ने यह सिद्ध किया है कि लक्ष्य कितना भी बड़ा क्यों न हो, सच्चे प्रयासों से उसे प्राप्त किया जा सकता है। अमित के सफलता पर माता शांति देवी, राज आर्यन उर्फ छोटी, विकास कुमार, संजय रविदास, उमेश कुमार दास, गुड्डू रविदास, सूरज रविदास सहित कई लोगों ने बधाई दी है।

झामुमो युवा मोर्चा जल्द करेगा नगर कमेटी का विस्तार, हुई बैठक

हजारीबाग : झारखंड मुक्ति मोर्चा युवा मोर्चा द्वारा हजारीबाग नगर कमिटी के विस्तार की तैयारी तेज कर दी गई है। इसी क्रम में जिला परिसदन में एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता झामुमो युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष गौरव पटेल ने की। बैठक में नगर कमिटी गठन की रूपरेखा, संगठन विस्तार और युवाओं की सहभागिता पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष गौरव पटेल ने कहा कि सभी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय होकर अधिक से अधिक युवाओं को संगठन से जोड़ें। उन्होंने बताया कि नगर कमेटी गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और बहुत जल्द नई कमिटी की औपचारिक घोषणा की जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से झामुमो के केंद्रीय सदस्य विकास राणा, इजहार अंसारी, जिला प्रवक्ता कुणाल यादव, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष सतेंद्र मेहता, हर्ष भारद्वाज, मंजीत कुमार, मुन्ना खान, सुप्रियम साहु, रोहित कुमार रजक, हैदर खान, मयंक कुमार, रंजन सिंह, शानू गोस्वामी समेत कई युवा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वर्षों से विकास कार्य ठप : दैहर पंचायत की सड़क मरम्मती की मांग तेज

चौपारण : प्रखंड पंचायत दैहर की जर्जर सड़कों की मरम्मती एवं नए निर्माण की मांग को लेकर दैहर पंचायत के मुखिया ब्रह्मदेव भुईयां ने सोमवार को उप विकास आयुक्त हजारीबाग को एक महत्वपूर्ण मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र के माध्यम से उन्होंने बताया कि पंचायत की मुख्य सड़क सहित कई उप मार्गों की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है, जिसके कारण हजारों ग्रामीणों को आवागमन में भारी ठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मुखिया ब्रह्मदेव भुईयां ने कहा कि सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की रीढ़ होती हैं, लेकिन दैहर पंचायत में वर्षों से सड़क निर्माण व मरम्मत का कार्य नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि बरसात के मौसम में सड़कें कीचड़ और गड्ढों में तब्दील हो जाती हैं, जिससे स्कूली बच्चों को विद्यालय पहुंचने में परेशानी, बीमारों को अस्पताल ले जाने में बाधा तथा कृषि गतिविधियों में रुकावट उत्पन्न होती है। एम्बुलेंस और भारी वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित होती है, जिससे लोगों का जीवन कठिन हो जाता है।

भारतीय सीमा सुरक्षा में बीएसएफ का अहम रोल रहता है : एनएचआरए

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सीमा सुरक्षा बल बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, भारत का एक प्रमुख सशस्त्र पुलिस बल है । यह विश्व का सबसे बड़ा सीमा रक्षक बल है। जिसका गठन 1 दिसम्बर 1965 में हुआ था। यह भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। 1 दिसंबर 2025 को सीमा सुरक्षा बल का 60 वां स्थापना दिवस पूरे भारतवर्ष में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। उक्त बातें आज सीमा सुरक्षा बल का 60 वा स्थापना दिवस के अवसर पर *राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के झारखंड प्रदेश प्रभारी मुकुंद साव एवं प्रदेश संयोजक भरत यादव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है, उन्होंने बताया है कि बीएसएफ की जिम्मेदारी शांति के समय के दौरान भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं पर निरंतर निगरानी रखना, भारत भूमि सीमा की रक्षा और अंतर्राष्ट्रीय अपराध को रोकना है। इस समय बीएसएफ की 192 बटालियन है और यह 6,385.39 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करती है जो कि पवित्र, दुर्गम रेगिस्तानों, नदी-घाटियों और हिमाच्छादित प्रदेशों तक फैली है। सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों में सुरक्षा बोध को विकसित करने की जिम्मेदारी भी बीएसएफ को दी गई है।

भाजपा युवा मोर्चा हजारीबाग ने यूनिटी मार्च की प्रतिनिधित्व कर लौटे वापस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित गुजरात में सरदार @150 यूनिटी मार्च का नेतृत्व भाजपा युवा मोर्चा हजारीबाग के जिला सोशल मीडिया प्रभारी शिव शंकर उर्फ. शिबू मेहता एवं आइटी सेल प्रभारी शशांक शेखर ने यूनिटी मार्च के प्रतिनिधित्व कर वापस हजारीबाग लौट आए। हजारीबाग जिला से युवा मोर्चा ने जिला सोशल मीडिया प्रभारी शिव शंकर उर्फ.शिबू मेहता एवं आइटी सेल प्रभारी शशांक शेखर को हजारीबाग जिले का नेतृत्व करने के लिए भेजा गया था। भारत सरकार द्वारा आयोजित यूनिटी मार्च कार्यक्रम में दिल्ली, राजस्थान होते हुए गुजरात तक 7 दिनों का यात्रा रहा। सरदार पटेल की जन्म स्थल करमसद से एकता नगर तक, 150 किलो मीटर का पद यात्रा,भाजपा यूवा मोर्चा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज के नेतृत्व में किया गया, जहां देशभर के आठ राज्यों झारखण्ड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, पंजाब और चंडीगढ़ के सभी जिलों से दो-दो प्रतिनिधियों ने नेतृत्व किया। जिसमें जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। युवा मोर्चा जिला सोशल मीडिया प्रभारी ने कहा कि केंद्र सरकार यूनिटी मार्च के माध्यम से भारत के लोगों को सरदार बल्लभ भाई पटेल जी के विचारों को लोगों तक पहुंचा कर जोड़ने का काम कर रही है। आजादी के बाद भारत को 562 बड़ी-छोटी रियासतों में बंटी हुई थी।

विश्व एड्स दिवस पर अनुमंडलीय अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम का हुआ अयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : विश्व एड्स दिवस के अवसर पर बरही अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता व संचालन डीएस डॉक्टर प्रकाश ज्ञानी ने किया। जागरूकता कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को जागरूक करते हुए डीएस डॉक्टर प्रकाश ज्ञानी ने कहा की एड्स का संक्रमण असुरक्षित यौन संबंध बनाने से होता है। एचआईवी नामांक विषाणु के कारण यह बीमारी होती है जिसमें ग्रसित रोगी का प्रतिरोधक क्षमता काफी कम हो जाती है। लेकिन यदि चिकित्सकों की सुझाव एवं सलाह के अनुसार दवा का सेवन करते हैं तो वह भी सामान्य आदमी की तरह जीवन जी सकते हैं । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परामर्श दात्री कादंबिनी दुबे एवं लैब टेक्नीशियन अनिता कुमारी ने कहा कि एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति बेहिचक उनके अनुमंडलीय अस्पताल में आकर हम लोगों से सलाह मशविरा ले सकते हैं। यहां पर सभी तरह की जांच एवं दवा बिल्कुल मुफ्त दी जाती है। जानकारी भी गोपनीय रखी जाती है। उन्होंने कहा की वर्तमान समय में एचआईवी एड्स से संबंधित मामले कम हो रहे हैं। जिससे यह पता चलता है कि अब इस मामले में जागरूकता बढ़ी है। कई ऐसे संक्रमित माता-पिता के बच्चे संक्रमण मुक्त होकर सामान्य व्यक्ति की तरह जीवन जी रहे हैं। चिकित्सक डॉ प्रवीण कुमार ने कहां की एचआईवी पॉजिटिव एवं ऐड्स दो अलग-अलग मामले हैं। एचआईवी पॉजिटिव कोई भी व्यक्ति हो सकते हैं। यदि कोई संक्रमित व्यक्ति की ब्लड से रिलेटेड किसी अन्य व्यक्ति में संक्रमण होता है तो एचआईवी पॉजिटिव वह भी व्यक्ति हो सकता है। इसलिए सावधानी ही बचाव है। एड्स एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति का अंतिम स्तर होता है। जहां पर रोगी की स्थिति काफी खराब हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि हर संक्रमण के हर मामले में सावधानी बरती जानी चाहिए। मौके उपाधीक्षक डॉं प्रकाश ज्ञानी, डॉं मेराजुल इस्लाम डॉं प्रवीण कुमार, सुधांशु शेखर, विष्णु रबि दास, सबिता कुजूर, कुमारी अमृता, एवम अस्पताल कि सभी कर्मी उपस्थित थे।

रॉयल आर्किड इंटरनेशनल स्कूल ने करवाया अपने विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही के चाकूरा टांड़ में संचालित रॉयल ऑर्किड इंटरनेशनल स्कूल ने कक्षा एलकेजी से दशम तक के बच्चों को शैक्षिक भ्रमण करवाया गया। शैक्षणिक भ्रमण के तहत हजारीबाग निर्मल महतो पार्क और बायोडायवर्सिटी पार्क दिखाया गया। प्राचार्य आलोक कुमार ने बच्चों को जानकारी देते हुए कहा कि जहां विभिन्न प्रकार के पौधों को संरक्षित किया जाता है और यह शहरी क्षेत्रों में प्रकृति के भंडार के रूप में करता है इसी को पार्क कहा जाता है । ये पार्क पारिस्थितिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक लाभ प्रदान करते हैं, जैसे कि कार्बन अवशोषण, जलभृतों पुनःपूर्ति और संरक्षण शिक्षा को बढ़ावा देना। इनमें अक्सर औषधीय पौधों के उद्यान, तितली संरक्षण क्षेत्र और देशी प्रजातियों के जल निकाय जैसी सुविधाएं होती हैं। एक अच्छी तरह से संतुलित शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो छात्रों को कक्षा में सीखने को वास्तविक दुनिया से जोड़ने और विभिन्न शैक्षणिक और व्यक्तिगत कौशल विकसित करने के अवसर प्रदान करता है। कक्षा छठा से दसवीं तक का बच्चे को रांची साइंस सिटी दिखाया गया। विद्यालय के एमडी अनूप कुमार सिंह ने बच्चों को जानकारी देते हुए बताया कि साइंस सिटी एक शिक्षाप्रद और आरामदायक सैर के लिए एक बेहतरीन जगह है। यह शैक्षिक और मनोरंजक दोनों ही उद्देश्यों के लिए एक लोकप्रिय स्थल है, जहां सभी उम्र के आगंतुकों के लिए विभिन्न प्रकार की प्रदर्शनी और इंटरैक्टिव अनुभव उपलब्ध हैं। मौके पर विद्यालय के कई शिक्षक शिक्षिकाएं भी शामिल रहीं।

राधा गोविंद विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों नेर रामशोभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन का किया दौरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : फेकल्टी स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के अंतर्गत राधा गोविंद विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने रामशोभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन का दौरा किया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए एक शैक्षणिक और सांस्कृतिक अनुभव के रूप में महत्वपूर्ण रहा। इस अवसर पर राधा गोविंद विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, इस प्रकार के कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देते हैं। विद्यार्थियों को अलग-अलग शैक्षणिक पद्धतियों को समझने का अवसर मिलता है, जो उनके समग्र विकास में सहायक होता है। रामशोभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्राचार्या , डॉ ज्योति वालिया ने कहा, हम मेहमान विद्यार्थियों का स्वागत करते हैं और हमें गर्व है कि यह पहल हमारे शिक्षण संस्थान में की जा रही है। ऐसे कार्यक्रम हम सभी को नई सोच और दृष्टिकोण प्रदान करते हैं। दौरे का मुख्य उद्देश्य शिक्षण विधियों और शिक्षा प्रणाली का समग्र अनुभव प्रदान करना था। राधा गोविंद विश्वविद्यालय के लगभग 20 विद्यार्थियों ने रामशोभा कॉलेज के विभिन्न विभागों का भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने शिक्षा, मनोविज्ञान और शारीरिक शिक्षा के पाठ्यक्रमों के बारे में गहन अध्ययन किया। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों ने विशेष कार्यशालाओं में भाग लिया, जहाँ विभिन्न विषयों पर शिक्षकों द्वारा व्याख्यान दिए गए। इनमें शिक्षण में नई तकनीकों, समावेशिता, और अध्ययन के नवीनतम तरीकों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान, विद्यार्थियों ने आपसी संवाद और अनुभवों के आदान-प्रदान पर जोर दिया। रामशोभा कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी अपनी स्थानीय संस्कृति और शैक्षणिक अनुभव साझा किए, जिससे सभी विद्यार्थियों में आपसी समझ बढ़ी। दौरे के अंत में, डॉ रंजना पाण्डेय ने कहा, हम इस कार्यक्रम को सफल मानते हैं और आशा करते हैं कि यह विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बनेगा। यह सिर्फ शैक्षणिक यात्रा नहीं है, बल्कि एक सीखने की प्रक्रिया भी है। इस कार्यक्रम ने न केवल ज्ञान के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया, बल्कि विद्यार्थियों में सहानुभूति और सहयोग की भावना को भी बढ़ाया। सभी विद्यार्थियों ने इस अनुभव को अमूल्य मानते हुए भविष्य में फिर से ऐसे कार्यक्रमों की इच्छा व्यक्त की। फेकल्टी स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम निश्चित रूप से शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा प्रदान करता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सचिव प्रियंका कुमारी , कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार ने कार्यक्रम की सराहना की और हार्दिक शुभकामनाएं दिए।

संक्षिप्त खबरें

ग्राम जोरदाग गांव निवासी लाली कुमार आग से जलकर हुई घायल

केरेडारी (हजारीबाग) : जिला के अंतर्गत केरेडारी प्रखंड के पचड़ा पंचायत के ग्राम जोरदार गांव के निवासी लाली कुमारी पिता रुदन भुइंया उम्र 24 वर्ष आज सुबह 7 बजे दिनांक 1/12/2025 दिन सोमवार को आग जलाने के समय अचानक आग लहर गई जिससे लाली कुमारी का कपड़ा ने अचानक पकड़ लिया जिससे लाली कुमारी का सारा शरीर जल गया लाली कुमारी को जलते हुए देख जोरदग गांव के ग्रामीणों के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केरेडारी लाकर जांच करवाई जिस डॉक्टर विनय कुमार के द्वारा बताया गया कि इस मरीज को स्थिति काफी नाजुक है बेहतर इलाज के लिए सदर हजारीबाग रेफर कर दिया गया यह परिवार गरीब परिवार से बिलॉन्ग करती है लाली कुमारी ग्राम जोरदार गांव के ग्रामीणों ने इस गरीब लड़की का जलने का खबर सुनकर शोक में पड़ गए हैं जिसे इलाज के लिए इसको सहयोग की जरूरत पड़ रही है केरेडारी प्रखंड से जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों से अनुरोध है की लाली कुमारी को आर्थिक सहयोग करके इलाज करवाने में सहयोग का बाहर लगाई है जिससे लाल कुमारी का जान बच सके क्योंकि लाली कुमारी के परिवार काफी गरीब परिवार से बिलॉन्ग करता है इनके पास इलाज के लिए कोई अधिक राशि नहीं है जिससे सदर हजारीबाग अस्पताल में भर्ती कराया गया है लाल कुमारी का पूरे परिवार को रो-रो कर बुरा हाल हो गया है करें जिससे लाली कुमारी का परिवार सदा आभारी बने रहेगी।

बीजीआर कोल खनन परियोजना के कार्यों से पांडु ग्रामीण संतुष्ट, जीएम श्रीनिवास कुमार को ग्रामीणों ने दिया धन्यवाद

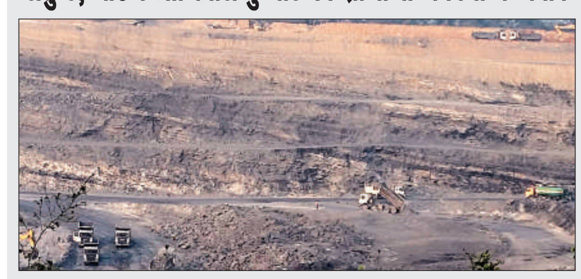

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के अंतर्गत ग्राम पांडु के समीप बी जी आर कॉल खनन परियोजना रहा है जिसे कोयला का संचालन पूर्ण रूप से किया जा रहा है जिससे पांडु के ग्रामीण एवं अगल-बगल गांव के ग्रामीण काफी खुश हैं हैं बी जी आर कॉल खनन परियोजना के जी एम श्री निवास कुमार का अच्छी कार्य को देखते हुए गांव के ग्रामीणों ने धन्यवाद दिए हैं पांडु के ग्रामीणों ने ने कि यह कैसा जी एम है जिससे पूरे गांव ग्रामीणों को मिलाकर चलने का काम किए हैं और जो विस्थापितों है जिसका पूर्ण रूप जमीन चला गया है उसे परिवार को किसी ना किसी अलग-अलग डिपार्टमेंट में काम में करवा कर उसे परिवार को चलाने का निर्देश दिए हैं जिससे पांडू के ग्रामीण में सारे महिला पुरुष नौ जवान साथी हैं जी एम श्री निवास के कार्य से काफी संतुष्ट हैं हैं जी एम श्रीनिवास बोले की जो भी हमारे कार्य आगे चलेगा मैं सारे ग्रामीणों का सहयोग से करूंगा जिससे ग्रामीणों को किसी प्रकार से परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा आज बी जी आर आपके गांव में एक कंपनी बनकर आई है इससे कितने गांव ग्रामीण नौजवान साथियों को रोजगार का रास्ता बना है और आने वाला दिन में ग्राम पांडू के जो भी गरीब परिवार है उनसे मुझे निवेदन होगा कि किसी भी प्रकार से समस्या होता है तो डायरेक्ट हमसे आकर मुलाकात करें उस समस्याओं का समाधान करूंगा हैं और खास करके विस्थापितों वालों ग्रामीणों को मैं अपील करता हूं कि अपना समस्या लेकर मुझे डायरेक्ट बताइए जिससे मैं समस्या का समाधान तुरंत कर सकूं दलालों के पीछे ना भागे हैं बी जी आर कंपनी के जितने भी उच्च पदाधिकारी हैं सभी कार्यों से पाण्डु के ग्रामीण पूर्व से संतुष्ट हैं जिससे पांडू गांव के ग्रामीणों ने BGR के सभी उच्च पदाधिकारी को धन्यवाद दिए है।

समाजसेवी रहमान अंसारी के जनाजे में शामिल हुए विधायक व पूर्व विधायक

चलकुशा (हजारीबाग): प्रखंड के समाजसेवी रहमान अंसारी की हार्ट अटैक आने से मौत हो गई। रहमान की मौत पर बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव पूर्व विधायक सह पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव जिप सदस्य सविता सिंह ने मृतक के परिजनों के बीच पहुंच कर शोक प्रकट किया। विधायक अमित कुमार यादव ने कहा चलकुशा प्रखंड क्षेत्र के लोगों ने एक सच्चे समाजसेवी एवं नेता को खो दिया। वहीं पर पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव ने कहा की हमारे बहुत पुराने साथी आज हम लोगों को छोड़कर चले ग। जनाजे की यात्रा में,मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह, राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के प्रखंड अध्यक्ष विक्रम सिंह समाजसेवी बसंत पांडेय, दशरथ यादव, केदार यादव, सुखदेव यादव अजमल अंसारी, कलीम अंसारी, तफज्जुल हुसैन, लखन साव, इत्यादि लोगों ने शामिल होकर शोक प्रकट किया।

ब्रह्म विद्या विहंगम योग ने किया सत्संग गोष्ठी का आयोजन

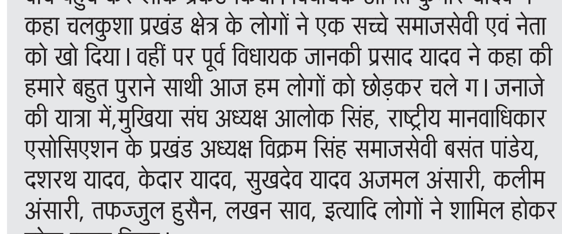

बरही : ब्रह्म विद्या विहंगम योग की ओर से शकुंतला पैलेस में सोमवार को सत्संग गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता किशोर सिंह एवं संचालन कृष्ण कुमार गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में ॐ कार ध्वनि, स्वागत गान, मंगल गान, माल्यार्पण एवं उद्घोष सामूहिक रूप से किया गया। साथ ही ज्ञान गुदड़ी सुनीता देवी तथा स्वर्वेद का अखंड पाठ समुद्री देवी ने किया। भजन , अनीता देवी, समुद्री देवी एवं कैलाश प्रसाद केशरी ने किया। वहीं प्रवचन उपेन्द्र पांडे ने किया। इस दौरान अनुमंडल सत्संग प्रभारी कृष्णा गुप्ता ने मौके पर मौजूद सभी गुरु भाई एवं बहनों को विस्तार पूर्वक ब्रह्म विद्या विहंगम योग की विशेषता को बताया। साथ ही स्वर्वेद ग्रन्थ के बारे में भी जानकारी दी। मौके मुख्य रूप से मौजूद थे। मौके पर रविन्द्र सिंह, प्रमोद गुप्ता, अनीता देवी, राजेश कुमार, कैलाश केशरी, सत्येंद्र सिंह,सुनीता देवी भारती देवी, सुनील कुमार, सोनू कुमार,आदि लोग मौजूद थे।

झारखंड विधानसभा का सत्र 5 दिसंबर से शुरू होगा, गरमाएगा राजनीतिक समर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 दिसंबर से शुरू होकर 11 दिसंबर तक चलेगा। राज्यपाल की मंजूरी के बाद विधानसभा सचिवालय ने जो औपबंधिक कार्यक्रम जारी किया है, उसके मुताबिक इस बार कुल पांच कार्यदिवस तय किए गए हैं। सत्र शुरू होने से पहले ही सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपनी-अपनी रणनीतिक बैठकों से राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है।

सत्र के सुचारू संचालन के लिए विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने 4 दिसंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। एक दिन पहले, 3 दिसंबर को वे अधिकारियों के साथ उच्च-स्तरीय समीक्षा करेंगे, जिसमें प्रशासनिक तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। स्पीकर की प्राथमिकता है कि सत्र में अधिक से अधिक जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो।

इस शीतकालीन सत्र में 8 दिसंबर को हेमंत सरकार चालू वित्त वर्ष का दूसरा अनुपूरक बजट पेश करेगी। चार दिनों तक प्रश्नकाल भी चलेगा, जिसके दौरान विपक्ष सरकार को घेरने की पूरी तैयारी में है। खासकर भाजपा सत्र में विशेष रूप से सक्रिय है। सरकार के एक साल पूरे होने पर भाजपा द्वारा जारी आरोप पत्र के आधार पर पार्टी सदन में मुखर होगी। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने 7 दिसंबर को विधायकों की बैठक बुलाई है, जिसमें अवैध कोयला, कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर सरकार को कड़ी चुनौती देने की रणनीति तैयार की जाएगी। भाजपा की कोशिश होगी कि अनुपूरक बजट पर बहस के दौरान सरकार के वित्तीय दावों पर सवाल उठाए जाएं।

सत्ता पक्ष की संयुक्त तैयारियों से पहले कांग्रेस ने भी 4 दिसंबर को दोपहर ढाई बजे विधायक दल की बैठक बुलाई है। कांग्रेस प्रभारी के राजू, विधायक दल के नेता प्रदीप यादव, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश समेत पार्टी के सभी विधायक इसमें शामिल होंगे। यह बैठक विपक्ष की संभावित रणनीति का मुकाबला करने, विभागीय तैयारियों के आकलन और गठबंधन के भीतर कांग्रेस की एक आवाज बनाए रखने पर केंद्रित होगी।

उधर, सत्ता पक्ष की बड़ी रणनीतिक बैठक 4 दिसंबर को शाम साढ़े चार बजे एटीआई सभागार में होगी, जिसकी अध्यक्षता स्वयं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। इस बैठक में गठबंधन के भीतर समन्वय को मजबूत करने, विपक्षी सवालों के तत्पर और प्रभावी जवाब तैयार करने तथा सत्र के फ्लोर मैनेजमेंट पर खास निर्देश दिए जाएंगे।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रश्नकाल में विपक्ष को जवाब देने, 8 दिसंबर के अनुपूरक बजट पर सरकार का पक्ष मजबूत रखने और विधेयकों को बिना बाधा पारित कराने की योजनाओं पर अंतिम मुहर इसी बैठक में लगेगी। झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री की प्राथमिकता होगी कि पूरे सत्र के दौरान गठबंधन एकजुट दिखे और विपक्ष को किसी भी मुद्दे पर मौका न मिले–ठीक वैसा ही आक्रामक फ्लो जैसा मानसून सत्र में देखने को मिला था।

एक नजर

स्मार्ट सिटी से एक व्यक्ति का शव बरामद, ठंड से मौत की आशंका

रांची : पुलिस ने रांची के धुर्वा थाना क्षेत्र अंतर्गत स्मार्ट सिटी इलाके से एक अज्ञात व्यक्ति का सोमवार को शव बरामद किया है। शव मिलने की सूचना पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर धुर्वा थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है और आगे की कार्रवाई में जुटी है। शव की स्थिति को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि ठंड लगने से वृद्ध व्यक्ति की मौत हुई है। मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक भीख मांग कर अपना गुजारा करता था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने अज्ञात शव मिलने के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है।

निर्माणाधीन बिल्डिंग से गिरकर मजदूर की मौत पुलिस जांच में जुटी

रांची : रांची के मेन रोड स्थित द केन नामक होटल की निमार्णाधीन इमारत से गिरकर सोमवार को एक मजदूर की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मजदूर ऊपरी मंजिल पर काम कर रहा था, तभी अचानक फिसलकर नीचे गिर गया। गिरने के तुरंत बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि मजदूर बिना किसी उचित सुरक्षा उपकरण (सेफ्टी बेल्ट और हेलमेट) के ऊंचाई पर काम कर रहा था। इसे निर्माण कार्य में सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी माना जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही हिंदपीढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी ने बताया कि दुर्घटना की सूचना प्राप्त होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

स्टेडियम में अव्यवस्था पर जेएससीए प्रबंधन ले जिम्मेवारी : नायक

रांची : आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने भारतझदक्षिण अफ्रीका प्रथम वनडे मैच के दौरान हुई अव्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए (झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन) एससीए प्रबंधन की आलोचना की है। उन्होंने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव और उपाध्यक्ष अजय पांडेय को नैतिक आधार पर जवाबदेही लेनी चाहिए। नायक ने कहा कि मैच के दिन सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक देखने को मिली, जब एक युवक बैरिकेड पार कर सीधे खिलाड़ी विराट कोहली तक पहुंच गया। उन्होंने कहा कि यह घटना स्टेडियम प्रबंधन की सतर्कता पर गंभीर सवाल खड़ा करती है। इसी के साथ नकली टिकटों की बिक्री, कालाबाजारी और बड़ी संख्या में दर्शकों को वैध टिकट के बावजूद प्रवेश न मिलना भी चिंता का विषय है। नायक ने स्पष्ट किया कि यह व्यक्तिगत आरोप नहीं है, बल्कि जिम्मेदार पदों पर बैठे अधिकारियों से अपेक्षित नैतिक जवाबदेही की मांग है। उन्होंने कहा कि जेएससीए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष भले ही प्रत्यक्ष रूप से हर व्यवस्था के लिए जिम्मेदार न हों, लेकिन प्रबंधन की शीर्ष जिम्मेदारी उनके ही कंधों पर होती है। नायक ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जेएससीए इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष समीक्षा कर भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाएगा।

संत जेवियर कॉलेज के छात्रों ने सड़क पर बना दिया पार्किंग, हर दिन लग रहा जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : शहर में लगातार अतिक्रमण हटाओ अभियान चल रहा है। शहर में मुख्य मार्ग मेन रोड, कचहरी रोड, सुजाता रोड समेत अन्य मार्गों पर कार्रवाई हो रही है। अवैध पार्किंग पर तुरंत चालान काट दिए जाते है।

फुटपाथ मार्ग पर दुकान, झुग्गी झोपड़ी, फास्ट फूड, चाय दुकान, छोला भटूरा समेत छोटे साग-सब्जी की दुकान को हटाए जाते है। लेकिन संत जेवियर कॉलेज के सामने पार्किंग पर प्रशासन सुस्त दिख रही है। लोगों को जाम से निजात दिलाने के लिए कई ठोस पहल किए है। इसके लिए हजारों दुकानदारों को वेंडर मार्केट उपलब्ध कराए गए है। फिर भी रांची में जाम आम बात हो गई है। संत जेवियर कॉलेज गेट के सामने अवैध पार्किंग चल रहा है। विद्यार्थी फुटपाथ पर पार्किंग बना दिए है।

अपने गाड़ी को रोड पर खड़ा कर क्लास करने चले जाते है। लेकिन नगर निगम इन पार्किंग पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। पार्किंग की वजह से हर दिन जाम लग जाता है। मिशन चौक से लेकर अलबर्ट एक्का चौक तक गाड़िया रेंगते हुए चलते है। पांच मिनट का सफर में लग जाता है आधा घंटा। जब एक साथ स्कूल और कॉलेज की छुट्टी होती है। उस दौरान विद्यार्थियों के अवैध पार्किंग की वजह से रोड पूरी तरह से संकीर्ण हो जाता है। लोगों का पैदल चलना मुस्किल हो जाता है। ऑटो वाले भी रोड पर ऑटो खड़ा करते है। पैसेंजर बैठाते है। इसकी वजह से भी जाम लग जाता है।

बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवाती तूफान दितवाह के असर से छाया बादल, बढी ठंड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बंगाल की खाडी में बने उठे चक्रवाती तूफान दितवाह के असर से रांची सहित राज्य के कई जिलों में बादल सोमवार को बादल छाया रहा। बादल छाने से दिनभर कनकनी का एहसास हुआ। यह जानकारी मौसम विभाग ने सोमवार को दी। विभाग के अनुसार चक्रवाती तूफान दिटवाह दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाडी और इससे सटे तमिलनाड एवं पुडुचेरी के तटीय इलाकों में बना हुआ है और यह धीरे-धीरे उत्तरी दिशा की ओर बढ रहा है। इसके अगले कुछ घंटों में डिप्रेशन (अबदाब) में परिवर्तित होने की आशंका है।

इसके प्रभाव से झारखंड के विभिन्नु जिलों में मंगलवार को भी बादल छाये रहने की संभावना है। विभाग के अनुसार बुधवार (तीन दिसंबर) से मौसम साफ होने की संभावना है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्यं में सबसे अधिक तापमान 29.8 डिग्री और सबसे कम तापमान 10.3 डिग्री गुमला में रिकॉर्ड किया गया।

वहीं सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से आसमान में काले और घने बादल छाये रहे। इससे लोगों को दिनभर कनकनी का एहसास हुआ। बादल छाने से अधिकतम तापमान में चार से पांच डिग्री की कमी दर्ज की गई। बादल छाने से लोग घरों में ठिठुरते नजर आए, जबकि कई लोग आम जलाकर गर्म होते दिखे।

सोमवार को रांची में अधिकतम तापमान 19 डिग्री और न्यू1नतम तापमान 13.4 डिग्री, जमशेदपुर में 28.4 डिग्री और 13.4 डिग्री, डालटनेगंज में 27.4 और 11.5, बोकारो में 26.1 और 13.6 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 29.8 और न्यू.नतम तापमान 13.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

प्रणामी सेवा धाम में धूमधाम से मनी गीता जयंती, गीता पाठ में सराबोर हुए श्रद्धालु

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट पुंदाग की ओर से संचालित श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर में सोमवार को गीता जयंती का पावन पर्व अत्यंत भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। इसके साथ ही भजन और गीता पाठ सुनकर श्रद्धालु भक्तिरस से सरोबोर हो गए। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह भगवान श्री राधा-कृष्ण की मंगल आरती से हुई। इसके बाद मंदिर के पुजारी पंडित अरविंद पांडे ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विशेष पूजा-अनुष्ठान संपन्न कराया।

ठाकुरजी का स्वर्ण-रजत आभूषणों, पुष्प-मालाओं और पारंपरिक परिधानों से सजा भव्य श्रृंगार आकर्षण का केंद्र रहा। आचार्य ने फल, मेवा और विविध मिष्ठान्न से भोग अर्पित किया। बाद में श्रद्धालूओं के बीच प्रसाद का वितरण हुआ। गीता पाठ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए संपूर्ण अध्यायों का श्रद्धापूर्वक पाठ किया। इसके बाद आयोजित भजन-कीर्तन में भजन गायक मनीष सोनी और उनकी टीम ने कर्म करो और प्रभु का कर लो ध्यान., श्याम तेरी बंसी पुकारे. जैसे कई भक्तिमय भजनों से वातावरण को भाव-विभोर कर दिया। भजन गायिका पूजा शर्मा और निधि शर्मा ने भी अपनी प्रस्तुति से भक्तों को झूमाया।

कार्यक्रम में ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ निर्मल जालान, मधुसूदन जाजोदिया, पूरणमल सर्राफ, सुरेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सीयूजे में हुआ आईसीएसएसआर प्रायोजित क्षमता विकास कार्यक्रम का उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) के शिक्षा विभाग तथा अर्थशास्त्र एवं विकास अध्ययन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित आईसीएसएसआर प्रायोजित 'सामाजिक विज्ञान में मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोध प्राविधि' पर दो सप्ताह का क्षमता विकास कार्यक्रम का औपचारिक रूप से प्रारंभ हुआ। यह कार्यक्रम 01 दिसंबर 2025 से 13 दिसंबर 2025 तक चलेगा।

उद्घाटन समारोह के दौरान एनसीटीई के पूर्व चेयरमैन प्रो. संतोष कुमार पंडा, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के कुलपति प्रो. सीबी शर्मा, तथा सीयूजे के कुलपति प्रो. केबी दास विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि प्रो. सीबी शर्मा ने एनईपी से अपने लंबे संबंधों को साझा करते हुए कहा कि शिक्षा और शोध के लिए सही प्रश्न पूछना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की प्रगति के लिए नीति और योजना एक-दूसरे के पूरक हैं, इसलिए शोधार्थियों को सभी राष्ट्रीय नीतियों, आयोगों की रिपोर्टों और योजनाओं का अध्ययन अवश्य करना चाहिए। उन्होंने सामाजिक विज्ञान में फंडिंग बढ़ाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि एक अच्छा आइडिया समाज बदल सकता है, इसलिए उस पर निवेश जरूरी है। एनसीटीई के पूर्व चेयरमैन प्रो. संतोष कुमार पंडा ने सीयूजे के कुलपति की प्रबंधन क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि भारत में सामाजिक विज्ञान का शोध अभी काफी कमजोर है, जिसे मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एनईपी का मुख्य उद्देश्य शिक्षा को भारतीय परंपरा व मूल्यों से जोड़ना है तथा शोध को नई दिशा देना है।

14 दिसंबर को रामलीला मैदान में होगा बड़ा प्रदर्शन : अलका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कांग्रेस भवन में सोमवार को महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने प्रेस वार्ता की और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। इससे पहले संगठन में बदलाव के तहत रामा खलखो ने कांग्रेस महिला अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया।

प्रेस वार्ता में अलका लांबा ने कहा कि केंद्र की नीतियों के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन तेज होगा। उन्होंने एसआईआर के मुद्दे पर कहा कि 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें देशभर से कार्यकर्ता जुटेंगे।

उन्होंने कहा कि चुनाव जीतें या हारें, लेकिन एसआईआर का विरोध जारी रहेगा क्योंकि यह संविधान विरोधी है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि रक्फ़के दबाव में इछड परेशान हैं और केंद्र सरकार अपने हिसाब से मतदाता सूची तैयार कर रही है। उन्होंने महिला कांग्रेस को बूथ स्तर पर और मजबूत करने का टास्क भी दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इधर संगठन सृजन अभियान के तहत बूथ स्तर पर प्रतिनिधियों की नियुक्ति जारी है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि 15 दिसंबर तक सभी बूथों पर बीएलए नियुक्त करने का निर्देश जिला अध्यक्षों को दिया गया है। उन्होंने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत प्रखंड और पंचायत स्तर पर प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है और बीएलए नियुक्ति का काम तेज गति में चल रहा है। खिजरी विधानसभा क्षेत्र के अनगड़ा के 16 पंचायत, नामकुम के 22 पंचायत और नगड़ी के तीन पंचायतों के कुल 630 पंचायत पदाधिकारी और बीएलए का सम्मेलन 4 दिसंबर को सुबह 10:30 बजे नामकुम प्रखंड के रामपुर पंचायत स्थित लपंग टोली में आयोजित किया जाएगा। इसमें प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और सह प्रभारी सीरीबेला प्रसाद शामिल रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

गृह मंत्री अमित शाह से मिले प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष

रांची : झारखंड प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की. जानकारी के अनुसार मुलाकात के दौरान प्रदेश भाजपा के सांगठनिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई. वहीं, प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू ने केंद्रीय गृह मंत्री से राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालातों पर भी चर्चा की.

रांची में रेस्टोरेंट कारोबारी ने की आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

रांची : रांची के प्रसिद्ध रेस्टोरेंट कुप्पुस्वामी के मालिक शंकर नारायण ने सोमवार को कांके थाना क्षेत्र के जगतपुरम कॉलोनी स्थित अपने घर में आत्महत्या कर ली। उनका शव घर के कमरे से बरामद किया गया। सूचना मिलने पर कांके थाना प्रभारी प्रकाश रजक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पुलिस निगरानी में नीचे उतारा गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। घटनास्थल से सुसाइड नोट की तलाश जारी है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि शंकर नारायण पिछले कुछ समय से भारी कर्ज में डूबे हुए थे, जिसके कारण वे मानसिक तनाव में रहते थे। कर्ज का दबाव उनकी आत्महत्या की मुख्य वजह बताई जा रही है। शंकर मूल रूप से केरल के रहने वाले थे। उनके बड़े भाई वेलाई का भी रांची के हजारीबाग रोड पर होटल का व्यवसाय है। वेलाई ने बताया कि दोनों भाई हर साल गांव के मंदिर में होने वाली पूजा में शामिल होने के लिए केरल जाते थे, लेकिन इस बार शंकर नहीं गए। पहले ही कर्ज को लेकर उनकी चिंता साफ दिख रही थी। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है और पूरे मामले की विस्तृत छानबीन की जा रही है।

मोक्षदा एकादशी के शुभ अवसर पर श्याम मंदिर में भक्तों की लगी भीड़

रांची : हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की मोक्षदा एकादशी के शुभ अवसर पर मंदिर में भक्तों की लंबी लंबी लाइन देखने को मिली। 5:30 बजे की मंगला आरती में नियमित दर्शन करने वाले दर्शनार्थियों के अलावा ग्यारस में आने वाले श्याम भक्तों की भी भारी संख्या में भीड़ देखने को मिली। मंगला आरती के बाद मंड के पर्दे लगाकर बाबा श्याम का अनुपम दिव्य श्रृंगार किया गया। अध्यक्ष गोपाल मुरारका कोषाध्यक्ष मनोज खेतान कार्यकारणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा के सानिध्य में मंदिर के आचार्य ने मिलकर बाबा श्याम को कोलकाता बेंगलुरु से मंगाए गए ऑर्किड डच गुलाब तुलसीदल लाल मुरुगन फूल रजनीगंधा येलो क्रिस्टनम पीला गेंदा की मोटी मोटी मालाओं से सजाया। ग्यारस का दिन श्याम भक्तों के लिए विशेष दिन होता है और हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में दिन प्रतिदिन भक्तों की आस्था और मान्यता बढ़ती जा रही है। श्री श्याम मंदिर हरमू रोड की सभी पूजन अनुष्ठान विधि विधान से खाटूधाम की परंपरा अनुसार किए जाते हैं। हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में भक्त अपनी अर्जी लेकर अपने आराध्य देव से अपनी अरदास लगाते हैं। जहां एक और भक्त अपनी अर्जी लेकर आए हुए थे और बाबा के चरणों में उसे समर्पित कर रहे थे वहीं दूसरी ओर दर्शन करने वालों की भी लंबी–लंबी लाइन लगी थी। 12.15 बजे विश्राम आरती के बाद 12.30 बजे मंदिर के पट लगा दिए गए। संध्या 4.30 बजे जब मंदिर के पट खुले तो पहले से ही भक्त काफी संख्या में दर्शन करने के लिए उपस्थित थे।

वृंदावन से पहुंचे अनुराग कृष्ण शास्त्री को सभा ने किया सम्मानित

रांची : वृंदावन से पहुंचे भागवत किंकर अनुराग कृष्ण शास्त्री (श्री कन्हैया) को मारवाड़ी ब्राह्मण सभा की ओर से सोमवार को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर किंकर अनुराग कृष्ण शास्त्री ने मारवाड़ी ब्राह्मण सभा के सदस्यों को संक्षेप में सनातन धर्म यात्रा के बारे में बताया और उनकी ओर से चलाए जा रहे गुरुकुल के बारे में भी उपस्थित लोगों को जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में मारवाड़ी ब्राह्मण सभा के पूर्व अध्यक्ष रवि शर्मा, मंत्री किशन लाल शर्मा, महेंद्र शर्मा, नथमल शर्मा, भोपाली शर्मा, चेतन शर्मा, विनय (जुगु) जोशी, कमल शर्मा सहित सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही, श्री श्याम बाल मंडल की ओर से भी अनुराग कृष्ण शास्त्री का स्वागत किया गया। स्वागत करनेवालों में सभा के दिनेश शर्मा, रजनीकांत शर्मा, अंकिता अग्रवाल, अंकित माटोलिया, सूरज सोनी सहित अन्य का विशेष सहयोग उल्लेखनीय रहा।

पति ने पहले की पत्नी की हत्या, फिर उसी हथियार से काटा खुद का गला

रांची : जिले के अनगड़ा थाना क्षेत्र के रिंगरोड स्थित हेहल टोल प्लाजा के पास हत्या की घटना सामने आई है। सोमवार को आपसी विवाद में एक पति लालू करमाली ने पहले अपनी पत्नी ममता देवी की धारदार हथियार से मारकर निर्मम हत्या कर दी और फिर उसी हथियार से खुद का गला काट लिया। गंभीर अवस्था में लालू करमाली को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, लालू और ममता ने लव मैरिज किया था। पति–पत्नी के बीच लंबे समय से आपसी विवाद चल रहा था। लालू टोल प्लाजा पर काम करता था। वहीं पर उसका घर भी था। इसी दौरान सोमवार को विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने आवेश में आकर अपनी पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे पत्नी की मौके पर मौत हो गई। पति ने घटनास्थल से भागने की कोशिश नहीं की, बल्कि उसने उसी धारदार हथियार का इस्तेमाल कर खुद का गला काट लिया। घटना की सूचना मिलते ही अनगड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की जांच में जुटी हुई है।

सुरक्षा और अधिकार के लिए मजदूर आन्दोलन को तैयार : बिके चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सुरक्षित काम,अधिकार और टेन्सन मुक्त करने के मांगो को लेकर जय झारखंड मजदूर समाज की ओर से बोकारो स्टील के हर बिभाग मे चलाए जा रहे जनजागरण कार्यक्रम के तहत आज छठे दिन हॉट स्ट्रीप मील केन्टीन रेस्ट रूम मे मील जोन मे काम कर रहे इस्पातकमीर्यों और ठेकाकमीर्यों के बीच जनजागरण किया गया जिसमे सेकडो कर्मचारीयों ने भाग लिया । अध्यक्षता बिभागीय नेता भी के साह ने किया जबकि संचालन संयुक्त महामंत्री एन के सिंह ने किया ।इस्पातकमीर्यों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी के सामने 39 महिने का एरियर, युनियन चूनाव, इन्सेंटिव रिवार्ड स्कीम मे बदलाव, डी प्रकार आबास लाईसेंस योजना इत्यादि मांगो का उठाया वहीं ठेकाकमीर्यों ने सेफ्टी बिभाग द्वारा सेफ्टी के नाम पर खानापूर्ति ,बेतन मे से पैसा लोटाने पर 100% रोक के साथ पैसा नही लोटाने पर गेट पास रोकने की प्रथा पर रोक,यू एस डब्लू को गेट के बाहर किसी तरह का स्टेन्ड नही बल्कि मोटर साइकिल पास चाहिए, एस डब्लू को बी जी एच मे मुफ्त ईलाज, साईकिल भत्ता,केन्टीन भत्ता, रात्री पाली भत्ता, इन्सेंटिव रिवार्ड के साथ साथ किसी परिस्थिति मे हुए मृत्युउपरान्त इस्पातकमीर्यों की तरह ठेकाकमीर्यों के आश्रित को भी नियोजन इत्यादि मांगो को मिटिंग मे जोरदार तरीके से उठाया साथ साथ सभी मांगो को हांसिल करने के लिए महामंत्री बि के चौधरी को आर पार का आन्दोलन करने का प्रस्ताव दिया । सभी बातों को सुनने के उपरान्त बि के चौधरी ने अपने संक्षिप्त सम्बोधन मे कहा कि प्रबंधन मजदूरों के उपरोक्त सभी बेदनाओं को जानती और समझती भी है लेकिन संवेदनहीन बनी हुई है । सेफ्टी के नाम पर खानापूर्ति किया जा रहा है जिसका नतीजा है कि आये दिन दुर्घटना मे दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी हो रहा है। एक तरफ प्रबंधन अपने बकतव्य मे मजदूरों को असुरक्षित स्थान या बिना सुरक्षा उपकरण काम नही करने का सलाह देती है लेकिन अगर मजदूर उसपर अमल करता है तो इन्जीनियर इन्चार्य या ठेकेदार द्वारा उसे प्रताड़ित किया जाता है साथ मे काम से निकालने का धमकी । मजदूर उपरोक्त समस्या को लेकर घर से हीं टेन्सन मे कार्यस्थल पर आता है । अन्त मे बि के चौधरी ने कहा कि जान है तो जहान है और जान माल का हिफाजत प्रबंधन की जवावदेही है उसमे भी खाशकर सेफ्टी बिभाग का।

एक नजर

तेनुघाट पिकनिक स्थल पर मिली अज्ञात व्यक्ति की हत्या इलाके में फैली सनसनी

बोकारो : जिला के बेरमो अनुमंडल अंतर्गत तेनुघाट पिकनिक स्थल पर सोमवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई है। शव के सिर और चेहरे पर गंभीर चोट के गहरे निशान पाए गए हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि उसकी हत्या कर शव को यहां फेंका गया है।सुबह जब ग्रामीण शौच के लिए उस क्षेत्र गए थे, तभी उन्होंने शव देखा। तुरंत ही इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचे तेनुघाट ओपी प्रभारी भजन लाल महतो ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी महतो ने बताया कि मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। उसके सिर और चेहरे पर लगे चोटों से स्पष्ट है कि उसकी मौत अपराध के कारण हुई है।पुलिस ने शव को तेनुघाट अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है, ताकि संबंधित परिवार या परिचितों की पहचान हो सके। इस बीच, पुलिस घटना की मजबूत प्राथमिक जांच में जुट गई है। स्थानीय पुलिस ने इसे हत्या ही मानते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।इस घटना ने इलाके में भय का माहौल कायम कर दिया है। पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि किसी को मृतक की पहचान या जानकारी हो तो तुरंत ओपी थाना से संपर्क करें, ताकि मामले का जल्द खुलासा किया जा सके। इस घटना को लेकर स्थानीय प्रशासन और पुलिस की जांच तेज कर दी गई है, और अपराधी जल्द पकड़ में आएं, इसकी आशंका व्यक्त की जा रही है।यह घटना इलाके के लिए बड़ी चुनौती बन गई है, और मौके की तहकीकात में पुलिस सभी सुराग को तलाश रही है।

राजपूत समाज ने शहीद गौरीशंकर को दी श्रद्धांजलि

धनबाद : बोकारो क्षेत्रीय राजपूत समाज ने शहीद सीआरपीएफ गौरीशंकर को चास प्रखण्ड महुदा गाँव आयोजित 11 वीं शहादत दिवस पर उनके मूर्ति पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। मौके पुर्व केन्द्रीय अध्यक्ष कामेश्वर नारायण सिंह, केन्द्रीय प्रवक्ता राधेश्याम सिंह, संगठन मंत्री रघुनाथ सिंह, राजाराम सिंह, सावित्री सिंह, कन्हैया सिंह, उपमुखिया शंकर प्रसाद सिंह, रामचन्द्र सिंह, सुरेन्द्र नाथ सिंह, संतोष सिहं, महावीर सिंह, निरंजन सिंह, गिरी धारी सिंह सहित पदाधिकारी व महुदा राजा टांड ग्राम कमिटी के पदाधिकारी सदस्यों उपस्थित थे।

हेसल निवासी ममता देवी की तेजधार हथियार से गला रेत का हत्या

अनगड़ा : रांची जिला अन गडा थाना क्षेत्र हेसल रिंग रोड टोल प्लाजा के समीप 28 वर्षीय ममता देवी की गला रेत कर हत्या कर दी गई मृतक के पति दिनेश्वर करमाली उर्फ लालू का भी गला रेता गया इसकी जानकारी अन गडा थाना को दी गई गोतम कुमार रजवार घटना स्थल पहंचे और घायल को इलाज के लिए रिम्स भेजा` लेकिन लालू करमाली की स्थिति गंभीर बनी हुई है। लालू को इलाज चल रहा है सिल्ली डी एस पी थाना प्रभारी गौतम कुमार रजवार मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

डीएवी सेक्टर-4 में रंगारंग फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीएवी -4 विद्यालय में कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा 2 तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए रंगारंग फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और मंच अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर के लब्धप्रतिष्ठ विशिष्ट अतिथियों कुंदन कुमार सीजीएम , शक्ति कुमार, बीएस जायसवाल, अनुपाल सागर एवं श्री ब्रह्मदेव द्वारा दीप प्रज्वलन एवं डीएवी गान के साथ हुआ। विद्यालय के प्राचार्य महोदय ने पुष्पगुच्छ देकर सभी अतिथियों का स्वागत किया एवं शॉल मोमेंटो देकर विशिष्ट अतिथिवृंद को सम्मानित भी किया। विभिन्न परिधानों में सजे करीब 400 छोटे-छोटे प्रतिभागियों ने मंच पर आकर अपने अद्भुत अभिनय से सभी का मन मोह लिया। किसी बच्चे ने स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका निभाई, तो किसी ने पशु-पक्षी, फल सब्जी, कार्टून कैरेक्टर, प्रसिद्ध लजीज व्यंजन, परी एवं पौराणिक कथाओं के पात्र और अंतरिक्षीय वंडर जैसे विषयों पर शानदार प्रस्तुति दी। बच्चों की मासूम अदाओं और आकर्षक वेशभूषा ने पूरे वातावरण को उत्साह और रंगों से भर दिया।

चिरा चास थाना क्षेत्र में टाइल्स मिस्त्री की हत्या, आरोपी गिरफ्तार, पूरे इलाके में तनाव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : नगर के चिरा चास थाना अंतर्गत वार्ड नंबर 7, शांति नगर में रविवार की रात एक सनसनीखेज घटना ने पूरे इलाके में खलबली मचा दी। टाइल्स मिस्त्री पंकज महतो, जो शांति नगर के मकान मालिक हर्ष कर्मकार के घर काम कर रहे थे, रात को काम छोड़कर घर नहीं लौटे। जब परिवार को पता चला कि पंकज के मोबाइल, जैकेट और मोटरसाइकिल उनके घर पर छोड़ी गई हैं, तो उनके परिवार में संशय पैदा हो गया।पंकज के घरवालों ने शंका के आधार पर हर्ष कर्मकार के घर जाकर जांच की तो वहां खून के धब्बे और जमीन पर गहरे खून के निशान मिले। जानकारी के बाद मामले की सूचना तुरंत चिरा चास पुलिस थाना को दी गई। थाना प्रभारी पुष्पराज पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए।पुलिस पहुंचने पर आरोपी हर्ष कर्मकार घर में छिपा मिला। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार कर लिया। इसके बाद जब पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर थाने ले जा रही थी, तब एक उग्र भीड़ ने उस पर हमला कर दिया। हमले में आरोपी समेत कई लोग घायल हो गए, परंतु पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद आरोपी को सुरक्षीत स्थान पर ले जाने में कामयाबी हासिल की।घटना के बाद भीड़ ने आरोपी के घर पर जमकर हमला बोला, घर में तोड़फोड़ की और गाड़ी क्षतिग्रस्त कर दी। खिड़कियां, दरवाजे व गमले तोड़े गए। आरोप है कि भीड़ में शामिल महिलाएं आरोपी की मां से भी झगड़ा किया और मारपीट की।

डीपीएस चास में अंतर-विद्यालयी रोप स्किपिंग चैंपियनशिप में बोकारो प्रथम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चास/बोकारो : विगत 30 नवंबर 2025 को डीपीएस चास, बोकारो में ह्यह्यप्रथम बोकारो जिला अंतर-विद्यालयी जम्प रोप/रोप स्किपिंग चैंपियनशिप 2025 का आयोजन हुआ। यह युवा प्रतिभाओं और खेल उत्कृष्टता का एक जीवंत उत्सव था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, भारतीय वॉलीबॉल टीम 2023 के मुख्य प्रशिक्षक और ओलंपिक शिक्षक डॉ. जयदीप सरकार थे। इस अवसर पर उपस्थित अन्य अतिथियों में बोकारो जिला रोप स्किपिंग एसोशिएशन के अध्यक्ष और केवीएस बोकारो नंबर 3 के शारीरिक शिक्षक तथा अंतर्राष्ट्रीय ताइक्वांडो मास्टर विजय भारती और झारखंड जंप रोप एसोसिएशन के तकनीकी निदेशक समीर सिंह तथा डीएस मेमोरियल सोसाइटी चास के सचिव सुरेश अग्रवाल की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और समृद्ध बनाया। बोकारो को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया। इस विद्यालय को 20 स्वर्ण, 24 रजत और 19 कांस्य सहित कुल 63 पदक प्राप्त हुए। विजेता खिलाड़ियों में शिवांशी, कुमारी आकृति,वंशिका सुमन, नायरा कश्यप, कृतिका यादव, अनिमेष बाउरी, मुबारक अंसारी, रिषु, टियारा, अनुश्री जेना, कनिष्का सिंह, जोया सिद्दिकी, अमन, कौशलेंद्र, रमण सिंह, स्वतंत्र, रेहान सिद्दिकी, अमिनेष, प्रशांत, मो. शाद, श्वेता, रायना ठाकुर, प्रियदर्शनी, कायरा अग्रवाल,परी कुमारी, आदित्य प्रताप सिंह, आरोही, सोनी, कृदय, प्रिंस, निश्चल दूबे, विंध्याचल, आसना सरोज, अन्निका, रणवीर गोस्वामी,आकृति एवं श्रद्धा थे। इस चैंपियनशिप में डीएवी सेक्टर-4, डीएवी सेक्टर-9ई, आदर्श विद्या मंदिर चास, बोकारो पब्लिक स्कूल, एमजीएम बोकारो, जीजीपीएस बोकारो, केवीएस चंद्रपुरा, केवीएस नंबर 3 बोकारो और केवीएस बीटीपीएस के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और असाधारण गति, समन्वय और अनुशासन का प्रदर्शन किया।

चक्की मोड़ शीतला मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चक्की मोड़ स्थित शीतला मंदिर के पास श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन हेतु बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बैठक में कथा कार्यक्रम की तिथि, स्थान, वित्तीय प्रबंधन, और श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। भव्य कथा में वृंदावन के सुधांशु जी महाराज कथा वाचक होंगे, जो 16 जनवरी से 23 जनवरी तक कथा का संचालन करेंगे। बैठक में निम्नलिखित पदधारकों को जिम्मेदारी सौंपी गई है:अध्यक्ष द्वारा की जा रही अगुवाई में मुरारी सिंह को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। महा सचिव जाय सिंह पाली हैं। उपाध्यक्षों में शैलेन्द्र कुमार तिवारी, बृजेश चौबे और सुजीत कुमार नियुक्त हैं। कोषाध्यक्ष मंतोष पांडेय तथा उप कोषाध्यक्ष निवास कुमार हैं। संगठन मंत्री के रूप में सुरेंद्र तिवारी, संयोजक के रूप में राम कुमार मिश्रा और मुख्य संगरक्षक के रूप में सुजीत कुमार उपाध्याय होंगे। मीडिया प्रभारी ऋषिकेश चौधरी और प्रेस सलाहकार विजय पांडेय हैं। समस्या निवारण प्रभारी संजीव कुमार ओझा को नियुक्त किया गया है। अन्य विभाग जैसे प्रचार, प्रसाद वितरण, तकनीकी, सजावट और प्रायोजन के प्रभारी भी चयनित किए जाएंगे। कथा आयोजन में पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए समिति ने विस्तार से प्रबंध किया है ताकि सभी श्रद्धालु इस आध्यात्मिक आयोजन का लाभ उठा सकें।यह कथा आयोजन स्थानीय लोगों के लिए एक आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अवसर होगा, जहां भागवत की दिव्य कथाओं का श्रवण एवं धार्मिक भक्ति कार्यक्रमों का लाभ सभी भक्त समुदाय को मिलेगा।

झारखंड के 25 वर्षः आदिवासी नेतृत्व ने उठाए तीखे सवाल, स्वराज अभी दूर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची/सिमडेगा : झारखंड राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर रांची के करमटोली स्थित धूमकुड़िया भवन में रविवार को एक अहम परिचर्चा आयोजित हुई, जिसका केंद्रीय विषय था "झारखंड के 25 वर्ष क्या खोया क्या पाया" कार्यक्रम में राज्य की राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक यात्रा की समीक्षा की गई तथा आदिवासी मूलवासी समुदाय की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चर्चा हुई। परिचर्चा में भारत आदिवासी पार्टी सिमडेगा जिलाध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की विशेष रूप से शामिल हुए और झारखंड के 25 वर्षों की उपलब्धियों तथा असफलताओं पर महत्वपूर्ण सवाल उठाए। चर्चा का स्वर स्पष्ट था। झारखंड ने राज तो पाया, लेकिन स्वराज अब भी दूर है। आदिवासी नेतृत्व की गूंज वरिष्ठ वक्ताओं ने रखी तीखी बात। वरिष्ठ सामाजिक विचारक लक्ष्मी नारायण मुंडा ने कहा कि झारखंड का गठन संसाधनों की लूट रोकने और आदिवासी समाज को अधिकार व सम्मान देने के लिए हुआ था, परंतु पच्चीस वर्षों बाद भी सीएनटी-एस पी टी एक्ट का सही पालन नहीं हो पाया। भूमि विवाद और आदिवासी जमीन पर अतिक्रमण आज भी राज्य की सबसे बड़ी विफलता है। आदिवासी जन परिषद सह भारत आदिवासी पार्टी झारखंड प्रदेश अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा ने कहा कि राज्य गठन के बाद भी स्थानीय नीति अधर में है, जिसके कारण सरकारी नौकरियों में झारखंडी युवाओं का हक अब भी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि खनिज संपदा से भरपूर राज्य में आदिवासी जिले गरीब बने हुए हैं, जो विकास मॉडल नहीं बल्कि शोषण मॉडल का उदाहरण है। अब सरकारों को घोषणा नहीं बल्कि ठोस कार्रवाई करनी होगी। झारखंड उलगुलान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एलेस्टर बोदरा ने आरोप लगाया कि खनन माफिया और सरकारी तंत्र की मिलीभगत से आदिवासी क्षेत्रों में सामाजिक और पर्यावरणीय संकट बढ़ा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जंगल, जमीन और जल की रक्षा के बिना झारखंड की पहचान सुरक्षित नहीं रह सकती और पेशा व पांचवीं अनुसूची को कागजों से निकालकर जमीन पर लागू करना होगा। भारत आदिवासी पार्टी सिमडेगा जिलाध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने अपने संबोधन में कहा कि अगर झारखंडी युवाओं को रोजगार, आदिवासी समुदाय को जमीन की सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा-स्वास्थ्य का अधिकार नहीं मिला, तो राज्य निर्माण का मूल उद्देश्य अधूरा ही रहेगा। सरकारें बदलती रहीं, लेकिन आदिवासी हितों पर चोट जारी रही। अब संघर्ष का नया अध्याय लिखने का समय है। आदिवासी बुद्धिजीवियों की चेतावनी 3 जनवरी से जयपाल सिंह मुंडा जयंती उलगुलान का सेटे वाइड उद्घाटन परिचर्चा के दौरान आदिवासी बुद्धिजीवियों ने चेतावनी भरे स्वर में घोषणा की कि झारखंड की नीतिगत विफलताओं, भूमि-अधिकार संकट और सामाजिक-आर्थिक हाशिए को लेकर अब राज्यव्यापी जनजागरण शुरू किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

विश्व एड्स दिवस पर बीजीएच में निकाली गयी जागरूकता रैली

बोकारो : सोमवार को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर बीजीएच के प्रांगण मे AIDS के प्रति एक जागरूकता रैली निकाली गई तथा अधिशासी निदेशक डा. विभूति भूषण करुणामय के द्वारा गुब्बारा उड़ा कर इस जागरूकता अभियान को शुरू किया गया। रैली में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. इंद्रनील चौधरी, बीजीएच के वरीय चिकित्सक, नर्सिंग स्कूल की छात्राऐं, कर्मचारी, तथा स्टाफ नर्स शामिल हुए. रैली का उद्देश्य एचआईवी/एड्स की रोकथाम से संबंधित जानकारी का प्रसार करना तथा समाज में भेदभाव–रहित वातावरण को बढ़ावा देना था। डा. विभूति भूषण करुणामय ने कहा कि वर्ल्ड एड्स दिवस हर साल 01 दिसंबर को पूरे विश्व मे मनाया जाता है, और इस साल की थीम है "Overcoming disruption, transforming the AIDS response" जिसका मकसद एड्स से ग्रस्त समुदायों का उचित मार्ग दर्शन करना है। डॉ विभूति भूषण करुणामय ने आगे कहा कि AIDS एक गंभीर बीमारी है इसलिए एचआईवी संक्रमण से बचाव, जागरूकता तथा समय पर जांच अत्यंत महत्वपूर्ण है। AIDS बीमारी का खतरा ग्लोबल लेवल पर बढ़ता हुआ देखा जा रहा है इसलिए विश्व एड्स दिवस के खास मौके पर ल्क्र्र संक्रमण के प्रति सभी लोगों को जागरूक किया जाता है। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि हाथ मिलाने, संक्रमित व्यक्ति के छींकने और खांसने से निकलने वाली ड्रॉपलेट, संक्रमित के साथ खाना खाने से ये संक्रमण नहीं फैलता है इसलिए ऐसे लोगों से किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करना चाहिए। सार्वभौमिक सावधानी लेकर खुद इस बीमारी से बचाव करें और इसके साथ ही दूसरों को भी बचाव के लिए प्रेरित करना चाहिए।

बोकारो में सनसनीखेज दोहरा हत्याकांड : जोशी कॉलोनी स्थित बाली होटल में वृद्ध दंपती की निर्मम हत्या

बोकारो : हरला थाना क्षेत्र के जोशी कॉलोनी में स्थित बाली होटल में बीती रात हुए दोहरे हत्याकांड ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है। यहां रहने वाले वरिष्ठ नागरिक महावीर साव (65) और उनकी पत्नी कौशल्या देवी (60) की बेरहमी से हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरा इलाका भय और चिंता की चपेट में आ गया है।महावीर साव और कौशल्या देवी मूल रूप से चिदरी, चतरोचट्टी के निवासी थे। दोनों बोकारो के गेट नंबर तीन, सेक्टर–9 की जोशी कॉलोनी में राशन व चाय–पकौड़ी की दुकान चलाते थे। सोमवार सुबह जब स्थानीय लोग नाश्ते के लिए उनकी दुकान पहुंचे तो वह बंद मिली। कई बार आवाज देने पर भी अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, जिससे लोगों को शक हुआ। आशंका जताते हुए मुख्य दरवाजा खोला गया तो अंदर का नजारा देखकर सबके होश उड़ गए। घर का आंगन खून से लथपथ था। महावीर साव मृत अवस्था में पड़े थे जबकि उनकी पत्नी का गला रेता हुआ था। इस खूनखराबे की खबर तुरंत पूरे इलाके में फैल गई और लोग भयभीत हो गए। घटना की सूचना मिलने पर हरला थाना प्रभारी खुर्शीद आलम, बोकारो सिटी डीएसपी आलोक रंजन, डॉग स्क्वॉड एवं फॉरेंसिक टीम घटना स्थल पर पहुंची। पुलिस ने घर की पूरी गहनता से जांच की और साक्ष्य इकट्ठा किए। दोनों मृतक दंपती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।मृतक दंपती की बहू अनीता देवी ने पुलिस को बताया कि हत्या के पीछे कारण स्पष्ट नहीं है। शुरूआती जांच में पुलिस पुरानी रंजिश, लूट, पारिवारिक विवाद और व्यवसायिक मतभेद समेत सभी संभावित बिंदुओं पर जांच कर रही है। मृतक दंपती के तीन संतान हैं—दो बेटे और एक बेटी। सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने मामले की गंभीरता बताते हुए कहा कि जल्द ही जिम्मेदारों को पकड़ लिया जाएगा। फिलहाल पूरे शहर में इस दोहरे हत्याकांड को लेकर घबराहट और सदमे का माहौल है।हरला थाना पुलिस मामले की तह तक जाने के लिए लगातार प्रयासरत है और जल्द ही अपराधियों को पकड़ने की आशा जताई गई है।

मुरी-गोला रोड में छड़िया लदा ट्रक पलटा, बड़ा हादसा टला; चालक फरार

मुरी/सिल्ली : शनिवार की सुबह करीब 4:00 बजे मुरीझगोला मुख्य मार्ग स्थित डायवर्जन के पास छड़िया से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। ट्रक टाटा से रामगढ़ की ओर जा रहा थाप्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक चालक नशे की हालत में था, जिसके कारण उसने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और ट्रक पलटकर सड़क पर बुरी तरह फंस गया।दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान चालक प्रशासनिक टीम को देखकर मौके से फरार हो गया। पुलिस चालक की तलाश में जुटी है। गनीमत रही कि यह हादसा सुबह के समय हुआ और सड़क पर लोगों तथा अन्य वाहनों की आवाजाही कम थी, जिसके कारण किसी भी प्रकार का जान–माल का नुकसान नहीं हुआ। ट्रक पलटने से कुछ देर के लिए मुरी–गोला रोड पर यातायात बाधित रहा। बाद में पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सड़क को खाली कराया गया और यातायात सामान्य किया गया।स्थानीय लोगों ने बताया कि डायवर्जन वाले इलाके में अक्सर भारी वाहनों के हादसे होते रहते हैं, जिस पर प्रशासन को ध्यान देने की आवश्यकता है।

मां सरस्वती विद्या मंदिर का 39 वां स्थापना दिवस मनाया गया

बोकारो : वर्ष 1987 से तुपकाडीह में शिक्षा का अलख जगाने वाले मां सरस्वती विद्या मंदिर का 39 वां स्थापना दिवस स्कूल के प्रांगण में धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम बतौर मुख्य अतिथि मुखिया शांति देवी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। बाद विद्यार्थियों ने कई आकर्षक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबों की वाहवाही बटोरी। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से नशा मुक्ति , दहेज उत्पीड़न , सड़क दुर्घटना आदि की जानकारी दी गई।मुख्य अतिथि ने कहा कि एक दिव्यांग व्यक्ति ने 39 साल से स्कूल चलाकर दिखा दिया कि हौसले बुलंद हो तो इंसान क्या नहीं कर सकता। प्राचार्य कामदेव महतो ने कहा कि जब कुछेक बच्चों को लेकर स्कूल की शुरूआत की गई तब कई आलोचनाओं सामना करना पड़ा।

एक नजर

कौड़िया टोला के ज्वेलर्स की बाइक से जेवरात की चोरी

सरिया: सारिया थाना क्षेत्र के कौड़िया टोला निवासी बंशी सोनार, जो बागोडीह मोड़ में सोने-चांदी के गहनों की दुकान चलाते हैं, के साथ रविवार संध्या बड़ी चोरी की वारदात हो गई। संवाददाताओं के अनुसार, संदीप कुमार शाम करीब 7 बजे अपनी ज्वेलरी दुकान बंद करके सब्जी खरीदने निकले थे। उन्होंने दुकान से सोने-चांदी के गहनों से भरा एक थैला उठाया और उसे अपनी बाइक की डिक्की में रख दिया। इसके बाद वे पास ही की सब्जी दुकान पर चले गए। मिनट भर में सब्जी लेकर लौटे तो देखा कि बाइक की डिक्की खुली हुई है और लाखों रुपये के गहने से भरा थैला गायब है। संदीप ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन थैला नहीं मिला। आनन-फानन में वे सरिया थाने पहुंचे और इसकी लिखित शिकायत दर्ज कराई। सूचना मिलते ही सरिया पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी।

जनसमस्याओं के समाधान को लेकर विधायक ने अक्षेस के पदाधिकारियों संग की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के साकची स्थित सभागार में सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू की मौजूदगी में आयोजित बैठक में जमशेदपुर अक्षेस के उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार, सभी अभियंता व पदाधिकारी, विधायक प्रतिनिधि गुंजन यादव, भाजपा के सातों मंडलों के अध्यक्ष, महामंत्री, युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा के अध्यक्ष मौजूद रहे। बैठक में जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा क्षेत्र में व्याप्त जनसमस्याओं एवं विकास योजनाओं की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। विधायक पूर्णिमा साहू ने स्पष्ट किया कि उनका प्रयास जमशेदपुर पूर्वी को आदर्श एवं मॉडल विधानसभा के रूप में विकसित करना है, जिसके लिए सभी विभागों के बीच समन्वय एवं समयबद्ध कार्य अनिवार्य है। इस दौरान जनता के मौलिक अधिकारों और दैनिक सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए गली-नाली की नियमित सफाई, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, स्ट्रीट लाइट, हाई-मास्ट लाइट एवं सोलर लाइटों की समुचित व्यवस्था, मच्छरों से बचाव हेतु निरंतर फॉगिंग, डोर-टू-डोर कचरा उठाव समेत अनुपयोगी सार्वजनिक शौचालयों को हटाने जैसे मुद्दों पर गंभीरता से चर्चा हुई। वहीं, उपयोग में आ रहे शौचालयों में पानी और रौशनी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बैठक में विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष ने क्षेत्र के विभिन्न जनसमस्याओं पर आधारित ज्ञापन भी अक्षेस के पदाधिकारियों को सौंपा। इसके साथ ही, नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न विकास योजनाओं की गुणवत्ता, समयसीमा और कार्य निष्पादन की निगरानी को कड़ाई से लागू करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में सभी मंडलों के अध्यक्षों और महामंत्रियों के संपर्क नंबर जमशेदपुर अक्षेस के अधिकारियों के साथ साझा किए गए, ताकि किसी भी जनसमस्या की सूचना तुरंत विभाग तक पहुँचे और उसका त्वरित समाधान सुनिश्चित हो सके। बैठक में निर्देश दिया गया कि क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं को लेकर किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और शिकायत प्राप्त होते ही समस्या का निस्तारण शीघ्र किया जाए। विधायक पूर्णिमा साहू ने बताया कि कि जनता की सुविधा और सहूलियत उनकी प्राथमिकता है। सभी विभाग मिलकर कार्य करेंगे तो जमशेदपुर पूर्वी निश्चित रूप से आदर्श विधानसभा के रूप में विकसित होगा। बैठक में विधायक प्रतिनिधि गुंजन यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष युवराज सिंह, पप्पू उपाध्याय, सूरज सिंह, बबलू गोप, जीवन साहू, अरुण मिश्रा, दिलीप कुमार समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सदर अस्पताल में अज्ञात वृद्ध महिला की ईलाज के दौरान मौत

सिमडेगा : सदर अस्पताल में ईलाज के दौरान एक अज्ञात वृद्ध महिला की मौत हो गई है। महिला का शव फिलहाल अस्पताल के शवगृह में रखा गया है और पुलिस उसकी पहचान सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है। जानकारी के अनुसार, एक वृद्ध महिला को बीमार हालत में सिमडेगा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

समाहरणालय, कोडरमा
(पर्यटन, कला–संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य शाखा)
E-mail:-sportskoderma17@gmail.com

Request For Proposal

Memo No.:- 196 Date:-01/12/2025

Short Tender Notice: Supply and Installation of Floating Jetty, Life Jackets etc for Aqua Tourism activities at Telaiya Dam, District Koderma.

Sl. No.	Information	Details
1	Name of the Work	Supply and Installation of Floating Jetty, Life Jackets etc for Aqua Tourism activities at Telaiya Dam, District Koderma.
2	Period of work	Within 30 days of receiving the work order.
3	Date of publication of Bid on Website	02-12-2025
4	Earnest Money to be deposited (EMD)	Rs. 20,000/- in the form of DD duly pledged in favor of :- JILA PARYATAN SAMVARDHAN PARISHAD KODERMA Payable at Koderma
5	Last date and Time of Receipt of Bid	Date:-15.12.2025 Time:- 11:00 AM
6	Date and time of opening of Bid	Date:-15.12.2025 Time:-03:00 PM
7	Place of Bid Submission	पर्यटन, कला–संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य शाखा, कोडरमा।
8	Place of Bid Opening	Conference Hall, D.C. office, Koderma.
9	Contact Number/ Email Id	sportskoderma17@gmail.com.

PR 367443 Tourism, Art Culture Sports And Youth Affairs(25-26)#D

जिला पर्यटन नोडल पदाधिकारी, कोडरमा

निर्माणधीन चौका पातकुम रोड का विधायक सविता महतो ने किया निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : पथ निर्माण विभाग से निर्माणधीन चौका पातकुम रोड का सोमवार को विधायक सविता महतो ने ईचागढ़ से आने के क्रम में निरीक्षण कर गुणवत्ता की जानकारी ली। इस दौरान विधायक ने संवेदक को गुणवत्ता पूर्ण सड़क निर्माण का निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि चौका पातकुम रोड निर्माण कार्य किसी प्रकार के लापरवाही बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संवेदक को सड़क का निर्माण कार्य ससमय निर्माण कार्य करने का निर्देश दिए। इस अवसर पर कार्यपालक अभियंता अशोक रजक, जेई संतोष महतो, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो, जिला सचिव बैद्यनाथ टुडू, स्नेहा महतो, प्रखंड अध्यक्ष नीताई उराव, धर्मु गोप, अभय यादव, मनोज मंडल आदि उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : बी एन टी सी नर्सिंग कॉलेज ने विश्वास एड्स दिवस के अवसर पर एक जागरूकता रैली निकाली। रैली में विशेष अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट यूथ ऑफिसर मंटू पातर एवं माई इंडिया के सुबीश साह उपस्थित रहे। पातर ने कहा कि युवाओं को अपने दैनिक जीवन में सावधानी बरतनी चाहिए तथा जीवन के हर क्षेत्र में जागरूक रहना चाहिए। बी एन टी सी नर्सिंग कॉलेज के इस तरह की जागरूकता कार्यक्रम की उन्होंने समाज के लिए काफी उपकारी बताया। बी एन टी सी नर्सिंग कॉलेज के निदेशक सोमनाथ सार्खेल ने कहा कि कॉलेज में शिक्षा देने के साथ साथ हमारा कुछ सामाजिक कर्तव्य भी है। हम हमेशा इसमें तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम में नर्सिंग छात्र छात्राओं ने एड्स जागरूकता संबंधी कई पोस्टर प्रदर्शन किया। इस जागरूकता रैली में कॉलेज के छात्र छात्रा व प्रमोद कुमार सिंह, शंभूनाथ सिंह, जेनी बारला, अपर्णा मंडल, इंदुन नहार, स्निग्धा, मीना देवी समेत कई गणमान्य लोग शामिल थे।

एसबीयू के प्रत्युष ने जीता कांस्य

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के बीबीए पांचवें सेमेस्टर के छात्र प्रत्युष कुमार ने 35वीं राष्ट्रीय स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग एवं इंक्लाइन बेंच प्रेस चैंपियनशिप 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक (तीसरा स्थान) प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता 11 से 13 नवंबर 2025 तक पालजोर स्टेडियम, गंगटोक, सिक्किम में आयोजित की गई थी। इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 25 राज्यों के लगभग 800 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रत्युष ने कांस्य पदक हासिल किया। एसबीयू के माननीय प्रतिकुलाधिपति श्री बिजय कुमार दलान, माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने प्रत्युष कुमार के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

विधायक के द्वारा नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ठेठाईटांगर : प्रखंड अंतर्गत कोनमेंजरा पंचायत के चुनदिया टोली में माननीय विधायक नमन बिक्सल कोंगाडी के द्वारा 25 केवीए का ट्रांसफार्मर दिलवाया गया। जिसका उद्घाटन जिला विधायक प्रतिनिधि समी आलम, प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज, प्रखंड विधायक प्रतिनिधि मोहम्मद कारू, मुखिया सुषमा बिलुंग के द्वारा किया गया। इस गाँव का ट्रांसफार्मर पिछले दो माह से खराब पड़ा था जैसे ही विधायक नमन बिक्सल कोंगड़ी को पता चला उसने तुरंत ट्रांसफार्मर दिलवाने का काम किया ताकि गांव वालों को बिजली का समस्या का सामना ना करे। विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि माननीय विधायक ग्रामीणों के हर सुख दुःख का साथी हैं उनकी समस्याओं का समाधान कराना उनकी प्राथमिकताओं में से एक है। ग्रामीण किसी भी तरह की समस्या हो तो उन्हें बताएं। वे समस्याओं का समाधान कराने के लिए तत्काल पहल करेंगे। बिजली आपूर्ति बहाल होने से ग्रामीणों ने खुशी जताते हुए विधायक के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज ने बच्चों और युवाओं से मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने भविष्य पर ध्यान देने की अपील की। मौके पर मौजूद पंचायत अध्यक्ष रेने टेटे सफीक अंसारी बसंत आदि उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस पर एड्स जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ प्रखंड के गौरांगकोचा ग्राम में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार सरायकेला के सचिव तौसीफ मेराज के निर्देशानुसार विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डीएलएसए के ईचागढ़ पीएलवी गंगा सागर पाल ने ग्रामीणों को एड्स के कारण, फैलने के तरीके, रोकथाम के उपाय के संबंध में जानकारी दिया। उन्होंने एचआईवी गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के समय एंटीवायरल दवाएं लेने, चिकित्सा सहायता लेने, सामाजिक मिथक आदि पर ग्रामीणों को जानकारी दिया। साथ ही पाल ने ग्रामीणों को बताया कि एड्स जागरूकता ही इसका सबसे बड़ा बचाव है। सुरक्षित, साफ-सुथरी जीवनशैली, समय-समय पर स्वास्थ्य जांच और जागरूकता से इस रोग को रोका जा सकता है। वही एड्स से संबंधित कानूनी अधिकार, सरकारी सहायता योजनाएँ तथा रोगियों के प्रति भेदभाव नहीं करने का संदेश भी दिया। इस अवसर पर ग्रामीण, बुद्धि जीवी एवं समाज सेवी उपस्थित हुए।

कुआं से एक लाश बरामद, पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा

ईचागढ़ : ईचागढ़ थाना क्षेत्र के चीतरी गांव के एक सिंचाई कुआं से एक लाश बरामद किया गया। लाश का पंचनामा के बाद सोमवार को पोस्टमार्टम हेतु सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया गया। मृतक की पहचान 56 वर्षीय दलगोविन्द सिंह के रूप में की गई। मिली जानकारी के अनुसार रांची के सोनाहातु थाना क्षेत्र के बारेन्दा गांव का रहने वाला है। वह कई वर्षों से अपने ससुराल चीतरी में ही बस गए थे। वह दो दिन पहले ही घर से निकले थे और रविवार रात को खेत के कुआं में मृत अवस्था में पाया गया। लाश की सुचना मिलते ही थाना प्रभारी बजरंग महतो दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और कुआं से लाश को उठाकर सोमवार को पोस्टमार्टम हेतु अस्पताल भेज दिया। वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि देखने से प्रतित होता है कि दो दिन पुरानी लाश है एवं आगे की कारवाई किया जा रहा है।

सभी होटल संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक हुई आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में जिले के सभी होटल संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। हाल ही में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर भव्य राजकीय रामरेखा महोत्सव का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचे थे। इसी क्रम में जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने तथा आने वाले पर्यटकों को बेहतर सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह बैठक की गई। उपायुक्त ने होटल मालिकों को निर्देश दिया कि जिले के उभरते पर्यटन स्थलों के अनुरूप आवासीय सुविधाओं की गुणवत्ता में सुधार लाया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, सुरक्षा, उचित व्यवहार और उचित दरों पर गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि पर्यटक सिमडेगा में सकारात्मक अनुभव लेकर लौटें। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि होटल में आगंतुकों के लिए आवश्यक सुविधाएँ, जैसे स्वच्छ कमरे, साफ पेयजल, हाइजीनिक भोजन और सुचारु व्यवस्थाएँ, उपलब्ध रहें। बैठक में पर्यटन स्थलों को विकसित करने, स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने और जिले को पर्यटन मानचित्र पर मजबूत पहचान दिलाने को लेकर भी चर्चा हुई। प्रशासन का मानना है कि होटल उद्योग के सहयोग से सिमडेगा को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी। बैठक में अपर समाहर्ता श्री ज्ञानेन्द्र, नजारतउप समाहर्ता -सह- सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर रेनियर खालखो, शिक्षा अधीक्षक दीपक राम, सहित जिले के सभी होटल संचालक एवं अन्य उपस्थित थे।

जिला परिवहन पदाधिकारी का कार्यालय, चतरा

लोक लेखा समिति से संबंधित वर्ष–2015–2016

प्रेष विज्ञप्ति

पत्रांक–............/जि0परि0 दिनांक–

एदत् द्वारा सूचित किया जाता है कि सचिव परिवहन विभाग, झारखण्ड, राँची के प्रत्रांक–1186 दिनांक–23.09.2025 के आलोक में ऐसे वाहन स्वामियों जिनका वाहन निबंधित जिला परिवहन कार्यालय, चतरा द्वारा किया गया है, परन्तु उक्त वाहनों का बकाया पथकर का भूगतान अबतक नही किया गया है। ऐसे वाहनों का पथकर भूगतान किये बिना परिचालन किया जाना दण्डनीय है, इससे राज्यकोषीय क्षति हो रही है।

अतः समाचारपत्र के माध्यम से अंकित वाहन स्वामियों को सूचित किया है कि दिनांक–15.12.2025 तक निश्चित रूप से बकाया पथकर एवं अतिरिक्त कर का भूगतान ई पेमेंट के माध्यम से करना सुनिश्चित किया जाये। अन्यथा झारखण्ड मोटरवाहन कररोपण संशोधन अधिनियम–2011 सुसंगत धारा–21 (क), 22(3) के तहत् कारवाई की जाएगी।

S.L.	Vehicle No.		Tax Paid Up To	Objected Amount
1	BR06P	0398	20-06-200+9	23051
2	BR01V	0036	08-06-2007	28826
3	HR09A	1623	10-10-2007	20117
4	HR35	8871	5-01-2010	21506
5	JH09A	6913	10-08-2011	13910
6	JH11A	3727	14-04-2006	23867
7	JH11A	5543	09-07-2009	29013
8	JH13A	0023	18-07-2010	13397
9	JH13A	0233	26-09-2011	10600
10	JH13A	0234	27-09-2010	12845
11	JH13A	0336	13-11-2007	20996
12	JH13A	1451	03-02-2008	30260
13	JH13A	1584	18-03-2008	29918
14	JH13A	1733	17-05-2006	35132
15	JH13A	1820	20-06-2007	32027
16	JH13A	1939	22-07-2006	34613
17	JH13A	2101	04-10-2006	34040
18	JH13A	2204	21-11-2005	34760
19	JH13A	2250	08-12-2005	36368
20	JH13A	2302	29-12-2005	36209
21	JH13	2321	10-01-2006	39416
22	JH13A	2334	14-01-2006	39383
23	JH13A	2342	17-01-2006	39362
24	JH13A	2357	09-02-2006	39279
25	JH13A	2432	10-03-2006	35600
26	JH13A	2435	10-03-2006	38957
27	JH13A	2436	10-03-2007	36125
28	JH13A	2454	17-03-2006	38900
29	JH13A	2460	18-03-2006	38894
30	JH13A	2482	30-03-2006	37172
31	JH13A	2591	06-05-2006	38516
32	JH13A	2680	23-06-2006	38138
33	JH13A	2756	20-12-2011	22660
34	JH13A	2829	26-02-2007	39593
35	JH13A	2896	20-04-2007	39105
36	JH13A	2988	11-10-2007	37554
37	JH13A	3164	27-02-2010	34295
38	JH13A	4076	29-04-2010	37121
39	JH13A	4107	11-05-2014	16280
40	JH13A	4247	11-06-2010	36785
41	JH13A	4520	02-10-2011	32550
42	MP08A	1454	29-07-2009	41524
43	WB02F	2988	07-01-2011	26596
44	WB02N	8264	06-08-2009	31546
	TOTAL			1366905

PR 367421 Transport(25-26)#D

जिला परिवहन पदाधिकारी, चतरा

कार्यालय, झुमरी तिलैया नगर परिषद्
झुमरी तिलैया, जिला कोडरमा
Email – jhumritelaiyamunicipalcouncil@gmail.com

पत्रांक : .... दिनांक : ....

Very Short RFP (Request for Proposal)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर परिषद् झुमरी तिलैया अन्तर्गत डी०पी०आर० एवं पीएमसी सेवाएँ ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, खतरनाक अपशिष्ट, ई–वेस्ट, एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट), डब्ल्यूटीपी (वाटर ट्रीटमेंट प्लांट), वेस्ट स्टेबलाइजेशन तालाब, विरासत स्थल (Legacy Site) में पार्क निर्माण, जल शोधन संयंत्र सहित तालाब पुनरुद्धार, ट्रैफिक प्रबंधन सेवाएँ, विक्रेता बाजार (Vendors Market), मृत पशुओं के लिए श्मशान (Crematorium for Dead Animals), जैव–चिकित्सा अपशिष्ट (Biomedical Waste) एवं आदि योजनाओ का डीपीआर तैयार करने हेतु अनुभवी परामर्शियों कि नियक्ति हेतु आमंत्रित कि जाती हैं इस संबंध में इच्छुक परामर्शी अपना दर, आवश्यक पत्रक, बायोडाटा आदि संलग्न कर मुहरबंद लिफाफे में दिनांक – 10.12.2025 के अपराह्न 3:30 बजे तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। एवं उसी दिन अपराह्न 4:00 बजे अपराह्न में नगर परिषद् झुमरी तिलैया के कार्यालय कक्ष में परमर्शदात्रीयों या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोला जाएगा।

कार्य का विवरण।

कम	डी0पी0आर0 की राशि	परामर्शी शुल्क (सभी टैक्स सहित प्रतिशत में)	
		DPR	PMC
1	0 – 1 करोड़ तक	1	1
2	1 – 5 करोड़ तक	1	1
3	5 – 10 करोड़ तक	1	1
4	10 करोड़ से अधिक	1	1

नियम एवं शर्तें

1. परामर्शदात्रीयों को पैन कार्ड, जीएसटीएन, आयकर प्रमाण–पत्र की अभिप्रमाणित छायाप्रति आवेदन के साथ संलग्न करना होगा।
2. परामर्शदात्रीयों के पिछले तीन वर्षों का औषत टर्न ओवर न्यूनतम Rs- 4 Cr (चार करोड) होना चाहिए।
3. परामर्शदात्रीयों को कोटेशन के साथ 5000/- (जमानत राशि) के रूप में राष्ट्रीयकृत बैंक का बैंक ड्राफ्ट जो कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद झुमरी तिलैया के पदनाम से झुमरी तिलैया में देय हो को संलग्न करना अनिवार्य होगा। बिना जमानत राशि के कोटेशन पत्रक स्वतः अस्वीकृत समझा जाएगा।
4. परामर्शदात्रीयों को सरकार के द्वारा निर्धारित नियम के अनुसार डी०पी०आर० तैयार करना होगा।
5. सरकारी स्तर पर निर्गत इस तरह के कार्यों का डीपीआर तैयार किए जाने सम्बंधी अनुभव प्रमाण–पत्र (न्यूनतम 5 डी०पी०आर० इंफ्रास्ट्रक्चर कार्य का एवं 5 डी०प०आर० सॉलिड / लिगेसी वेस्ट मैनेजमेंट कार्य का) संलग्न करने वाले परामर्शदात्रीयों के आवेदन पर समान दर रहने कि स्थिती में कार्य आवंटन पर प्राथिमिकता दी जाएगी।

कम	डी0पी0आर0	अधिकतम अंक	मापदंड
1	इंफ्रास्ट्रक्चर कार्य के 5 डी0पी0आर0	30	परियोजना का विस्तृत विवरण, लागत अनुमान और कार्यान्वयन योजना, वर्क ऑर्डर एवं अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य है।
2	सॉलिड/लिगेसी वेस्ट मैनेजमेंट कार्य के 5 डी0पी0आर0	35	
3	वॉटर रीसाइक्लिंग कार्य के 5 डी0पी0आर0	35	

Note: संबंधित प्रोजेक्ट के लिए QCBS के माध्यम से चयन प्रकिया की जाएगी, जिसमे 70:30 (तकनिकी एवं वित्तीय) के अनुपात पर आधारित होगा। तकनिकी बिड का मूल्यांकन करने के उपरांत, केवल उन्हीं प्रतिभागियों की वित्तीय बिड खोली जाएगी, जिन्होंने न्यूनतम 70 अंक प्राप्त किए हैं।

6. प्राप्त भाव पत्र का चयन नगर परिषद झुमरी तिलैया द्वारा गठित निविदा समिति (Procurement Committee) द्वारा किया जाएगा।
7. परामर्शदात्रीयों का आवेदन के साथ उसकी संस्था के विरुद्ध किसी प्रकार का कोई आपराधिक मामला लंबित अथवा दर्ज नहीं हो का शपथ–पत्र संलग्न करना होगा।
8. सफल परामर्शदात्रीयों के विपत्र का भुगतान विभाग से डी०पी०आर० की प्रशासनिक स्विकृति होने पर की जाएगी।
9. अद्योहस्ताक्षरी के द्वारा चयनित योजना के कार्यादेश के बाद डी०पी०आर० तैयार करना होगा जिसका कार्य समाप्ति का समय कार्यादेश में अंकित होगा ।
10. नगर परिषद झुमरी तिलैया को अधिकार सुरक्षित है कि वह किसी भी डी०पी०आर० को रद्द कर सकता है एवं पुनः कार्यादेश निर्गत कर सकता है।
11. अन्य जानकारी के लिए प्रत्येक कार्यदिवस में कार्यावधि तक नगर परिषद झुमरी तिलैया के कार्यालय से संपर्क स्थापित किया जा सकता है।
12. पैनल में चयनित होने के उपरांत परामर्शी को भविष्य में कार्यादेश निर्गत कर नगर परिषद झुमरी तिलैया द्वारा अन्य परियोजना से सम्बन्धित कार्यों को संपन्न कराने का अवसर दिया जा सकता है।
13. बिना कारण बताए आमंत्रित कोटेशन को रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित होगा।

ह0/–
प्रशासक
झुमरी तिलैया नगर परिषद्

PR 367463 Urban Development (25-26)D

कार्यालय, झुमरी तिलैया नगर परिषद्
झुमरी तिलैया, जिला कोडरमा
Email – jhumritelaiyamunicipalcouncil@gmail.com

पत्रांक .... दिनांक ....

आम सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक–291, दिनांक–07.05.2025 द्वारा निर्गत अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सुचना संख्या – JMC/02/2025-26, Date- 07-05-2025 के द्वारा प्रकाशित किया गया था, जिसका PR No. -351969 (Urban Development) 25-26 (D) को संवेदक के द्वारा कार्य में रूचि नहीं लेने के कारण रद्द किया जाता है एवं संवेदक के द्वारा जमा की गई अग्रधन की राशि जब्त की जाती है।

PR 367465 Urban Development(25-26)#D

प्रशासक
झुमरी तिलैया नगर परिषद

कुसुमा नाइन जिसे किशोरावस्था के अधूरे इश्क ने बनाया दस्यु सुंदरी

चार दशक पहले चंबल के बीहड़ों में कुसुमा नाइन खूंखार दस्यु सुंदरी के नाम से जानी जाती थी। कभी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में दहशत का पर्याय बनी डकैत कुसुमा नाइन ने लखनऊ के अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह इटावा जेल में हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रही थी। साल 1984 में कुसुमा का नाम सुर्खियों में तब आया, जब उसने 15 मल्लाहों को एक साथ गोली मार दी थी। कुसुमा का यूपी से लेकर एमपी तक के बीहड़ों में आतंक था। उस पर हत्या समेत दर्जनों केस दर्ज थे। कुसुमा को कभी सबसे खूंखार 'दस्यु सुंदरी' माना जाता था। जातीय उन्माद के चलते निदोर्षों का खून बहाकर,उनकी आंखे निकालकर ठहाका लगाने वाली कुसुमा खुद जर्जर शरीर के साथ दुनिया से चली गयी। 1981 में बहमई कांड में डाकू फूलन देवी ने 22 राजपूतों की सामूहिक हत्या की थी। इसके बदले में 1984 में कुसुमा ने 14 मल्लाहों को मौत नींद की सुला दिया था। उनके घरों को भी आग के हवाले कर दिया था। कुसुमा की मौत के बाद नरसंहार वाले औरैया के गांव अस्ता में जश्न का माहौल है। समय का चक्र भी बड़ा विचित्र है । कुसुमा जिस पति केदार नाई का साथ छोड़ कर डकैत माधव मल्लाह के साथ भाग कर बीहड़ में कूदी थी,अंतिम समय में उसी पति केदार नाई ने उसे मुखाग्नि देकर इस संसार से विदा किया। मूल रूप से महेवा ब्लाक के टिकरी मुस्तकिल की रहने वाली कुसम का उसके ससुराल कुठौंद ब्लाक के कुरौली गांव में अंतिम संस्कार किया गया। कुसुमा नाइन पर दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज थे। कई मुकदमों में गवाहों और साक्ष्य न मिलने से वह बरी हो गई। बाद में कानपुर के सेवानिवृत्त एडीजी के अपहरण व हत्या के मामले में वह ऐसा फंसी कि उसे आजीवन कारावास की सजा हुई, इसी सजा के चलते वह इटावा जेल में कैद थी। कुसुमा नाइन का जन्म साल 1964 में उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के टिकरी गांव में हुआ था। पचनद के जंगलों की कुख्यात डकैत कुसुमा नाइन पर हत्या समेत 24 से अधिक मामले दर्ज थे। देश में जितनी महिला डकैत थीं, उनमें कुसमा सबसे खूंखार मानी जाती थी। सिरसाकलार थाना क्षेत्र के टिकरी गांव निवासी डरू नाई की पुत्री कुसुमा नाइन का जन्म 1964 में हुआ था। कुसुमा के पिता गांव के प्रधान थे। चाचा गांव में सरकारी राशन के कोटे की दुकान चलाते थे। इकलौती संतान होने के चलते लाड़ प्यार से पल रही थी। 13 साल की उम्र में उसे पड़ोसी माधव मल्लाह से प्रेम हो गया। वह उसके साथ चली गई। करीब दो साल तक उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद उसने पिता को चिट्ठी लिखी कि वह दिल्ली के मंगोलपुरी में माधव के साथ है। तब पिता दिल्ली पुलिस के साथ पहुंचे और उसे घर ले आए। इसके बाद माधव मल्लाह पर डकैती का केस लगा और कुसुमा के पिता ने उसकी शादी केदार नाई से कर दी। माधव मल्लाह चंबल के कुख्यात डकैत का साथी था। शादी की खबर पाने के कुछ माह बाद माधव गैंग के साथ कुसुमा के ससुराल पहुंचा और उसे अगवा कर लिया। माधव, उसी विक्रम मल्लाह का साथी था,जिसके साथ फूलन देवी का नाम जुड़ता था। विक्रम मल्लाह की गैंग में रहने के दौरान ही उसे फूलन के जानी दुश्मन लालाराम को मारने का काम दिया गया। लेकिन फूलन से अनबन के कारण बाद में कुसुमा नाइन, लालाराम के साथ ही जुड़ गयी और फिर विक्रम मल्लाह को ही मरवा दिया। इसी कुसुमा नाइन और लालाराम ने बाद में सीमा परिहार का अपहरण किया था, जो कि कुख्यात डकैत के रूप में उभरकर सामने आई थी। साल 1981 में फूलन देवी ने बेहमई कांड को अंजाम दिया था। चुर्खी थाना क्षेत्र के एक गांव में 1982 में लालाराम और कुसुमा का गैंग रूका था।

सूडोकु नवताल- 7631

मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7630 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

संसद को बाधित करना राष्ट्र को बाधित करना है

ललित गर्ग

भारत की संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ हो रहा है और इसके प्रारंभ होने से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने आने वाले दिनों में संसद की कार्रवाई के हंगामेदार होने का संकेत देने में देर नहीं लगाई। विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह एस.आई.आर. सहित कई मुद्दों पर जोरदार ढंग से सदन में अपनी आवाज उठाएगा। विपक्ष संसद में सवाल उठाए, आवाज उठाए, यह उसका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है, लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह अधिकार सार्थक बहस के रूप में सामने आएगा या एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़कर भारत के लोकतंत्र को शर्मसार करेगा। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एस.आई.आर. है। लेकिन, सरकार और विपक्ष-दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम, शालीनता और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीतकालीन क19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्यॉरिटी एंड नैशनल सिक्यॉरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है।

निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे। वह सत्र देश के संसदीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रदर्शन वाले सत्रों में गिना गया, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे। सवाल यह है कि आखिर यह परंपरा कब बदलेगी? कब हमारे जनप्रतिनिधि समझेंगे कि संसद का एक-एक मिनट देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई से चलता है? एक मिनट का व्यर्थ खर्च लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुंचाता है। संसद केवल बहस का मंच नहीं बल्कि देश की नीतियों, कानूनों और विकास-दिशा को तय करने वाला सर्वोच्च स्थल है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र जनता द्वारा चुनकर भेजे गए प्रतिनिधियों की सजगता, जवाबदेही और गरिमा है। इसलिए संसद का हर क्षण अर्थपूर्ण, कार्यकारी होना चाहिए, हर चर्चा राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाली होनी चाहिए और हर बहस शालीनता तथा परिपक्वता की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए।

सत्र को सुचारुरूप से चलाने के लिये सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक आयोजित करना एक स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण परम्परा एवं एक आशा की किरण है। इस बार भी सत्र शुरू होने से पहले 36 दलों का एक साथ बैठक करना एक अच्छी शुरूआत है। यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं बल्कि संवाद और सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है। देश यह उम्मीद कर सकता है कि यदि सदन का संचालन भी इसी सकारात्मक भावभूमि पर हुआ तो यह सत्र एक आदर्श परंपरा स्थापित कर सकता है। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, परंतु मनभेद अनिवार्य नहीं। संसद उन मनभेदों को संवाद में बदलने का पवित्र स्थान है। निश्चित ही विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर, वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है।

इस सत्र से सरकार 14 महत्त्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है। इन विधेयकों को पारित करवाना मात्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह विपक्ष की भी उतनी ही बड़ी भूमिका है कि वह रचनात्मक सुझाव दे, आवश्यक संशोधन का आग्रह करे और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए संवाद के माध्यम से कानूनों को दिशा दे। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों दो पहिये हैं, एक पहिया चिटक जाए तो रथ आगे नहीं बढ़ता। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद में एक नई लकीर खींची जाए-शालीनता की, संवैधानिक मर्यादाओं की, तर्कसंगत बहस की और राष्ट्रीय हित की। दुनिया भर के लोकतंत्रों में बहसें गरम होती हैं, लेकिन गरिमा नहीं टूटती। भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन वह हंगामे से नहीं बल्कि तथ्यपूर्ण तर्कों से हो। सवाल उठाने का अधिकार तभी सार्थक है जब उसके साथ उत्तर सुनने की तैयारी भी हो। पिछले कुछ सत्रों में यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि विपक्ष प्रश्न पूछता है लेकिन उत्तर सुनने का अवसर ही नहीं देता। यह लोकतंत्र की आत्मा का हनन है। संसद सिर्फ आवाज बुलंद करने का मंच नहीं, वह सुनने, समझने और समाधान खोजने का माध्यम है। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ वर्षों में यह मंच पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक लड़ाइयों का अखाड़ा बनता जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार को भी विपक्ष के सवालों का सम्मानपूर्वक जवाब देना चाहिए, लेकिन विपक्ष को भी यह समझना होगा कि राजनीति निरंतर संघर्ष का नाम नहीं बल्कि संवाद की प्रक्रिया है।

देश की जनता बेहद उम्मीदों के साथ इस सत्र को देख रही है। महंगाई, रोजगार, सुरक्षा, विदेश नीति, सामाजिक सौहार्द, अर्थव्यवस्था, कृषि, शिक्षा और न्याय-ये सभी गंभीर मुद्दे हैं। जनता चाहती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि इन मुद्दों पर ठोस बहस करें। यदि संसद हंगामों का अखाड़ा बन जाए, तो इन मुद्दों का समाधान कैसे निकलेगा? लोकतंत्र का वास्तविक मूल्य कानून में नहीं बल्कि उसके निर्बाध संचालन में है; यदि संचालन त्रुटिपूर्ण हो जाए, तो कानून भी अर्थहीन हो जाता है। संसद की गरिमा देश की गरिमा है। सांसद केवल राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा के वाहक हैं। उनकी भाषा, उनका आचरण और उनकी बहसें भविष्य की राजनीति का मार्ग तय करती हैं। यह चिंता का विषय है कि आज युवा पीढ़ी संसद के व्यवहार को लोकतंत्र का आदर्श नहीं, बल्कि अव्यवस्था का प्रतीक मानने लगी है।

सदन की मयार्दा केवल स्पीकर या सभापति पर निर्भर नहीं, बल्कि सभी सांसदों के संयम एवं शालीनता पर निर्भर है। सभापति का सम्मान करना, नियमों का पालन करना, विषय पर रहने वाली बहस करना और असहमति में भी सभ्यता-शालीनता बनाए रखना-ये संसदीय चरित्र के मूल तत्व हैं। इनका पालन ही संसद की शुचिता को बनाए रख सकता है। यदि सरकार बहुमत के अहंकार में विपक्ष की उपेक्षा करती है तो यह गलत है; लेकिन यदि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका छोड़कर केवल अवरोध बन जाए तो यह भी लोकतंत्र के साथ अन्याय है। संसद तभी सफल होगी जब दोनों तरफ का आचरण सकारात्मक हो। इस दृष्टि से शीतकालीन सत्र नई परंपराओं का प्रारंभ बनना ही चाहिए। इस बार के सत्र से यह अपेक्षा है कि यह एक सकारात्मक, शालीन और प्रगति का सत्र बने। यह केवल कानून पारित करने का सत्र न हो; यह संवाद का, सौहार्दपूर्ण वार्ता का, समस्याओं के समाधान का और राष्ट्रीय हित के नए संकल्प का सत्र हो। यदि इस बार पक्ष और विपक्ष मिलकर अनुशासन, मयार्दा और जिम्मेदारी की एक नई लकीर खींच दें, तो देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह सत्र मील का पत्थर बन सकता है। भारत का लोकतंत्र विश्व के लिए प्रेरणा बन सकता है, बशर्ते संसद स्वयं अपने भीतर अनुशासन, शांति और संवाद की संस्कृति को स्थापित करे। यह सत्र उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन सकता है। देश आज यही उम्मीद कर रहा है कि जो सर्वदलीय बैठक शांति और सहमति से हुई, उसी भाव के साथ संसद का संचालन भी हो। यदि यह संभव हुआ तो यह केवल एक सत्र की सफलता नहीं होगी, बल्कि भारत के लोकतंत्र की विजय होगी।

सहज कर्म-पथ का आह्वान है भगवद्गीता

गिरीश्वर मिश्र

कालजयी श्रीमद्भगवद्गीता उस महाभारत का अंश है जिसे भारतीय चिंतन की परम्परा में इतिहास में परिगणित किया गया है। यह महान रचना इस अर्थ में विशिष्ट है कि इसके रचयिता महर्षि वेदव्यास स्वयं उन घटनाओं के साक्षी और भागीदार भी थे जिनका वर्णन उन्होंने अपनी रचना में किया था। आगे चल कर भारत की सभी मुख्य भाषाओं में यह अमर गाथा निरंतर गाई जाती रही और भारतीय सर्जनात्मक प्रतिभा द्वारा महाभारत से सामग्री को लेकर प्रचुर संख्या में उपन्यास, नाटक और काव्य रचे जाते रहे हैं। इसने संगीत और नृत्य को भी निरंतर प्रभावित किया है।

वस्तुतः यह केवल एक सर्वसमावेशी औपचारिक शास्त्र ही नहीं रहा बल्कि लोक-जीवन में भी गहरे रच बस गया। महाभारत की महागाथा में धर्म की अवधारणा ही प्रमुख है। गीता का आरम्भ भी धर्म शब्द के साथ होता है। धर्म का तत्व देश, काल और पात्र के सापेक्ष होता है और गतिशील जीवन-पद्धति को इंगित करता है। स्वधर्म की बात आगे समझायी गई है। ईश्वर का अवतार धर्म को पहचानने और स्थापित करने के लिए होता है। धर्म को रीति और नीति से भिन्न समझना होगा। अपने से दुर्बल की सहायता करना ही परम धर्म है। इस दृष्टि से सामाजिक संदर्भ के सापेक्ष ही धर्म की समझ भी आकार लेती है। ऋग्वेद, उपनिषद और धर्मशास्त्र आदि सब का संज्ञान लेते हुए महाभारत रचा गया।

भगवद्गीता महाभारत का हृदय सरीखा है। भगवद्गीता महाभारत के भीष्म पर्व में है पर उसके पहले वन पर्व में व्याध-गीता का भी एक आख्यान आता है। आश्चर्य यह कि दोनों हिंसा की पृष्ठभूमि में हैं, एक कसाई के घर में तो दूसरी युद्ध-भूमि में। भौतिक (प्रकृति) और मानसिक चैतन्य (पुरुष) का भेद दोनों में ही दिखता है। प्रकृति का सत्य विविधताओं से भरा हुआ है। मनुष्य की कल्पनाशीलता उसे चर-अचर अन्य सभी जीवों या पदार्थों से अलग करती है। वह अमरता की कल्पना कर सकता है। इसी क्रम में अर्थ की तलाश करते हुए चैतन्य या देही की अवधारणा प्रस्तुत हुई। मनुष्य से यह अपेक्षा है कि वह पाशविक वृत्ति से ऊपर उठ कर ऊर्ध्वमुखी हो। यही जीवन में व्याप्त हीनता और क्षुधा को दूर करने वाला है।

गीता की विचारधारा सदियों से देश-विदेश में मानवीय चिंतन को प्रभावित करती आ रही है। अब तक विश्व की विभिन्न भाषाओं में गीता के तीन हजार से अधिक अनुवाद हो चुके हैं। गीता की व्याख्या के लिए अनेक महत्वपूर्ण भाष्य शंकराचर्य, रामानुजाचार्य, माध्वाचार्य, अभिनव गुप्तपादाचार्य, संत ध्यानेश्वर, तथा स्वामी रामसुख दास आदि अनेकानेक आचार्यों और संतों ने ही नहीं लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, संत बिनोबा भावे आदि अनेक राष्ट्रप्रेमी नेताओं ने भी रचे हैं। गीता की संगीतात्मकता, उसकी लयबद्धता और विचार की विशालता ने उसके अनुवाद और पुनराख्यान के लिए प्रेरित किया। कहा गया कि गीता को अच्छी तरह गाना और गुनगुनाना चाहिएझ्र गीता सुगीता कर्तव्या। सारे शास्त्रों को विस्तार में पढ़ने की जगह गीता को हृदयंगम करना ही पर्याप्त है। पर गीता को पढ़ें तो लगता है कि वहाँ सीधी रेखा में बात आगे नहीं बढ़ती है। कुछ विचार गीता में कई अध्यायों में इतस्ततः बिखरे मिलते हैं, कुछ बार-बार अनेक स्थलों पर दुहराये गए हैं, कुछ ऐसे भी हैं जो अन्यत्र वेद तथा उपनिषद आदि में विद्यमान हैं। यदि इसमें एक ही शब्द के अनेक अर्थ मिलते हैं तो एक ही अर्थ के लिए कई भिन्न शब्द भी प्रयुक्त मिलते हैं। आत्मा, देही, तथा शरीर आदि शब्दों का प्रयोग इसी तरह का है।

कृष्ण जीवन के अनेकानेक संदर्भों में आज भी प्रासंगिक बनी हुई है। संरचना की दृष्टि से यह भी विलक्षण है कि कृष्ण के विचार सीधे हम तक नहीं पहुचते। धृतराष्ट्र ने पूछा और संजय ने सुना कर बताया। अधिकारहीन पर अद्भुत दृष्टिसंपन्न संजय वक्ता हैं जो युद्ध को देख कर दृष्टिहीन परन्तु अधिकारसंपन्न धृतराष्ट्र को वर्णन सुनाते हैं और उन्होंने जो देख कर सुनाया वह हम सुनते पढ़ते हैं। कृष्ण स्रोत हैं पर संजय सूचना या संदेश के प्रस्तोता हैं। शायद धृतराष्ट्र और अर्जुन दोनों श्रीकृष्ण के वचनों को सुनते हैं पर अपने अपने ढंग से और कदाचित भिन्न भिन्न रूपों में। अर्जुन श्रीकृष्ण से प्रश्न पूछते हैं। धृतराष्ट्र चुप रहते हैं। वे डरे सहमे हुए हैं, शायद मन ही मन कृष्ण के वचनों को सुन कर गुनते-आंकते हैं।

गीता में उपस्थित विमर्श में श्रीकृष्ण विश्लेषण (सांख्य) और संश्लेषण (योग) दोनों पद्धतियों का उपयोग करते हैं। उन्होंने व्यावहारिक कर्म-योग, भावनात्मक भक्ति-योग और बौद्धिक ज्ञान-योग का प्रतिपादन किया है। गीता के पाँचवे अध्याय में श्रीकृष्ण शरीर को नौ द्वारों वाली एक पुरी बताते हैं। गीता द्वारा मानस का विस्तार और यथार्थ का बोध संभव होता है। कर्म का सिद्धांत यह बताता है कि आप वर्तमान परिस्थिति को तो नहीं नियंत्रित कर सकते किंतु उस परिस्थिति के प्रति प्रतिक्रिया कैसे करें यह जरूर चुन सकते हैं। गीता का कर्मवाद यह भी स्पष्ट करता है कि मनुष्य अपनी परिस्थितियों का स्वयं निमार्ता भी है। इसका संदेश यही है कि आप स्वयं अपने जीवन के लिए उत्तरदायी हैं। हमारे बस में मात्र यही है कि हम परिस्थिति के प्रति किस तरह प्रतिक्रिया करते हैं। पर हम समाज के अंग हैं और सबसे अलग-थलग भी नहीं हैं। हम दूसरों के कर्म से भी प्रभावित होते हैं। इसलिए कई बार बीज कुछ होता है और फल उससे भिन्न कुछ अन्य प्रकार का।

इसीलिए गीता में श्रीकृष्ण अर्जुन को कर्म पर ध्यान देने को कहते हैं न कि फल पर। कर्म का परिणाम जो भी हो पाँच चीजों पर निर्भर करता हैझ्र शरीर, मन, उपकरण, विधि तथा दैव (भाग्य)। मूर्ख ही खुद को अकेले कारण मानता है। यदि हम खुद को कर्मों के परिणामों से नहीं बाँधते तो कर्म भी हमको नहीं बाँधते। सुख, शक्ति और स्वर्ग की कामना से किया गया कर्म जब किया जाता है तो आँख फल पर टिकी होती है न कि कर्म पर। कर्म, विकर्म और अकर्म के बीच के अंतर को समझना कठिन है। बुद्धिमान लोग कर्म फल से बिना जुड़े निर्लिप्त हो कर काम करते हैं। कर्तृत्व के अभिमान से मुक्त होने और फलेच्छा का त्याग करने पर कर्म अकर्म हो जाता है। कर्म करते हुए निर्लिप्त रहना और निर्लिप्त हो कर कर्म करना कर्मयोगी श्रेष्ठ बनाता है। सक्रिय होना कर्म है पर जब कर्म-परिणाम को बिना नियंत्रित करने की चेष्टा के कर्म करना कर्म-योग है। बिना किसी प्रत्याशा के कर्म के विचार को देख कर यह प्रश्न उठता है कि उस स्थिति में कर्म के लिए क्या प्रेरणा का तत्व होगा। वृक्ष और पशु अपने लिए खाद्य और सुरक्षा पाने के लिए सक्रिय होते हैं। एक मनुष्य ही है जो दूसरों के खाद्य और सुरक्षा के लिए कर्म कर सकता है। इसी दृष्टि को अपनाना धर्म है।

हमारा शरीर मरणधर्मा है और सुरक्षा चाहता है। वह सीमाएं भी बनाता है। किंतु इस शरीर में अमर आत्मा का वास है जिसे किसी किस्म की सुरक्षा या बन्धन की दरकार नहीं है। मरणधर्मा हाड़ मांस से लिपट कर यह आत्मा जीवन और मृत्यु का स्वाद बार-बार लेता है। अमरता और पुनर्जन्म के विचार के साथ श्री कृष्ण मानवीय जीवन के विमर्श का पूरा नक़्शा ही बदल देते हैंः शरीर का अंत अंत नहीं होता और न शरीर का आरम्भ आरम्भ होता है। क्षण-क्षण बदलती दुनिया जिस पर अधिकार जमाना संभव नहीं उसे बदले और अस्थायी चीजों में हम अवलोकन करते हैं, खोज करते हैं और गद्गद होते हैं। वस्तुतः हम एक महा आख्यान के हिस्से होते हैं, अतीत की कथा वर्तमान को और वर्तमान भविष्य को रचती चलती रहती है। उन कथाओं को तो हम नहीं जानते पर उनमें भूमिका जरूर अदा करते हैं। जो कथा हम अनुभव करते हैं या याद करते हैं वह कोई अकेली कथा नहीं होती। हमारी जिंदगी दूसरी कथाओं में हमारी भूमिकाओं पर निर्भर करतो है।

रोचक बात यह है कि कथा या भूमिका याद न भी हो तो भी हम उसके परिणामों से नहीं बच सकते। पुनर्जन्म यह भी बताता चलता है कि यह विश्व हमारे पहले भी था और हमारे बाद भी रहेगा। गीता व्यक्ति के मानसिक-आध्यात्मिक उन्नयन पर बल देती है। अस्तित्व का अर्थ और मूल्य ही गीता का प्रतिपाद्य है। कर्म मार्ग का प्रवर्तन ही उसका प्रमुख उद्देश्य है। कर्म की गति गहन होती है। कर्म से मुक्ति संभव नहीं है। कर्म की गुणवत्ता उसे करने में नहीं बल्कि उसके पीछे निहित इच्छा के त्याग में है।

प्रधानमंत्री के 'मन की बात' बन सकती है मोहन यादव की स्तुत्य पहल

कृष्णमोहन झा

समाज में वर्षों से यह आम धारणा बनी हुई है कि सामूहिक विवाह सम्मेलनों में उन्हीं जोड़ों के विवाह संपन्न होते हैं जिनके परिजनों के समक्ष कोई आर्थिक विवशता होती है । मध्यप्रदेश में इस धारणा को तोड़ने की जो स्तुत्य पहल राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने की उसने सारे देश का ध्यान आकर्षित किया है। गत दिवस महाकाल की पावन नगरी में संपन्न सामाजिक विवाह सम्मेलन में जिन 21 जोड़ों ने अग्नि के सात फेरे लिए उनमें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वितीय सुपुत्र डा अभिमन्यु यादव भी शामिल थे जो इस बहुचर्चित सामूहिक विवाह सम्मेलन में डा इशिता पटेल के साथ परिणय सूत्र में आबद्ध हुए।संपूर्ण विधि विधान के साथ पुनीत वैदिक रीति कर्म के अनुसार सभी जोड़ों का विवाह संस्कार संपन्न कराने के लिए इस सम्मेलन में सुविख्यात योगगुरु बाबा रामदेव की उपस्थिति ने इस अनूठे कार्यक्रम को महिमा मंडित कर दिया।इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी महाराज एवं जूना अखाड़ा के स्वामी हरि गिरि ने सभी जोड़ों को आशीर्वाद स्वरूप एक एक लाख रुपए की राशि प्रदान करने की घोषणा की । यूं तो इस गरिमामय समारोह में नवदम्पत्तियों को शुभाशीष प्रदान करने के लिए बागेश्वर धाम प्रमुख धीरेन्द्र शास्त्री एवं प्रमुख साधु-संत, मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, दुगार्दास उइके, मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर सहित अनेक मंत्री, राजनेता, समाज के विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई परन्तु सभी अतिथियों की एक जैसी आवभगत की गई। आतिथ्य में किसी भी स्तर पर भेदभाव की झलक भी दिखाई नहीं दी। सम्मेलन स्थल की सादगी एवं समरसता को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानों मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सम्मेलन के व्यवस्थापकों से विवाह सम्मेलन को भव्यता प्रदान करने से परहेज करने के लिए पहले ही निर्देशित कर रखा था। मुख्यमंत्री मोहन यादव इस सम्मेलन में विवाह की हर रस्म में एक सामान्य पिता की तरह नजर आ रहे थे। पूरे कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जितने सहज सरल दिखाई दे रहे थे उसे देखकर किसी अनजान व्यक्ति के लिए यह अंदाजा लगा पाना मुश्किल था कि सम्मेलन में किसी प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री की बेटे की भी शादी रही थी। मुख्यमंत्री की सादगी और सरलता ने सबको अभिभूत कर दिया था। सर्वत्र अपने मिलनसार स्वभाव के लिए विख्यात मुख्यमंत्री मोहन यादव प्रत्येक अतिथि से खुद आगे बढ़कर मिल रहे थे। सम्मेलन में जिन 21 जोड़ों ने अग्नि के साथ फेरे लिए उन्हें मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपनी शुभकामनाएं और शुभाशीष देते हुए कहा कि ये सभी मेरे बेटे बेटी हैं।

पिछले कुछ वर्षों से देश में महंगे विवाह समारोहों के आयोजनों में जिस तरह अतुल्य वैभव और शान-शौकत के प्रदर्शन का फैशन चल पड़ा है उन सबके बीच मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की यह पहल निःसंदेह अनुकरणीय है । इसके माध्यम से वे यह संदेश देने में भी पूरी तरह सफल हुए हैं कि समाज के हर वर्ग में सामूहिक विवाह सम्मेलन के आयोजनों को प्रोत्साहन किया जाना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि अपने बेटे बेटी की धूमधाम से शादी करना हर माता-पिता का अधिकार है परन्तु शादी के पावन संस्कार को यदि इवेंट का रूप दे दिया जाए तो कहीं न कहीं विवाह संस्था भी प्रभावित होती है। सामूहिक विवाह सम्मेलन में अत्यंत सादगी के साथ अपने बेटे का विवाह संस्कार संपन्न कराने की जो पहल मोहन यादव ने की उसमें यह संदेश भी छुपा हुआ है कि धनकुबेर माता पिता अपनी संतान की शादी में वैभव का प्रदर्शन करने के लिए जो धनराशि पैसों की तरह बहाने में संकोच नहीं करते वे अगर उस धनराशि का एक छोटा सा अंश गरीब बेटे बेटियों की शादी पर खर्च करने का मन बना लें तो वे न जाने कितने गरीब परिवारों की शुभकामनाओं के पात्र सकते हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी अगर चाहते तो अपने बेटे की शादी के लिए सामूहिक विवाह सम्मेलन का पंडाल चुनने के बजाय किसी महानगर की भव्य पांच या सात सितारा होटल का चयन कर सकते थे और ऐसी कोई भी होटल या रिसोर्ट उन्हें सुगमता से उपलब्ध भी हो सकती थी परन्तु उन्हें सामूहिक विवाह सम्मेलन स्थल का चयन करके यह संदेश देना पसंद किया कि मुख्यमंत्री पिता कहलाने की बजाय केवल पिता कहलाना ज्यादा पसंद है। मोहन यादव अब देश के ऐसे पहले मुख्यमंत्री बन गए हैं जिन्होंने अपने उच्च शिक्षित बेटे के विवाह संस्कार के लिए सामूहिक विवाह सम्मेलन का प्रांगण चुना । मैं समझता हूं कि मुख्यमंत्री मोहन यादव की इस स्तुत्य पहल का उल्लेख अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को प्रसारित होने ₹ वाले मन की बात ₹ कार्यक्रम में करें तो यह सिलसिला तेजी से आगे बढ़ सकता है। प्रधानमंत्री के उक्त प्रेरणादायक संबोधन में मुख्य मंत्री मोहन यादव के बेटे की सादगी पूर्ण शादी का उल्लेख कर महंगी शादियों में होने वाली फिजूल खर्ची और धन की बबार्दी को रोकने के लिए बड़े बड़े धनकुबेरों को प्रेरित कर सकते हैं। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि मुख्यमंत्री मोहन यादव ने महाकाल की नगरी में पुण्य सलिला क्षिप्रा के तट से जो स्तुत्य पहल की है उसे एक अभियान के रूप में जारी रखने की आवश्यकता है जिसमें देश के सभी राज्यों की सरकारों की सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

(लेखक राजनैतिक विश्लेषक है)

दैनिक पंचांग

2 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2025 वर्ष का 336 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 15.58 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 20.52 बजे को समाप्त।
योग वरीयान 21.08 बजे को समाप्त।
करण बालव 15.58 बजे तदनन्तर कौलव 02.15 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 11.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 21° 57'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872546
जूलियन दिन 2461011.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 10
विशेष प्रदोष व्रत, मत्स्य द्वादशी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.33 बजे से
चंद्र	मेष में	मकर	09.38 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	11.24 बजे से
बुध	तुला में	मीन	12.57 बजे से
गुरु	कर्क में	मेष	14.28 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	16.08 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	18.06 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.19 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.35 बजे से
राहुकाल	3.00 से 4.30 बजे तक	कन्या	00.47 बजे से
		तुला	02.58 बजे से
		वृश्चिक	05.13 ब.से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

जहरीले पदार्थ खाने से गंभीर, रेफर

साहिबगंज : तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के वृंदावन गांव में बीते रात एक व्यक्ति गलती से जहरीले पदार्थ खाने से मूर्छित हो गया। मिली जानकारी के अनुसार दिलीप मुर्मू (38) रविवार को देर रात गलती से घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लेने से मूर्छित हो गया। परिजनों को पता चलते ही आनन-फानन मे इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर सादिक अंसारी ने उक्त व्यक्ति का प्राथमिक इलाज करने के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। मामले की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

मालगाड़ी में चढ़ने से रेलवे के हाई टेंशन तार की चपेट में आने से युवक झुलसा

साहिबगंज : मालदा-साहिबगंज रेल खंड अंतर्गत कोटालपोखर रेलवे स्टेशन पर एक युवक रेलवे के हाई टेंशन बिजली तार के संपर्क में आने से बुरी तरह झुलस गया। मिली जानकारी के अनुसार कोटालपोखर रेलवे स्टेशन के तीन नंबर प्लेटफार्म पर कोयला लदी मालगाड़ी खड़ी थी और उससे कथित रूप से कोयला उतारने के लिए एक युवक ऊपर चढ़ा और ओवरहेड बिजली तार के चपेट में आकर धू-धू कर जलने लगा। इसी क्रम में वह प्लेटफार्म पर गिर पड़ा। सूचना मिलते ही रेल पुलिस व स्टेशन मास्टर पहुंचे और घायल युवक को उठाकर पाकुड़ के सोनाजोरी अस्पताल इलाज के लिए भेज दिया गया। जहां घायल का इलाज चल रहा है। इस घटना में झूलसे अज्ञात युवक को लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही है। कोई मानसिक रोगी तो कोई कोयला चोर बता रहा है।

विश्व एड्स दिवस पर स्वास्थ्य विभाग और मंथन संस्था द्वारा किया गया जागरुकता कार्यक्रम

साहिबगंज: विश्व एड्स दिवस पर पुराना सदर अस्पताल के प्रांगण में स्वास्थ्य विभाग व मंथन संस्था की ओर से सोमवार को जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे आईसीटीसी के बसंत महतो ने बताया कि एड्स कोई छुआछूत बीमारी नहीं है। एक साथ खाने-पीने या एक-दूसरे का कपड़े पहने से या एक ही शौचालय का उपयोग करने से किसी को एड्स नहीं होता है। यह असुरक्षित यौन संबंध बनाने से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को होता है। यह बीमारी एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति के रक्त का प्रयोग करने, एचआईवी संक्रमित रक्त चढ़ाने, एचआईवी सुई का प्रयोग करने से एड्स होने की संभावना रहती है। मौके पर आईसीटीसी लैब टेक्नीशियन श्वेतांबर सिंहा, सुमन कुमारी, नाहिद परवीन, आदि मौजूद थे।

साहिबगंज में दो मांगों को लेकर सैकड़ों महिलाएं अनिश्चितकालीन अनशन पर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के डिहारी, पटवर टोला और भोलीया टोला गांव की सैकड़ों महिलाएं अपनी दो प्रमुख मांगों को लेकर दयानिधि ओझा शिव मंदिर डीहारी में अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठ हैं। सभी का कहना है कि सिमरतल्ला झील अगर बर्ड सेंचुरी नहीं तो गौचर भूमि पर एयरपोर्ट भी नहीं चाहिए। ग्रामीण महिलाओं ने गांव के बीच से बनने वाली प्रस्तावित फोर लेन सड़क को गौचर जमीन पर शिफ्ट करने तथा शिमरतल्ला झील को बर्ड सेंचुरी घोषित करने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन पर है। महिलाओं का कहना है कि फोर लेन सड़क गांव के बीच से गुजरने पर कई परिवार प्रभावित होंगे और गांव के उजड़ने की स्थिति बन जाएगी। इसलिए सड़क निर्माण कार्य को रोका जाए और ग्रीनफील्ड मार्ग को गौचर जमीन पर बनाया जाए। दूसरी ओर शिमरतल्ला झील को प्राकृतिक रूप से महत्वपूर्ण बताते हुए महिलाओं ने इसे बर्ड सेंचुरी घोषित करने की मांग की है ताकि पर्यावरण संतुलन सुरक्षित रह सके और पक्षियों के संरक्षण को बढ़ावा मिले। सैकड़ों ग्रामीण महिलाओं ने पंकज कुमार ओझा द्वारा गांव और पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाए जा रहे प्रयासों का समर्थन करते हुए जिला प्रशासन और सरकार से तत्काल कार्रवाई की अपील की है। प्रदर्शनकारियों द्वारा पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पदाधिकारी, अंचल पदाधिकारी तथा मुफस्सिल थाना प्रभारी को शांतिपूर्ण आंदोलन की जानकारी देते हुए आवेदन सौंपा गया है। पंकज कुमार ओझा ने बताया कि जब तक गांव की सुरक्षा व झील के संरक्षण से जुड़ी दोनों मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक यह आंदोलन अनवरत जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि रविवार को आंदोलन के दूसरे दिन तीनों गांवों की हजारों महिलाओं ने एकजुट होकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज किया। आज के अनशन धरने में रूपा भारती, नुतन देवी, अर्पना देवी, सोनी कुमारी, भागवती देवी, पुतुल देवी, शांति देवी, शियावती देवी, ज्योति देवी, मंजू ओझा, आशा देवी, लक्ष्मी देवी, महेश्वरी देवी, शंजू देवी, ललीता ओझा, सुनिता देवी, मीरा देवी, अरिला देवी, जानकी देवी, पुनम देवी, रिना देवी, सोनी देवी, श्यामा देवी, गीता देवी समेत बड़ी संख्या में आसपास के तीन गांव और आठ टोले की मातृशक्ति शामिल रहीं। गृहणियों का कहना है कि यह आंदोलन गांव को उजड़ने से बचाने और प्राकृतिक धरोहरों की सुरक्षा के लिए है, इसलिए यह पूरी तरह शांतिपूर्ण और नियम-संगत तरीके से जारी रहेगा।

जिला पशुपालन कार्यालय की अतिक्रमित भूमि का सीमांकन, प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : डीसी हेमंत सती के निर्देश पर जिला प्रशासन ने आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला पशुपालन कार्यालय की अतिक्रमित भूमि का सीमांकन कर उसे मुक्त कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी। अभियान के दौरान अपर समाहर्ता गौतम भगत, सदर अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईंद, तथा अंचल अधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी बासुकिनाथ टुडू की टीम ने मौके पर पहुंचकर जमीन की विधिवत नापी कराई। इसके बाद पूरी सीमा पर चूना डालकर सीमांकन किया गया, जिससे भूमि की स्पष्ट पहचान हो सके। अपर समाहर्ता गौतम भगत ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के बाद जल्द ही यहां बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जाएगा, ताकि पशुओं के रख-रखाव और इलाज की व्यवस्था और बेहतर हो सके। वहीं जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. राम सरीख प्रसाद ने कहा कि भूमि मुक्त होने से अब विभाग को पशुओं की देखभाल एवं इलाज की सुविधाओं को और व्यापक रूप से विकसित करने में मदद मिलेगी।

पाकुड़ विधायक ने ग्रामीणों के समस्याओं से हुए अवगत, निदान का दिया आश्वासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के बरहरवा प्रखंड के बिंदुपाड़ा पंचायत अंतर्गत बिंदुपाड़ा, चाउलछल्ला और लघोपाड़ा गांवों में सोमवार को पाकुड़ विधायक निसात आलम ने व्यापक क्षेत्रीय दौरा किया। दौरे के दौरान विधायक ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी जमीनी समस्याओं को गंभीरता से सुना। ग्रामीणों ने बिजली, पेयजल संकट, सड़क मरम्मत, म्यूटेशन, चापानल की खराबी, नाली-निकासी व्यवस्था सहित कई मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें विधायक के समक्ष रखीं। वहीं महिलाओं ने विशेष रूप से मुख्यमंत्री मइयां सम्मान योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन के बावजूद राशि नहीं मिलने, राशन कार्ड में परिवार के सदस्यों का नाम जुड़ने में आ रही दिक्कतों सहित विभिन्न योजनाओं से संबंधित समस्याओं को साझा किया। लघोपाड़ा में ग्रामीणों ने लिखित आवेदन के माध्यम से भी अपनी समस्याएँ अवगत कराईं। ग्रामीणों की बातें सुनने के बाद विधायक निसात आलम ने भरोसा दिलाते हुए कहा कि– "आपकी हर समस्या मेरी प्राथमिकता है। संबंधित विभागीय पदाधिकारियों से बात कर समाधान के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। आपकी समस्याएँ सुनने के लिए मैं स्वयं आपके बीच आई हूँ ताकि आपके विश्वास पर खरा उतर सकूं। आपने मुझे झारखंड में सर्वाधिक मतों से जीताकर जो जिम्मेदारी दी है, उसे मैं पूरी ईमानदारी से निभाऊंगी। दौरे के दौरान जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास, जहरुल खान, बप्पा भट्टाचार्य, शमीमा खातून, दौरान चौधरी, सफीकुल शेख, सूफी शेख सहित सम्मानित कार्यकर्तागण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

परिवार ने दबंग पड़ोसियों पर मारपीट व जान से मारने की धमकी का लगाया आरोप, आवेदन देकर लगाई न्याय की गुहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत इकरा कॉलोनी, महाजन टोला से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहाँ स्थानीय निवासी समीम अली, पिता स्व. अजीज अली ने अपने पड़ोसियों पर लगातार गाली-गलौज, मारपीट, बच्चों पर हमला तथा जान से मार देने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित परिवार ने इसकी लिखित शिकायत संबंधित पदाधिकारी को सौंपते हुए सुरक्षा की मांग की है। पीड़ित समीम अली का आरोप है कि वे वर्ष 1985 से अपनी जमीन पर घर बनाकर रह रहे हैं, तथा उनके बाद कई अन्य परिवार भी वहीं बसे। लेकिन उनके घर के सामने रहने वाले मो. जौहर अंसारी तथा उसकी पत्नी बीबी नूरी तथा उसका भाई गौहर अंसारी आए दिन बिना किसी वजह के गाली-गलौज और झगड़ा करते रहते हैं। घटना के अनुसार 30 नवंबर 2025 को समीम अली के 4 वर्षीय नतनी के ऊपर कथित रूप से गुड़ा कचरा फेंक दिया गया, जिससे उसके चेहरे और आंख में चोट लग गई। जब परिजन आपत्ति जताने गए तो आरोपी पक्ष हथियार लेकर घर में घुस आया और पूरे परिवार को गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी पीड़ितों के अनुसार, आरोपियों ने दामाद कमरुल जमा, पुत्र वसीम आलम और परिवार के अन्य सदस्यों को भी धमकाया और कहा कि "तुम लोगों का मन बढ़ गया है, किसी भी वक्त बड़ी घटना कर देंगे।" परिवार का कहना है कि जौहर अंसारी और गौहर अंसारी का मेलजोल क्षेत्र के दबंग और असामाजिक तत्वों के साथ है, जिसके कारण ये इलाके में दहशत फैलाए हुए हैं। मामले को और गंभीर बताते हुए पीड़ित ने कहा कि नगर परिषद के रोड को लेकर जौहर अंसारी विवाद खड़ा कर जमीन नापी की प्रक्रिया तक नहीं होने दे रहा। विरोध करने पर परिवार को धमकाया जाता है। समीम अली ने अपने आवेदन में स्पष्ट कहा है कि यदि भविष्य में हमारे परिवार के किसी भी सदस्य के साथ कोई अप्रिय घटना होती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी मो. जौहर अंसारी और गौहर अंसारी की होगी।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई जिला छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सोमवार को उपायुक्त, रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में जिला छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी सिदार्थ शंकर चौधरी के द्वारा उपायुक्त एवं समिति के अन्य सदस्यों को जानकारी देने के क्रम में बताया गया की पोस्टमेट्रिक छात्रवृत्ति के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 24880 छात्र-छात्राओं ने ई कल्याण पोर्टल पर पंजीकरण किया है वहीं आईएनओ द्वारा 23984 छात्र-छात्राओं के आवेदनों को सत्यापित किया गया है पूर्व में 4676 बच्चों को छात्रवृत्ति हेतु अनुमोदन दिया जा चुका है। वर्तमान में पोस्टमेट्रिक छात्रवृत्ति के तहत रामगढ़ जिला अंतर्गत अध्यनरत 15505 विद्यार्थियों को अनुमोदन दिया जाना है। वही राज्य के बाहर अध्यनरत 63 छात्र-छात्राओं को अनुमोदन दिया जाना है। बैठक के दौरान उपायुक्त ने समिति के अन्य सदस्यों के साथ प्राप्त आवेदनों की समीक्षा के क्रम में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ देने हेतु आवेदनों को स्वीकृति देने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

सदर अस्पताल, सोनाजोड़ी का उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में सोमवार को उपायुक्त मनीष कुमार ने सदर अस्पताल, पाकुड़ का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एमटीसी के रिनोवेशन हेतु उपायुक्त ने उपाधीक्षक, सदर अस्पताल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कार्य को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में अस्पताल की किचेन का भी अवलोकन किया गया, जहाँ मरीजों के लिए तैयार किए जा रहे खान-पान की गुणवत्ता, स्वच्छता और व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। किचन स्टाफ को भोजन की स्वच्छता, समय पर वितरण और पोषण मानकों का पालन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए। सदर अस्पताल परिसर की स्वच्छता, मरीज सेवाओं और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। वहीं उपायुक्त ने कहा कि सदर अस्पताल की सभी सेवाओं का स्तर उच्च बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एमटीसी के रिनोवेशन, अस्पताल किचन की स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता और समय पर वितरण सुनिश्चित करना प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से कहा कि मरीजों को हर संभव स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की जाए और अस्पताल परिसर की स्वच्छता नियमित रूप से बनाए रखी जाए।

आगामी नगर परिषद चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों के साथ हुई बैठक

पाकुड़ : ज़िले के समाहरणालय स्थित निर्वाचन कार्यालय में आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में आगामी नगर परिषद चुनाव की तैयारी को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने बताया कि नगर परिषद चुनाव फरवरी-मार्च 2026 के बीच संपन्न होने की संभावना है तथा इस बार चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव की निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तैयारी हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ समयबद्ध रूप से की जा रही हैं। उपायुक्त ने राजनीतिक दलों को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन गतिविधि की प्रगति से अवगत कराते हुए कहा कि नगर परिषद क्षेत्र में मतदाताओं का मैपिंग अभी अपेक्षाकृत कम है। उन्होंने सभी दलों से आग्रह किया कि वे मतदाताओं के अद्यतन एवं सत्यापन कार्य में सक्रिय सहयोग दें, ताकि निर्वाचन सूची अधिक सटीक एवं व्यापक हो सके। बैठक के दौरान उपायुक्त ने यह भी बताया कि अब तक केवल झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा ही बीएलए की सूची उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने अन्य सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया कि वे भी अपने-अपने बीएलए की सूची शीघ्र उपलब्ध कराएँ, जिससे आगामी चुनावी कार्यों के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में निर्वाचन प्रबंधन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा सभी दलों के साथ सहयोगात्मक वातावरण में चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने पर जोर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड सशस्त्र पुलिस की 21वीं क्षेत्रीय खेल-कूद प्रतियोगिता में जैप-9 के जवानों ने मेडल जीत किया नाम रौशन

साहिबगंज: झारखंड सशस्त्र पुलिस की 21वीं क्षेत्रीय खेल-कूद प्रतियोगिता 2025 जैप-2 रांची में दिनांक 25 नवंबर से 28 नवंबर 2025 तक आयोजित की गई। जिसमें झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों में स्थापित सशस्त्र पुलिस बल के कई प्रतिभागियों एवं टीम ने भाग लिया। समादेष्टा जैप-9 कुसुम पुनिया के मार्गदर्शन में साहिबगंज जिला में स्थित झारखंड सशस्त्र पुलिस बल संख्या 9 के भी कई प्रतिभागियों एवं टीम ने भाग लिया। साहिबगंज के सशस्त्र पुलिस बल ने इस प्रतियोगिता के विभिन्न खेलों में अग्रणी प्रदर्शन करते हुए महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की, कुश्ती में एक गोल्ड मेडल एक सिल्वर मेडल, पंजा लड़ाई में एक गोल्ड मेडल, वेट लिफ्टिंग में एक गोल्ड मेडल, बैडमिंटन में तीसरा स्थान, टेबल टेनिस तथा फुटबॉल में उपविजेता के रूप में प्रदर्शन रहा। सभी खिलाड़ियों को समादेष्टा, पुलिस उपाधीक्षक, लाइन बाबू, सुबेदार तथा सभी जैप-9 परिवार की ओर से बधाई दी गई तथा भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए उत्साहवर्धन किया गया।

विश्व एड्स दिवस पर कारा परिसर में मेडिकल कैंप का हुआ आयोजन

साहिबगंज: कारा परिसर में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक मेडिकल जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कारा में कार्यरत सभी गृहरक्षकों की विस्तृत स्वास्थ्य जांच की गई। एड्स दिवस के तहत सीमित बंदियों को एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूक रहने, सुरक्षा के उपाय अपनाने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित किया गया। जागरूकता सत्र के दौरान विशेषज्ञों द्वारा एड्स से संबंधित भ्रांतियों को दूर किया गया और सही जानकारी उपलब्ध कराई गई। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता परमेश्वर भगत, काराधीक्षक, द्वारा की गई। कार्यक्रम में डॉ. मोहन मुर्मू, कारा चिकित्सक, उमेश कुमार यादव, कारा मिश्रक, जगत मोहन मंडल, कारा परिशायक उपस्थित रहे। इस पहल का उद्देश्य कारा परिसर में स्वास्थ्य सुरक्षा, जागरूकता एवं सकारात्मक वातावरण को बढ़ावा देना है।

उद्योगों में मजदूरों का हो रहा शोषण : विश्वरंजन सिन्हा

रामगढ़ : बेरोजगार युवाओं के नियोजन और विस्थापितों के हक अधिकार की आवाज बुलंद होगी, अगला वर्ष आंदोलन का। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत आज दिनांक 01 दिसंबर 2025 से भारतीय नौजवान सेना के सदस्यता अभियान की शुरूआत हुई। नौजवान सेना के सदस्यों ने रिवर साइड, पटेल नगर इत्यादि क्षेत्रों में आज से सदस्यता अभियान की शुरूआत की। भारतीय नौजवान सेना के अध्यक्ष विश्वरंजन सिन्हा ने बताया कि अगले एक महीने संगठन का सदस्यता अभियान चलेगा। संगठन से जुड़ कर क्षेत्र के बेरोजगार युवा अपनी आवाज को बुलंद कर सकते हैं। अगले एक वर्ष में दस हजार युवाओं को संगठन में जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। कहा गया कि क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के नाम पर ठगा जा रहा है। विस्थापितों को भी संगठन से जोड़ा जाएगा। विस्थापितों को बाहरी भीतरी की भावनाओं में उलझा कर उनसे उनका हक छिना गया है। क्षेत्र में संचालित उद्योगों में जिन ग्रामीणों की जमीन का अधिग्रहण किया गया है उन्हें न तो उचित मुआवजा मिल पाया है न हीं नियोजन मिल रहा है। कंपनिया दलालों के माध्यम से अपनी रोटियां सेंकने में लगे हैं। विस्थापितों और युवा बेरोजगारों को दिग्भ्रमित कर व्यस्त रखा गया है। विस्थापितों के हक और रोजगार का मामला अब चुनावी मुद्दा मात्र हो चुका है। संगठन का उद्देश्य है कि बेरोजगार युवाओं, विस्थापितों के हक अधिकार की लेकर निष्पक्ष रूप से आवाज बुलंद कर उन्हें उनका हक दिलाया जाए। आगामी वर्ष आंदोलन का वर्ष होगा। आउटसोर्सिंग कंपनियां नियमों का उल्लंघन कर उत्पादन कर रहीं हैं। सभी उद्योग मजदूरों का शोषण कर रहे हैं। मजदूरों का पीएफ घोटाला भी चल रहा है। न्यनतम मजदूरी नहीं दी जा रही है। युवाओं को रोजगार से वंचित रखा जा रहा है। मौके पर अध्यक्ष विश्वरंजन सिन्हा, सचिव रौशन नायक, कोषाध्यक्ष इमरोज खान, उपाध्यक्ष विश्वनाथ भुइयां उर्फ अजय, राज अमन, अजय सिंह, राहुल सिंह, राजन पांडेय, बबलू भुइयां इत्यादि नौजवान सेना के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रेलवे ने विशेष टिकट जांच अभियान चला कर, बिना टिकट यात्रियों से 75 हजार रूपये जुर्माना वसूले

साहिबगंज: बिना टिकट के ट्रेन में सफर करने से यात्रियों को रोकने के उद्देश्य से सोमवार को साहिबगंज और भागलपुर रेलवे स्टेशन के बीच विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान सीआईटी एल एच कुमार और उसकी टीम ने सैकड़ों बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्रियों से लगभग 75 हजार रुपए की राजस्व वसूली की गई। सीआईटी ने बताया कि साहिबगंज और भागलपुर के बीच चलने वाली कई ट्रेनों में सोमवार को विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान लोगों को बिना टिकट यात्रा न करने को लेकर जागरूक भी किया गया। कहा कि यात्रियों को बेहतर रेल सुविधा चाहिए तो उन्हें उचित टिकट लेकर ही यात्रा करनी चाहिए। बिना टिकट यात्रा करना अपराध है।

एसडब्लूआरईएल को अदाणी ग्रीन एनर्जी से मिला 1,381 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एसडब्ल्यूआरईएल) को गुजरात में अदाणी ग्रीन एनर्जी से करीब 1,381 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। एसडब्लूआरईएल ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने गुजरात के खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क में आने वाली तीन सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) से करीब 1,381 करोड़ रुपये का बैलेंस ऑफ सिस्टम (बीओएस) ठेका हासिल किया है। खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा केंद्रों में से एक है। स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी ग्रुप के एक प्रमुख अे धिकारी (वैश्विक) ने कहा कि हमें अदाणी ग्रीन के साथ समझौते की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि यह साझेदारी तेजी से बढ़ते भारतीय सौर बाजार में हमारे ईपीसी नेतृत्व को मजबूत करती है।

मारुति सुजुकी ने एसएमजी के साथ विलय प्रक्रिया पूरी की

नई दिल्ली मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को कहा कि सुजुकी मोटर गुजरात के साथ विलय की योजना सोमवार से प्रभावी हो गई है। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि योजना की प्रभावशीलता के परिणामस्वरूप कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी में 15,000 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। कंपनी ने कहा कि हम सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण द्वारा जारी आदेश की प्रमाणित प्रति दाखिल कर दी है। इसमें पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सुजुकी मोटर गुजरात (एसएमजी) के मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) में विलय की योजना को मंजूरी दी गई है और तदनुसार यह योजना एक दिसंबर 2025 से प्रभावी हो गई है। योजना के तहत नियत तिथि एक अप्रैल 2025 है और इस प्रकार एसएमजी का एमएसआई में विलय पूरा हो गया है।

महिंद्रा की वाहन बिक्री नवंबर में 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा की नवंबर में कुल बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 92,670 इकाई हो गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने सोमवार को बयान में कहा कि यात्री वाहन खंड में कंपनी ने घरेलू बाजार में 56,336 वाहन बेचे, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 46,222 वाहनों की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। वाणिज्यिक वाहनों की घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 24,843 इकाई हो गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा के कृषि उपकरण व्यवसाय ने पिछले महीने घरेलू बाजार में 42,273 ट्रैक्टर बेचे। यह नवंबर 2024 के 31,746 ट्रैक्टर से 33 प्रतिशत अधिक है।कुल ट्रैक्टर बिक्री नवंबर में 44,048 इकाई रही जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 33,378 इकाई थी। इस महीने ट्रैक्टर निर्यात 1,775 इकाई रहा जबकि नवंबर 2024 में यह 1,632 इकाई था।

दिसंबर में निवेशकों की उम्मीदें बढ़ीं

नई दिल्ली दिसंबर को लेकर निवेशकों में उत्साह बढ़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार हर साल दिसंबर के अंतिम पांच दिन और नए साल के पहले दो दिन बाजार में तेजी आती है, जिसे सेंटा रेली कहा जाता है। निवेशक दिसंबर में अगले साल की योजना बनाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस बार माहौल पहले से बेहतर नजर आ रहा है और 2026 शेयर बाजार के लिए सकारात्मक रह सकता है। बाजार के जानकारों के अनुसार, इस समय लार्ज कैप शेयर सुरक्षित और स्थिर मुनाफा देने वाले विकल्प हैं। मिड और स्मॉल कैप शेयरों में निवेश सोच-समझकर और सीमित मात्रा में करना बेहतर है। उनका कहना है कि पिछले महीनों में मिड और स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें गिर गई हैं और ये अब सस्ते व आकर्षक नजर आते हैं। छोटे शेयरों में 5-10 फीसदी गिरावट या कुछ महीनों की सुस्ती आ सकती है, लेकिन लंबी अवधि में बढ़त की संभावना मजबूत है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति बैठक में रेपो दर यथावत रहने की संभावना

आरबीआई की एमपीसी की बैठक 3 से 5 दिसंबर तक

नई दिल्ली

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) 3 से 5 दिसंबर को बैठक कर रही है। विशेषज्ञों के अनुसार इस बैठक में रेपो दर में बदलाव की संभावना कम है। मौद्रिक नीति का रुख तटस्थ लेकिन नरम रहने की उम्मीद है। जून में 50 आधार अंक की कटौती के बाद दो बैठकों में दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में जीडीपी के मजबूत आंकड़े दर यथावत रखने का कारण बन सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने कहा कि दर में कोई कटौती अब संभव नहीं दिख रही है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक अर्थशास्त्री ने भी कहा कि मौजूदा स्थिति बनाए रखना उचित है, क्योंकि ढील देने की गुंजाइश कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई को दर कम करने के बजाय

बैंकिंग तंत्र में तरलता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। ओपन मार्केट ऑपरेशन के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली को चौथी तिमाही में संभावित तरलता समर्थन मिल सकता है। ऋण-जमा अनुपात ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर के करीब है, इसलिए बैंकिंग प्रणाली को पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराना जरूरी है।

बजाज ऑटो की घरेलू दोपहिया वाहन बिक्री एक फीसदी घटी

नई दिल्ली बजाज ऑटो की नवंबर में घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर एक प्रतिशत घटकर 2,02,510 इकाई रह गई। नवंबर 2024 में यह 2,03,611 इकाई थी। पुणे स्थित वाहन विनिर्माता कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि निर्यात सहित वाहनों की कुल थोक बिक्री नवंबर में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 4,53,273 इकाई हो गई। पिछले साल नवंबर में 4,21,640 वाहन बेचे गए थे। कुल घरेलू बिक्री (वाणिज्यिक वाहनों सहित) नवंबर में तीन प्रतिशत बढ़कर 2,47,516 इकाई हो गई जबकि पिछले साल इसी महीने में 2,40,854 वाहन बिके थे। कुल निर्यात नवंबर में सालाना आधार पर 1,80,786 वाहनों से 14 प्रतिशत बढ़कर 2,05,757 वाहन हो गया। नवंबर में निर्यात सहित कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर तीन प्रतिशत बढ़कर 3,79,714 इकाई हो गई।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने हैदराबाद में खरीदी पांच एकड़ जमीन

कंपनी 4,150 करोड़ की आवासीय परियोजना विकसित करेगी

नई दिल्ली रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए नीलामी प्रक्रिया के जरिये हैदराबाद में 4,150 करोड़ रुपये में पांच एकड़ जमीन खरीदी है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) द्वारा कोकापेट के नियोपोलिस में लगभग पांच एकड़ भूमि के लिए आयोजित ई-नीलामी में हिस्सा लिया। एमएसटीसी लिमिटेड के ई-नीलामी मंच के अनुसार गोदरेज प्रॉपर्टीज सबसे ऊंची बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी। प्राधिकरण निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने के बाद आवंटन पत्र जारी करेगा। कंपनी ने कहा` कि इस भूमि पर प्रीमियम आवासीय परियोजना विकिसित की जाएगी जिसका बिक्री योग्य क्षेत्रफल लगभग 25 लाख वर्गफुट होगा। इससे करीब 4,150 करोड़ रुपये की राजस्व हासिल होने की संभावना है। गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हैदराबाद में मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास और गुणवत्तापूर्ण आवास की निरंतर मांग के साथ मजबूत प्रदर्शन जारी है। हम रणनीतिक अधिग्रहण आदि के माध्यम से इस उच्च-संभावना वाले बाजार में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। इसकी दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे, बेंगलुरु और हैदराबाद में अच्छी उपस्थिति है।

भारतीय शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.77 अंक के नुकसान के साथ ही 85,641.90 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 27.20 अंक फिसलकर 26,175.75 पर था। आज के कारोबार में केवल वाहन और मेटल शेयर ही ऊपर आये।

आज निफ्टी ऑटो 0.79 फीसदी और निफ्टी मेटल 0.58 फीसदी बढ़कर बंद हुए। इसके अलावा, निफ्टी आईटी, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी कमोडिटीज और निफ्टी पीएसई भी लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। दूसरी ओर निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी फार्मा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी इन्फ्रा नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए।

लार्जकैप की तरफ ही मिडकैप का प्रदर्शन भी मिलाजुला रहा पर स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.15 अंक की हल्की बढ़त के साथ ही 61,043 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 45.45 अंक की तेजी के साथ ही 17,874.70 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, मारुति सुजुकी, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इटरनल (जोमैटो), एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और इन्फोसिस सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं बजाज फाइनेंस, सन फार्मा, ट्रेंट, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, एमएंडएम, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक और एचयूएल के शेयर नुकसान में रहे।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 86,065 के स्तर पर खुला और 294 अंकों की बढ़त के साथ 86,000 के आसपास कारोबार कर रहा था। इसी तरह, निफ्टी-50 26,325 पर खुला और शुरुआती 20 मिनटों के भीतर लगभग 90 अंकों की बढ़त के साथ 26,292.55 तक पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर, एशियाई बाजारों में सोमवार की शुरुआत मिश्रित रही। अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों ने निवेशकों का आत्मविश्वास बढ़ाया, जबकि जापानी येन की मजबूती ने निक्की 225 पर दबाव बनाया, जो 1.68 फीसदी नीचे कारोबार कर रहा था। इसके विपरीत, हांगकांग का हैंग सेंग 0.56 फीसदी और चीन का शंघाई एसई 0.11 फीसदी की बढ़त में रहा। अमेरिकी बाजारों ने भी पिछले सप्ताह मजबूती दिखाई, जहां नैस्डैक, एस एंड पी 500 और डाउ जोन्स तीनों हरे निशान

क्रिप्टो बाजार फिसला, बिटकॉइन 88,000 डॉलर के नीचे

ईथर भी 6 फीसदी लुढ़ककर 2,900 डॉलर से नीचे आ गया

नई दिल्ली

दिसंबर की शुरुआत क्रिप्टोकरेंसी बाजार के लिए कमजोर रही है। 1 दिसंबर को एशियाई ट्रेडिंग सत्र के शुरुआती घंटों में प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में तेज गिरावट दर्ज की गई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन लगभग 4.3 फीसदी गिरकर 88,000 डॉलर के नीचे पहुंच गया, जबकि ईथर भी 6 फीसदी लुढ़ककर 2,900 डॉलर से नीचे आ गया। कॉइन मार्केटकैप के आंकड़े दर्शाते हैं कि पिछले 24 घंटों की यह गिरावट पिछले 30 दिनों में 19.85 फीसदी की कमजोरी को और बढ़ा रही है। मार्केट में लीवरेज लिक्विडेशन तेज हुआ है और केवल एक दिन में करीब 16 मिलियन डॉलर के बिटकॉइन लॉन्ग पोजिशन लिक्विडेट हो गए।

विश्लेषकों के अनुसार, व्यापक आर्थिक चिंताओं और बैंक ऑफ जापान द्वारा संभावित ब्याज दर वृद्धि की आशंकाओं ने एशियाई बाजारों में दबाव बढ़ाया है। जापानी बॉन्ड यील्ड का 15 साल के उच्च स्तर पर पहुंचना भी बिकवाली का बड़ा कारण बना।

गिरावट के दौरान बिटकॉइन 4.63 फीसदी टूटकर 86,440 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था।

इसका मार्केट कैप 1.72 ट्रिलियन डॉलर तक सिमट गया, जबकि 24 घंटे का ट्रेडिंग वॉल्यूम 40 फीसदी से अधिक उछलकर 52.4 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। तकनीकी विश्लेषण में बिटकॉइन का 90,954 डॉलर का सपोर्ट लेवल टूटना गिरावट को और गहरा कर गया है।

सीआईआई ने बजट में रखी हरित वित्त और सर्कुलर इकोनॉमी सुधार की मांग

नई दिल्ली भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सरकार से आगामी बजट में हरित परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्ध वित्तीय संस्थान (जीएफआई) स्थापित करने की मांग की है। सीआईआई के अनुसार अगले 10-15 वर्षों में हरित परियोजनाओं के लिए लगभग 1 लाख करोड़ रुपए और 2070 तक 10 लाख करोड़ डॉलर का निवेश अंतर होगा। मौजूदा हरित वित्त केवल आवश्यकता का एक चौथाई पूरा कर पा रही है। सीआईआई ने कहा कि यह संस्था मध्यस्थ के रूप में काम करेगी, जिसमें बहुपक्षीय बैंक, सॉवरिन फंड और परोपकारी संस्थाएं शामिल होंगी और कोई प्रत्यक्ष सरकारी व्यय नहीं होगा। इसे गिफ्ट सिटी में स्थापित करने की सिफारिश की गई है। यह रियायती वित्त, क्रेडिट गारंटी, इक्विटी समर्थन और छोटे हरित एसेट्स के प्रतिभूतिकरण जैसी सुविधाएं प्रदान करेगी। सीआईआई ने चेतावनी दी कि ईवी और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में खनिज आयात निर्भरता बढ़ रही है। बैटरी और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए अनिवार्य रीसाइक्लिंग, शहरी खनन लक्ष्य और स्क्रैप निर्यात पर प्रमाणन लागू करने की सिफारिश की गई है।

दिसंबर की शुरुआत में राहत, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 10 रुपए सस्ता

घरेलू एलपीजी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

दिसंबर की शुरुआत देशभर के होटल, रेस्टोरेंट और छोटे-बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों के लिए राहत लेकर आई है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में एक बार फिर कटौती की गई है, जिससे फूड बिज़नेस और सर्विस सेक्टर की लागत में कमी आने की उम्मीद है। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने 1 दिसंबर से 19 किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में 10 रुपए की कमी लागू कर दी है। यह राहत ऐसे समय आई है जब नवंबर में भी प्रति सिलेंडर 5 रुपए सस्ते किए गए थे। यानी लगातार हो रही कटौतियों का लाभ सीधे-सीधे व्यापारिक उपभोक्ताओं को मिल रहा है। राजधानी दिल्ली में अब 19 किलो कमर्शियल सिलेंडर का नया दाम 1580.50 रुपए हो गया है, जो पहले 1590.50 रुपए था। हालांकि घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं के लिए इस बार भी कोई बदलाव नहीं किया गया है।

14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत अप्रैल से स्थिर है और अभी दिल्ली में 853 रुपए पर बरकरार है। अन्य महानगरों में भी कमर्शियल गैस के ताज़ा रेट जारी किए गए हैं। कोलकाता में 1684 रुपए, मुंबई में 1531.50 रुपए और चेन्नई में 1739.50 रुपए में सिलेंडर उपलब्ध होगा। वहीं नोएडा में 1580.50 रुपए, पटना में 1829 रुपए, लखनऊ में 1703 रुपए, शिमला में 1688.50 रुपए, देहरादून में 1638 रुपए, गुरुग्राम में 1597 रुपए और रांची में 1733 रुपए में कमर्शियल सिलेंडर मिल रहा है।

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में सोना-चांदी के दाम नई ऊंचाई पर

▶▶ सोना फिर 1.30 लाख के पार, चांदी में भी 1,78 लाख से ज्यादा तेजी

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों बाजारों में सोमवार को सोना और चांदी के भावों में रिकॉर्डतोड़ तेजी देखने को मिली। निवेशकों की मजबूत खरीदारी और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच दोनों धातुएं नए उच्च स्तरों को छू रही हैं। घरेलू बाजार में जहां सोने के दाम 1.30 लाख रुपये के ऊपर मजबूती से बने हुए हैं, वहीं चांदी के भाव 1.78 लाख रुपये के पार पहुंचकर नया इतिहास रच चुके हैं।

घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोने के फरवरी वायदा कॉन्ट्रेक्ट ने तेजी के साथ कारोबार की शुरुआत की। सोना 495 रुपये की बढ़त के साथ 1,29,999 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,29,504 रुपए था।

इस समय यह 1,30,383 रुपए से अे धिक के स्तर पर पहुंच गया था, जिसमें कुल 879 रुपये की तेजी शामिल है। दिन के कारोबार के दौरान सोने ने 1,30,794 रुपए का उच्च और 1,29,999 रुपए का निचला स्तर छू लिया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष सोना 1,31,699 रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुका है। चांदी के मार्च कॉन्ट्रेक्ट ने भी जोरदार तेजी के साथ शुरुआत की। एमसीएक्स पर यह 1,77,858 रुपए पर खुला, जो पिछले बंद 1,74,981 रुपए से 2,877 रुपये अधिक था। इस समय चांदी 1,78,187 रुपए के भाव पर कारोबार कर रही थी। दिन के दौरान इसने 1,78,250 रुपए का उच्च स्तर छुआ, जो इस साल का नया उच्चतम स्तर भी है, जबकि निचला स्तर 1,76,452 रुपए रहा।

नई जनरेशन डस्टर 26 जनवरी को होगी लॉन्च

नई दिल्ली

भारतीय बाजार में एसयूवी रेनॉल्ट डस्टर फिर वापसी करने जा रही है। कंपनी का कहना है कि नई जनरेशन डस्टर को 26 जनवरी 2026 को लॉन्च किया जाएगा। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, लेटेस्ट स्पाई शॉट्स में इसे चारों ओर से साफ देखा गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह टेस्ट ड्राइव के लिए सीधे चेन्नई प्लांट से निकली है। नई डस्टर की डिजाइन पहले से काफी अधिक मॉडर्न और एग्रेसिव दिखती है।

इसमें वाय शेप एलईडी डीआरएलएस, नए पॉलिगोनल हेडलैम्प्स, हेवी फ्रंट बंपर, बड़े अक्षरों में रिनॉल्ट ब्रैंडिंग, मजबूत बॉडी क्लैडिंग, स्टाइलिश रूफ रेल्स और सी-पिलर में हिडन रियर डोर हैंडल जैसे बदलाव शामिल हैं।

पिछला हिस्सा स्पोर्टी रियर स्पॉयलर, शार्क फिन एंटीना और वाय-शेप टेललैंप्स के साथ और भी आकर्षक नजर आता है। इंटीरियर में इस बार बड़ा अपग्रेड देखने को मिलेगा। इसमें ट्रिपल स्क्रीन डैशबोर्ड लेआउट, 10.1-इंच टचस्क्रीन, 7-इंच डिजिटल क्लस्टर, वायरलेस कनेक्टिविटी, डुअल-जोन एसी, ओटीए अपडेट्स, अडास, 6-एयरबैग, रियर कैमरा, पार्किंग सेंसर और ईएससी जैसी फीचर्स दिए जाने की संभावना है। इंटरनेशनल मॉडल ने यूरो एनकैप में 3-स्टार सेफ्टी रेटिंग हासिल की है। इंजन विकल्पों की बात करें तो शुरुआत में यह पेट्रोल इंजन में उपलब्ध होगी। हालांकि, बाद में कंपनी स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड और संभवतः सीएनजी वर्जन भी पेश कर सकती है। लॉन्च के बाद यह 4.2-4.4 मीटर एसयूवी सेगमेंट की लोकप्रिय गाड़ियों को प्रतिस्पर्धा देगी। उम्मीद है कि इस एसयूवी की शुरुआती कीमत 11 लाख रुपये से कम रखी जाएगी।

शेयर और म्युचुअल फंड में घरेलू निवेश दोगुना, बैंक जमा पिछड़ा

▶▶ हर 100 रुपए बैंक जमा पर परिवारों ने 45.2 म्युचुअल फंड और शेयरों में निवेश किया

नई दिल्ली

भारतीय परिवारों द्वारा बैंक जमा के मुकाबले म्युचुअल फंड और शेयर बाजार में निवेश दोगुना हो गया है। आरबीआई के नवंबर बुलेटिन के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में बैंक जमा में निवेशित हर 100 रुपए पर लगभग 45.2 रुपए म्युचुअल फंड और शेयरों में लगाए गए। जबकि पिछले वित्त वर्ष यह अनुपात केवल 21.2 रुपए था। अक्टूबर 2025 तक म्युचुअल फंडों के प्रबंधित परिसंपत्तियों (एयूएम) का कुल आंकड़ा 79.9 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह 241.7 लाख करोड़ रुपये की कुल बैंकिंग जमा राशि का लगभग 33 फीसदी है। मार्च 2025 तक यह हिस्सेदारी 29 फीसदी थी। विशेषज्ञों के अनुसार, कम बैंक ब्याज दरें, वित्तीय साक्षरता में वृद्धि और फिनटेक प्लेटफार्मों की वजह से निवेशकों ने इक्विटी और म्युचुअल फंड की ओर रुख किया है। पीएल कैपिटल के एक शोध निदेशक का कहना है कि बाजार में स्थिरता के बावजूद घरेलू निवेशक इक्विटी में निवेश जारी रखेंगे।

तेजस्वी से गले मिले रामकृपाल,उपमुख्यमंत्री ने सी.एम के पैर छुए

रेणु देवी ने गलत शपथ ली, दोबारा पढ़ना पड़ा; जेल में बंद अनंत सिंह नहीं पहुंचे सदन

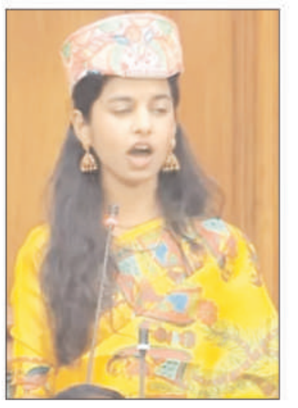

पटना। 18वीं विधानसभा का पहला सत्र आज यानी सोमवार से शुरू हुआ। पहले दिन विधायक शपथ ले रहे हैं। सबसे पहले मंत्रियों ने शपथ ली। सम्राट चौधरी की शपथ के बाद तेजस्वी ने अपनी सीट पर खड़े होकर उनका अभिवादन किया। तेजस्वी ने सम्राट चौधरी से हाथ मिलाया।शपथ लेने के बाद डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने सीएम नीतीश के पैर छुए। वहीं विपक्ष के नेता तेजस्वी से गले मिले। सीएम और तेजस्वी के बीच इशारों में बात हुई। शपथ के बाद रामकृपाल यादव तेजस्वी यादव के गले मिले।दरौली से LJP (फ) विधायक विष्णुदत्त पासवान और बिक्रम से सिद्धार्थ सौरभ, शाहपुर से रमेश रंजन और डुमराव से राहुल कुमार सिंह ने इंग्लिश में शपथ ली। वहीं बेतिया से बीजेपी विधायक और पूर्व डिप्टी सीएम रेणु देवी ने सदन में गलत शपथ ली। जिसके बाद प्रोटेम स्पीकर ने उन्हें टोका और फिर से शपथ पढ़वाया। मोकामा से निर्वाचित जदयू विधायक अनंत सिंह आज की कार्यवाही में शामिल नहीं हुए हैं। चुनाव के दौरान हुई राजद नेता दुलारचंद की हत्या के आरोप में वो जेल में हैं। मंत्रियों के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शपथ ली। अरुण शंकर प्रसाद, गौराबोराम से सुजीत, विनोद नारायण झा,सुधांशु, मीना कुमारी, आसिफ अहमद, माधव आनंद और नीतीश मिश्रा,मैथिली ठाकुर ने मैथिली भाषा में शपथ ली। आबिदुर्रहमान, कमरूल होदा, कोचाधामन से सरबर आलम, अमौर से अख्तरुल ईमान और जोकीहाट विधायक मुर्शीद आलम ने उर्दू में शपथ ली। सीमांचल के विधायकों ने अंत में जय बिहार-जय सीमांचल कहा। पूर्व डिप्टी सीएम और कटिहार से विधायक तारकिशोर प्रसाद, सोनबरसा से विधायक रत्नेश सदा,संजय सिंह,पीरपैंती से मुरारी पासवान, रोसड़ा से वीरेंद्र कुमार और बैकुंठपुर से विधायक मिथिलेश तिवारी ने संस्कृत में शपथ ग्रहण किया। सदन में आगे की पंक्ति में मुख्यमंत्री, मंत्री विजय चौधरी, श्रवण कुमार, मंगल पांडेय बैठे हैं। दूसरी पंक्ति में मंत्री लेसी सिंह, नितिन नवीन, रामकृपाल यादव, श्रेयसी सिंह, जमा खान, संजय सिंह टाइगर बैठे हैं। इससे पहले गया के टेकारी से विधायक अजय डांगी ऑटो से विधानसभा पहुंचे। बीजेपी के सीनियर लीडर और 8 बार के विधायक प्रेम कुमार ने सदन को प्रणाम किया। वहीं सदन पहुंचे राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा, 'ये सरकार वोट चोरी से बनी है। जनता ने इन्हें नहीं चुना है। हमारी संख्या भले कम हो, लेकिन आवाज उतनी ही बुलंद है।' प्रोटेम स्पीकर नरेंद्र नारायण यादव सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिला रहे हैं। 2 दिसंबर को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। 3 दिसंबर को दोनों सदनों की बैठक को राज्यपाल संबोधित करेंगे। 4 दिसंबर को राज्यपाल के भाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर सरकार जवाब देगी। आखिरी दिन 5 दिसंबर को द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी पर चर्चा होगी। नए विधायकों के लिए हेल्प डेस्क बनाया गया है। विधानसभा के कर्मी को तैनात किया गया है। विधायक को अंदर जाने का रास्ता बता रहे।

पक्ष और विपक्ष को बैठने की जगह बता रहे हैं। सदन के टाइम को एक्सटेंड किया गया है। दोपहर 1 बजे लंच ब्रेक नहीं हुआ। विधायकों का शपथ ग्रहण जारी है। सभी सदस्यों के शपथ ग्रहण तक सदन की कार्यवाही चलेगी। सुधांशु, विनोद नारायण झा, बाबूबाड़ी से मीना कुमारी, मधुबनी विधायक माधव आनंद और झंझारपुर टछअ नीतीश मिश्रा ने मैथिली में शपथ ली। बिस्फी के आसिफ अहमद ने ईश्वर की जगह विस्मिला रहमान कहकर शपथ ली।कांग्रेस के मनोज विश्वास दो बार गलत शपथ पढ़ा। तीसरी बार में उन्होंने सही तरीके से शपथ पूरी की। आबिदुर्रहमान, जोकीहाट मुर्शीद आलम ने उर्दू में शपथ ली। फिर आखिर में जय सीमांचल, जय बिहार का नारा लगाया।

मोतिहारी में 5 मौतें-कोई दरोगा, कोई टीचर बनना चाहता था

अशोक साह
आतिफ

मोतिहारी। में रविवार को सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। एक बेकाबू ट्रक ने 5 बाइक और ई-रिक्शा को उड़ाया दिया। हादसे में 6 लोग घायल हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतकों में कोई टीचर, कोई पुलिस अधिकारी तो कोई देश की सेवा करना चाहता था। इनमें से एक अपने साले की शादी में शामिल होने आया था, लेकिन उससे पहले ही उसकी मौत हो गई। हादसा कोटवा थाना क्षेत्र के डिप्पू मोड़ पर हुआ। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने करीब 5 घंटे तक NH-27 जाम रखा। घटना के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। NHAI की गाड़ी से करीब 200 से ज्यादा पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आक्रोशित लोगों को शांत करवाने की कोशिश की, लेकिन भीड़ ने NHAI की गाड़ी में भी आग लगा दी। हादसे में कोटवा बाजार के अशोक साह(32), कैफ (16), आतिफ (20), बेतिया के नितेश पटेल (28) और सितमा (20) की मौत हो गई है।सबसे पहले हम बेतिया में मृतक नितेश पटेल के घर पहुंचे। उनके पिता श्यामकांत पटेल ने बताया, मेरे दो बेटे हैं। नितेश मेरा छोटा बेटा था। वो दूसरे प्रदेश में रहकर ऑटो चलाता था। इसी की कमाई से हमारा पूरा घर चलता था। मेरी तबीयत बहुत खराब रहती थी, इस वजह से मेरे ऊपर दवाई का बहुत खर्च होता था। इसके कारण मेरे बेटे पर बहुत कर्ज हो गया था।साले की शादी में आया था घर, आज थी बारात सके बाद हमारी मुलाकात नितेश पटेल के बड़े भाई विपिन पटेल से हुई। उन्होंने बताया, साल 2023 में उसकी शादी हुई थी। उसकी एक साल की बेटी है। 4 दिन पहले वो अपने साले की शादी में शामिल होने के लिए गांव आया था। 30 नवंबर को साले की बारात निकलनी थी, लेकिन उससे पहले ही मेरे भाई की सड़क हादसे में मौत हो गई। वो शादी का कुछ सामान लेने के लिए मार्केट गया था, गांव लौटने के दौरान ये हादसा हो गया।घायल प्रमोद साह ने बताया, मैं और मेरा बड़ा भाई अशोक साह बाइक से कोटवा बाजार अपने सिलाई दुकान पर आ रहे थे। इसी बीच हमारी बाइक मोड़ पर ट्रक की चपेट में आ गई। इसमें बड़े भाई की मौत हो गई और मेरा हाथ टूट गया है। मैं घटना के वक्त बाइक पर ही था, पीछे बैठा था। मेरा बड़ा भाई अशोक गाड़ी चला रहा था। तभी अचानक 90 की स्पीड में ट्रक ने बाइक में टक्कर मारी, जिसके बाद मैं बाइक से करीब 50 मीटर दूर फेंका गया। भाई के ऊपर ट्रक चढ़ गया, जिससे भाई की मौके पर ही मौत हो गई। अशोक के बूढ़े पिता ने बताया, दोनों भाई मिलकर कोटवा बाजार में सिलाई मशीन चलाते थे। इससे घर का खर्च चलता था।

80 की स्पीड में डिवाइडर पर चढ़ी बारातियों की बस

नालंदा। में सोमवार की सुबह बारातियों से भरी बस डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे में बस की छत पर दुल्हन के चाचा की मौके पर मौत हो गई। टक्कर लगते ही वो हवा में उछलकर 50 फीट दूर जा गिरे। 32 से ज्यादा बाराती घायल हैं। घटना दीपनगर थाना क्षेत्र के बख्तियारपुर-रजौली ठप्र-20 स्थित कंचनपुर गांव के पास की है। घायलों ने बताया, टक्कर के बाद लोग बस की खिड़की से सामान लेकर बाहर कूदे। सीटें एक दूसरे के ऊपर आ गईं। हादसे के वक्त बस की स्पीड 80 से ज्यादा थी। ड्राइवर एक हाथ से गाड़ी चला रहा था। दूसरे हाथ से मोबाइल से बात कर रहा था।मृतक की पहचान नवादा जिला के काशीचक थाना क्षेत्र के भैरो विगहा के रहने वाले सिदेश्वर प्रसाद के तौर पर हुई है। भैरो विगहा से शादी समारोह में शामिल होने के लिए बिहार शरीफ के सोहसराय आए थे। शादी के बाद वापस लौट रहे थे। ड्राइवर मोबाइल से बात कर रहा था। इसी बीच यह हादसा हुआ है।

फिलहाल मौके पर दीपनगर थानाध्यक्ष राजमणि कुमार पुलिस टीम के साथ पहुंच गए हैं। घायलों को इलाज के लिए पावापुरी मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। छानबीन की जा रही है। बस में सवार बाराती सत्येंद्र कुमार ने बताया कि 'ड्राइवर मोबाइल से बात करते हुए एक हाथ से गाड़ी चला रहा था। हम लोगों ने उसे कई बार मना भी किया था, लेकिन वो बार-बार मोबाइल पर बात करने लग जा रहा था। ड्राइवर एक हाथ से स्टेयरिंग पकड़कर गाड़ी चला रहा था।' शोभा देवी, का पैर टूट गया है। उन्होंने बताया कि, 'एकदम से तेज आवाज हुई। कुछ समझ ही नहीं रहा था क्या हुआ। सीटें एक दूसरे के ऊपर आ गईं। मेरा पैर आगे वाली सीट के नीचे दब गया। खिड़की से बाहर देखा तो हम लोग बीच सड़क पर थे। गाड़ी डिवाइडर पर थी। बस का शीशा तोड़कर किसी तरह मुझे बाहर निकाला गया।' मनीता देवी ने बताया कि, 'बस के ड्राइवर ने शादी में ही शराब पी ली थी। बस में चढ़ने से पहले उसके मुंह से बदबू आ रही थी। शुरू से ही वो बस बहुत स्पीड में चला रहा था। किसी को भी ओवरटेक कर रहा था।'

बिहार में दिखेगा तूफान दितवाह का असर, बादल छाएंगे

गोपालगंज। बेतिया समेत 7 जिलों में घना कोहरा, 24 घंटे में किशनगंज सबसे ठंडा रहा बिहार में भी तूफान दितवाह का असर देखने को मिलेगा। कई जिलों में बादल छाए रहेंगे। वहीं सोमवार सुबह गोपालगंज, बेतिया, बेगूसराय समेत 7 जिलों में घना कोहरा छाया हुआ है। सकता है। दक्षिण भारत में उठ रहे चक्रवात दितवाह फिलहाल दक्षिण भारत के तटीय इलाकों के लिए खतरा बना हुआ है, लेकिन इसके बाहरी बादल बिहार तक पहुंच रहे हैं। बीते 24 घंटे में 12.6 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ किशनगंज सबसे ठंडा जिला रहा। जबकि 3 दिन से लगातार सबसे कम तापमान वाले औरंगाबाद में रविवार को न्यूनतम तापमान 13.1 डिग्री दर्ज किया गया। तापमान सामान्य के आसपास, ठंड फिलहाल नहीं बढ़ेगी बिहार में इस समय अधिकतम तापमान सामान्य से करीब 0.9 डिग्री सेल्सियस कम रिकॉर्ड किया जा रहा है। इसके विपरीत न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक बना हुआ है। इसी कारण सुबह और रात की ठंड में तेज बढ़ोतरी फिलहाल नहीं दिख रही है। मौसम विभाग के अनुसार यही स्थिति अगले दो दिनों तक बनी रहेगी। बादल छाए रहने के बावजूद ठंड में कोई खास बढ़ोतरी नहीं होगी।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, दिसंबर के दूसरे सप्ताह में मौसम में बड़ा बदलाव आएगा। उस दौरान पछुआ हवा तेज रफ्तार से चलना शुरू करेगी, जिससे पूरे बिहार में शीतलहर जैसे हालात बनने की संभावना है। वैज्ञानिकों का कहना है कि 7 से 9 दिसंबर के बीच न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट दर्ज होगी और रात का पारा 10 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है। कई जिलों में हल्की गलन भी महसूस होगी। बिहार में फिलहाल तेज बारिश नहीं होगी मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने बताया कि चक्रवात दितवाह का असर केवल ऊपरी हवा के सिस्टम तक सीमित रहेगा। बिहार में वर्षा या तेज हवाओं का कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि अगले 48 घंटों तक बादल छाए रहने की स्थिति बनी रहेगी।राजधानी में अगले दो दिनों तक हल्के बादल बने रहेंगे। सुबह-शाम हल्की ठंड महसूस होगी जबकि दिन के समय तापमान लगभग 27-28 डिग्री के आसपास बना रहेगा। हवा में हल्की नमी रहने से रात में हल्की धुंध भी दिख सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, 5 दिसंबर के बाद पारा धीरे-धीरे नीचे आना शुरू करेगा और पटना में सर्दी का असर साफ तौर पर महसूस होने लगेगा।

यह कैसा कानून न इज्जत बची ना बेटी

सीवान में पिता की सम्राट चौधरी से गुहार; बेटी का रेप-मर्डर करने वाले को फांसी हो

सीवान। करेजा जा रहल बा लोग, यह कहकर वो मेरी दोनों पोतियों को परेशान करता था। इज्जत के चलते चुप रही, थाना नहीं गई। मुझे क्या पता था कि मेरी पोती को मार देगा। सीवान के पचरुखी थाना क्षेत्र की वृद्ध महिला इतना बोलती हैं, फिर बिलख-बिलख कर रोने लगती हैं। इसकी पोती 25 नवंबर को लापता हो गई थी। 27 को उसका शव मिला। परिजनों ने रेप के बाद हत्या के आरोप लगाए हैं। लड़की के पिता ने कहा, 'यह कैसा कानून है कि न इज्जत बची ना बेटी। गृहमंत्री सम्राट चौधरी मेरी बेटी के हत्यारों को फांसी दिलाएं। सीवान के पचरुखी थाना क्षेत्र में 27 नवंबर को अरहर के खेत में एक लड़की का अर्धनग्न हाल में शव मिला। वह 25 नवंबर से लापता थी। लड़की के पिता लुधियाना में मजदूरी करते हैं। उसकी मां भी लुधियाना गई थी। वह घर में दादी और चाची के साथ रहती थी। इंटर की परीक्षा के बाद लुधियाना जाने वाली थी। बेटी को याद कर बार-बार बेहोश हो रही मां हम मृतका के गांव पहुंचे। लोगों से बात की। सभी की जुबान पर एक ही बात थी, उस लड़की के साथ बड़ी दरिंदगी हुई। हम मृतका के घर पहुंचे तो दरवाजे पर उसकी मां मिली। रोते-रोते बार-बार बेहोश हो रही थी। बोल रही थी, मैं अपनी बेटी से बात भी नहीं कर पाई। उसे मनचले परेशान कर रहे थे। मुझे नहीं बताया। बताती तो आज ऐसी घटना नहीं होती। हमने मृतका की मां से बात की। उन्होंने कहा, शादी के 12 साल बाद बेटी पैदा हुई थी। इसके लिए बड़ी मन्नतें मांगी थी। पहले एक बेटा हुआ, लेकिन उसकी मौत हो गई थी। बेटी जो मांगती थी, उसे देती थी। पढ़ाई में काफी तेज थी। आंख का इलाज कराने पति के पास लुधियाना गई थी। यहां उसकी हत्या कर दी गई। शाम को घर से निकली, फिर नहीं लौटी पास में ही मृतक लड़की की दादी थी। दादी ने कहा, मेरी पोती राशन लेने पीडीएस डीलर के पास गई थी। शाम के करीब 4 बजे लौटी। उस समय किसी से फोन पर बात कर रही थी। खेत की ओर जाने की बात कहकर घर से निकली। अपना फोन घर पर ही छोड़ दिया था। उन्होंने कहा, काफी अंधेरा हो जाने के बाद भी वह वापस नहीं लौटी तो हमलोग खोजने लगे। घर के आसपास और खेतों में खोजा। उसे हर तरफ ढूंढा, लेकिन कुछ पता नहीं चला।दादी ने बताया, अगले दिन (26 नवंबर) सुबह से ही हमलोग उसे खोजने लगे। घर से करीब 200 मीटर दूर एक अरहर के खेत में मेरी पोती के कपड़े (सलवार, अंडर गारमेंट) और चप्पल मिले। हमलोग थाने में शिकायत करने गए तो पुलिस ने लौटा दिया। उन्होंने कहा, बाद में शिकायत दर्ज हुई। दिन में डॉग स्क्वॉड की टीम पहुंची। उन्होंने भी उसे खोजने की कोशिश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। पुलिस पोती का मोबाइल फोन ले गई। गला रेतकर मेरी पोती को मार दिया रोते हुए दादी ने कहा, 27 नवंबर की सुबह गांव के लोग खेतों की तरफ गए तो एक दूसरे अरहर के खेत में मेरी पोती की लाश देखी। जहां कपड़ा मिला था, वहां से करीब 100 मीटर पश्चिम में शव मिला। रेप के बाद उसकी हत्या हुई। उसके शरीर पर चाकू के निशान थे। गला रेत दिया गया था। गांव का लड़का पोती को करता था परेशान, इज्जत के चलते चुप रही वृद्ध महिला ने कहा, मेरी दोनों पोती पढ़ने के लिए पचरुखी जाती थी। टकला नाम का गांव का लफंगा लड़का उन्हें परेशान करता था। कहता था, करेजा जा रही है। उसने मेरे पोती का फोटो ले लिया था। मना करने पर इंटरनेट पर डालने की धमकी देता था। उन्होंने कहा, पोती ने कई बार मुझसे यह बात कही, लेकिन मैं इज्जत बचाने के चलते चुप रही। उसे इंटर की परीक्षा के बाद लुधियाना भेजने वाली थी।मृतक की बहन बोली-इंटरनेट पर फोटो डालने की धमकी देता था टकला मृतक लड़की के साथ पढ़ने जाने वाली उसके चाचा की बेटी से हमने बात की। उसने कहा, ह्यहम दोनों हमेशा साथ पढ़ने जाती थी। रास्ते में एक सुनसान जगह है। यहां एक दिन टकला ने उसे पकड़ लिया और जबरदस्ती बैग छिन लिया। कुछ लोगों ने डांटा तो वह भागा।उसने कहा, पता नहीं कहां से टकला के फोन में मेरी बहन का फोटो आ गया था। उसे इंटरनेट पर डालने की धमकी देता था। हम दोनों ने यह बात घर में बताई थी। घर के लोग बोले कि 1-2 महीने की बात है। परीक्षा खत्म होने के बाद वह पापा के पास चली जाएगी।हम दोनों साथ राशन लेकर आए, इसके बाद वह खेत की ओर गई मृतक लड़की की बहन ने कहा, ह्यहम दोनों राशन लेकर लौटे थे। मैं अपने कमरे में चली गई। वह खेत की ओर गई थी। रात तक नहीं लौटी तो हमलोग खोजने लगे। हमलोग पुलिस के पास जा रहे थे, लेकिन गांव वालों ने कहा कि शिकायत करने पर फंस सकते हैं।

संक्षिप्त डायरी

पचपकरी में नशे के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

मोतिहारी। जिले के पचपकरी में पुलिस ने शराब निषेध अभियान के तहत रविवार रात बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने लगभग 12 लीटर नेपाली देसी शराब भी जब्त की। गिरफ्तार किए गए पांच लोगों में से चार व्यक्ति शराब का सेवन करते हुए पकड़े गए। वहीं, एक अन्य व्यक्ति को अपनी कमर में पांच बोतल नेपाली देसी शराब छिपाकर ले जाते हुए गिरफ्तार किया गया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान कुल 40 बोतल नेपाली देसी शराब बरामद की गई। हालांकि, एक अन्य अभियुक्त शराब से भरा बोरा छोड़कर मौके से फरार होने में सफल रहा। पुलिस ने सभी गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पचपकड़ी थाना प्रभारी पूजा कुमारी ने बताया कि इलाके में शराब तस्करों और शराबियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बहू की हत्या,चादर में मिटटी भरकर गंगा में फेंकी बॉडी

निशा कुमारी
मृतका

बेगूसराय। में ससुराल वालों ने दहेज के लिए बहू की हत्या कर लाश गंगा में फेंक दी। 19 दिन बाद महिला का शव मिला है। मृतका की पहचान रचियाही निवासी रोहित कुमार की पत्नी निशा कुमारी (22) के तौर पर हुई है। परिवार का आरोप है कि दहेज के लिए हत्या कर दी गई। वो बाइक की डिमांड कर रहे थे। जांच के दौरान पुलिस ने महिला के चचेरे ससुर रणधीर से कड़ाई से पूछताछ की। उसने बताया कि, हमने घर में उसकी हत्या की। लाश को चादर पर रखा। ऊपर से मिट्टी डाली। चादर को बांधा और गंगा नदी में फेंक दिया। इसके बाद पुलिस रणधीर को लेकर सिमरिया गंगा घाट से करीब 3 किलोमीटर दूर कसहा गांव के पास पहुंची। रणधीर ने पुलिस को वो जगह बताई जहां लाश को फेंका गया था। इसके बाद गोताखोरों की मदद से पुलिस ने कमर भर पानी से चादर में लिपटे लाश को निकाला। मृतका के पिता को सूचना दी गई। रात में परिवार के सदस्यों के साथ मां-पिता अस्पताल पहुंचे और उसकी पहचान की। पटना के डहमा गांव के रहने वाले मुखराम चौहान ने जून 2023 में अपने बेटी निशा की शादी सिंघौल के रोहित कुमार के साथ की थी। रोहित खेती करता था। दोनों का डेढ़ साल का एक बेटा भी है।मृतका के पिता मुखराम चौहान ने बताया कि, मेरी बेटी को दामाद और उसके घरवालों ने मार डाला। शादी में हमने औकात से ज्यादा दहेज दिया था। कुछ दिन सब ठीक-ठाक चला। उसके बाद पति सहित ससुराल वाले निशा से दहेज में बाइक मांगने लगे। कहते थे अपने पिता से मांगों। उसे प्रताड़ित करने लगे। मारपीट की जाती थी। बीच में परेशान होकर कई बार बेटी अपने मायके भी चली आती थी। पिता ने आगे बताया, 2024 में लड़का होने के बाद भी ससुराल वालों की प्रताड़ना नहीं रुकी। 3 महीने पहले निशा फिर से अपने मायके चली आई थी। छठ से 2 दिन पहले देवर लेने पहुंचा। ठीक से रखने की बात कही। ससुराल जाने के बाद बेटी से रोज बात होती थी। 10 नवंबर की शाम में भी बात हुई थी। सब ठीक था। उसके बाद 11 नवंबर को बात नहीं हो सकी। उसी दिन दामाद रोहित ने कहा कि आपकी बेटी किसी के साथ भाग गई है। पिता मुखराम चौहान ने आगे कहा कि, मेरा डेढ़ साल का नाती भी गायब है। हो सकता है कि उसे भी मार दिया हो। कुछ दिन पहले पता चला था कि मेरी बेटी के ससुर रामनाथ महतो ने जमीन और संपत्ति के लिए पहले अपने भाई की भी हत्या करके लाश गायब कर दिया था। अब मेरी बेटी को मार दिया है, वह लोग हत्यारा है। पता नहीं कैसे मेरी बेटी को मारा है, भगवान इंसाफ करेंगे। दामाद का रिश्तेदार सिमरिया में रहता है, लाश को फेंकने में जरूर उन लोगों ने भी मदद की होगी। मां फुलवा देवी ने बताया कि दामाद ने 11 नवंबर को कहा कि आपकी बेटी खाना नहीं बना रही थी, तो हमने मारा और बच्चे को छीन लिया, आपकी बेटी भाग गई है। 10 तारीख को बेटी से आखिरी बार बात हुई थी, हाल-चाल पूछे थे। मृतका की मां फुलवा देवी ने 18 नवंबर को सिंघौल थाने में FIR दर्ज कराई। दामाद, समधी, समधन, चचेरे ससुर सहित अन्य लोगों को नामजद किया गया। पुलिस उसी दिन से लगातार अनुसंधान और छापेमारी में जुटी हुई थी। कोई ट्रेस नहीं मिल रहा था, सभी फरार थे। रविवार को निशा के चचेरे ससुर रणधीर महतो को पकड़ा तो लाश मिल गई और हत्याकांड में शामिल अन्य लोगों का भी पता चल गया है। जिसकी तलाश में पुलिस तेजी से छापेमारी में जुटी हुई है।

बेटा-बेटी के मुंडन के तीसरे दिन पिता की मौत

बेगूसराय। में बेटा-बेटी के मुंडन में आए रिश्तेदारों के लिए कपड़ा खरीदने जा रहे एक युवक की आज सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना नावकोठी थाना क्षेत्र के रमौली के पास की है। मृतक की पहचान पहसारा पश्चिम पंचायत के वार्ड नंबर-1 के रहने वाले योगेन्द्र यादव के बेटे मुकेश कुमार (35) के रूप में किया गया है। घटना के संबंध है बताया जा रहा है कि मुकेश को दो बेटी और एक बेटा है। तीनों बच्चों का मुंडन 27 नवंबर को हुआ था। जिसमें सभी रिश्तेदार आए हुए थे। 28 नवंबर को घर में पूजा थी और आज से रिश्तेदारों का जाना शुरू हो गया था। कुछ रिश्तेदार सोमवार को वापस लौटने वाले थे। उनके लिए कपड़ा खरीदने मुकेश आज मंझौल बाजार जा रहा था। गांव के समीप से गाड़ी नहीं मिलने के कारण वह पैदल नहीं आगे बढ़ रहा था। इसी दौरान घर से करीब आधा किलोमीटर की दूरी पर पीछे से बखरी की ओर से आ रहे पिकअप वाहन ने टक्कर मार दिया। टक्कर लगने के बाद आसपास के लोग दौड़े, लेकिन ड्राइवर गाड़ी लेकर भाग निकला। स्थानीय लोगों के सहयोग से मुकेश को इलाज के लिए मंझौल भेज कर परिजनों को सूचना दी गई। परिजन अस्पताल पहुंचे तो उसकी मौत हो चुकी थी। अस्पताल में मौत के बाद परिजन लाश लेकर घर चले गए। इसी दौरान सूचना मिलने पर नावकोठी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और कागजी प्रक्रिया के बाद देर शाम लाश को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। अब सुबह में पोस्टमार्टम के बाद परिजन इधर से ही लाश को लेकर अंतिम संस्कार के लिए सिमरिया चले जाएंगे। घर में हुई मुंडन की खुशी मातम में बदल गई है। पत्नी नूतन देवी रह-रह कर बेहोश हो रही है। घटना की सूचना मिलते पहुंचे मुखिया और सरपंच सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों ने परिजनों को सांत्वना दिया है और प्रशासन से मृतक के आश्रित को मुआवजा देने की मांग की है।

जीवन के हर मोड़ पर साथ निभाता है प्यार

प्यार! एक छोटा-सा शब्द, पर अपने आपमें अनूठा और अनुपम है। गन्ने की मिठास, सागर की गहराई, चंद्रमा की शीतलता, सूर्य की तपन, आकाश की पवित्रता, धरा का धैर्य, नदी की चंचलता मानो सभी इस नन्हे से शब्द प्यार में सिमट गए हों। यह जिंदगी को काव्यात्मक रूप दे देता है, कठोरता को कोमलता में बदल देता है यह मानवीय भावनाओं को निकृष्ट से उत्कृष्ट बना देता है।

प्रेम न बाड़ी उपजै, प्रेम न हाट बिकाय।
राजा-प्रजा जेहि रुचे, सीस देई से जाए।'

प्यार! एक छोटा-सा शब्द, पर अपने आपमें अनूठा और अनुपम है। गन्ने की मिठास, सागर की गहराई, चंद्रमा की शीतलता, सूर्य की तपन, आकाश की पवित्रता, धरा का धैर्य, नदी की चंचलता मानो सभी इस नन्हे से शब्द प्यार में सिमट गए हों। यह जिंदगी को काव्यात्मक रूप दे देता है, कठोरता को कोमलता में बदल देता है यह मानवीय भावनाओं को निकृष्ट से उत्कृष्ट बना देता है।

प्यार को हम एक ही दृष्टि से न देखें तो हमें इसके ढेर सारे रूप देखने को मिलते है। सबसे पहला और अद्भुत प्यार 'वात्सल्य' होता है। यह प्यार हमें माता-पिता से ही मिल पाता है। यह निःस्वार्थ, निष्कपट, निष्पक्ष और मासूम प्यार होता है। बच्चा जब गर्भ में रहता है तो सबसे पहले उसे माँ का ही प्यार मिलता है। माँ की उँगलियों के स्पर्श से उसे अहसास होता है कि वह इस दुनिया में पहला कदम रख रहा है, वह डरा-सहमा सा रहता है, शायद इसलिए ही रोता है पर जब वह अपनी माँ के आँचल में आता है तब मां के शरीर की गंध को,उसकी उँगलियों के स्नेह स्पर्श को पहचानकर अपने आपको सुरक्षित समझ चुपचाप सो जाता है।

इस समय न उसे धन-यश की चाह होती है न ही किसी अप्सरा की, चाह होती है तो केवल अपने माता-पिता के सामीप्य की। बचपन में मिला यह प्यार उसे अंत तक सहारा देता है। इसलिए कहा जाता है कि शैशव अवस्था में बच्चों को भरपूर प्यार देना चाहिए, यह उनके व्यक्तित्व के विकास में उचित पोषण देता है। जिस तरह एक पौधे को बढ़ने के लिए उचित वातावरण, खाद, पानी और रोशनी की जरूरत होती है, उसी तरह बच्चों के समुचित विकास के लिए अच्छे वातावरण, पौष्टिक भोजन के साथ 'उचित' प्यार की भी जरूरत होती है।

प्यार का एक दूसरा रूप है 'स्नेह'। 'स्नेह' जो हमें अपने से बड़ों, पड़ोसियों और गुरुजनों से मिलता है। स्नेह ऐसा प्यार है जो हमें हमारे सद्गुणों के कारण मिलता है। यह एक तरह का प्रतिदान होता है अर्थात बदले में मिला प्यार। हम बड़ों का सम्मान करेंगे तो हमें उनसे प्यार मिलेगा, गुरुजनों के प्रति श्रद्धा रखेंगे तो उनसे हमें स्नेह के साथ ज्ञान भी मिलेगा। 'स्नेह' के लिए किसी से जिद्द नहीं की जा सकती, उसके लिए स्वयं को तराशना और उस योग्य बनना होता है।

प्यार का एक और रूप जो अजीब है अनबूझ पहेली की तरह है। इसे आज तक कोई समझ नहीं पाया है। यह पता नहीं किस तरह दो अजनबी को बहुत करीब ला देता है। लगता है मानो यह नियति के रूप में आता है और जीवन को काव्यात्मक आलोक दे जाता है। यह वह रूप है जो भावशून्य व्यक्ति में भी भावना की हिलोरें उत्पन्न कर देता है, मन को उद्विग्न कर देता है। आदर्शों में जीने वाला कठोर हृदय व्यक्ति भी समझ नहीं पाता कि कब, क्यों और कैसे उसके हृदय की कठोर बंजर भूमि पर प्यार का अंकुरण हो गया। उसकी आकांक्षाएं, उसके सारे ऊंचे आदर्श धरे रह जाते हैं। हर किसी के बस की बात नहीं है उस महान प्यार को पाना और देना। यह प्यार दो आत्माओं का प्यार है, दैहिकता से उठकर अलौकिक प्यार है। इस प्यार में हमें प्रतिदान की आवश्यकता नहीं रहती, यह हमें समर्पण करना सिखाता है, त्याग करना सिखाता है। हमें व्यभिचार से दूरकर संपूर्ण पवित्रता की ओर ले जाता है। यह हममें नैतिक साहस लाता है। यह वह प्यार है जो राधा और मीरा ने कृष्ण से किया था। राधा जिसने शरीर, आयु के बंधन से मुक्त होकर कृष्ण को चाहा था।

उन्होंने अपने दाम्पत्य जीवन को निभाते हुए कृष्ण को अपने दिल में जगह दी थी। उनकी आत्मा ने कृष्ण की आत्मा को चाहा था। उनका प्यार कृष्ण के कर्तव्य-पथ पर बाधक नहीं बना। राधा के प्यार में अहंकार की झलक नहीं, स्वाभिमान की खुशबू मिलती है। उन्होंने अपने प्यार में दीनता नहीं आने दी। कृष्ण के गृहस्थ-जीवन में अपना अधिकार माँगने नहीं गईं पर कृष्ण के चरण उनके हृदय में अंत तक अंकित रहे। कृष्ण का थोड़ा-सा प्यार पाकर वे तो चिर-विरहणी बन गईं। महान रूसी उपन्यासकार 'तुर्गनेव' ने भी अपने से उम्र में काफी बड़ी शादीशुदा महिला को चाहा। वह महिला अपने पति को तलाक देने को तैयार नहीं हुई तो उन्होंने आजीवन अविवाहित रहने का निश्चय किया पर उस महिला को कभी दिल से न निकाल सके। प्यार अपने साथी को कभी भी तकलीफ नहीं पहुँचाता है। सच्चा प्यार करने वाला अपने साथी के दुःख को अपनाकर उसे सुख ही सुख देना चाहता है। कड़ी धूप में छतरी बन उसे छाया देना चाहता है। उसकी गलतियों को अपने सिर लेकर उसे अपमानित होने से बचाता है। अपने दोस्तों के बीच उसे वार्तालाप में नहीं लाता है, वह तो उसे सबसे छुपाकर अपने हृदय के मखमली डिबिया में संजोकर रखता है। वह अपने साथी की 'गरिमा' और 'प्रतिष्ठा' को बनाए रखता है। प्यार तो दिव्य है, यह कभी भी गलत नहीं होता है।

हां! प्यार करने वाले गलत हो सकते हैं। यह तो हम पर निर्भर है कि हमने प्यार को किस स्तर पर ले लिया है। हमारा प्यार सच्चा है तो हमें अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए कि सामने वाला भी ठीक हमारे जैसा हो। कभी-कभी प्यार हमें स्वार्थी बना देता है, हम अपने साथी से उतना जुड़ जाते हैं कि किसी का भी उनके करीब आना हम सह नहीं पाते। हम हर समय बस उसे अपने ही साथ चाहते हैं।

अपने प्यार को संजीवनी की तरह बनाएं जो जिंदगी को नई ऊर्जा दे सके, जीवन की खुशी की सांस ले सके। प्राप्त प्यार सच्चा है या झूठा, यह सोचकर अपने जीवन के अनमोल पल को व्यर्थ न जाने दें। हो सकता है आपके साथी की प्यार की गागर 'आधी ही भरी' हो, पर आपको उदारता से अपने प्यार को उसके गागर में छलकाते चले जाना है। एक दिन उनकी गागर छलकने लगेगी और आप उस प्यार के रस से सराबोर हो उठेंगे। प्यार पाना है हमें तो प्यार करना सीखना होगा। अपने अहं, स्वार्थ का त्याग करना होगा हम तभी हम अपने प्यार को वह दिव्य रूप दे सकेंगे। वर्ना तो-

'वो एक लफ्ज की खुशबू न रख सका महफूज
मैं उसके हाथ में सारी प्यार की किताब क्या देता?'

बदल रही है सास बहू की छवि

रिश्तों से परिचित कराती हैं सास

ससुराल में सास एक ऐसी सदस्य होती है जो परिवार के प्रत्येक सदस्य के व्यवहार और आदतों से परिचित होती है। वह अपनी बहू को उन सबसे परिचित करवा कर उनके दिलों को जीतने की कला भी बताती हैं। सास द्वारा मिली जानकारी से आप सब की अच्छी तरह देखभाल कर सकती हैं और उन्हें प्रेम व सम्मान देकर उनकी प्रिय बन सकती हैं। इससे आपके व उनके रिश्तों में मजबूती आएगी।

जब भी किसी लड़की की शादी होने वाली होती है तो सब से बड़ा डर उसके मन में सास की छवि को लेकर होता है। आमतौर पर सास के नाम के साथ यह धारणा जुड़ी होती है कि सास कभी मां की जगह नहीं ले सकती परन्तु आज के समय में यह भ्रम टूटता हुआ सा लगता है क्योंकि अब सास का स्वरूप बदलने लगा है। सच तो यह है कि ससुराल में पति के बाद आपकी सास ही वह सदस्य होती है जिससे आप बेहिचक अपने दिल की बातें कह सकती हैं। सास कैसी भी हो लेकिन आप अपने अच्छे व्यवहार से उन्हें अपना बना सकती हैं। आखिर उनमें भी एक मां का दिल धड़कता है। बस जरूरत है एक-दूसरे को समझने की।

सोच में आया है परिवर्तन

आज सास न तो बहू को खरी-खोटी सुनाने में विश्वास रखती हैं और न ही बहू-बेटे के बीच दूरियां बनाने का प्रयत्न करती हैं। वे बदल गई हैं और यही चाहती हैं कि जिस प्रकार वे किसी की बेटी से किसी की बहू बन कर गृहस्थी की सभी जिम्मेदारियों को निभाती आई हैं, ठीक उसी का अनुसरण उनकी बहू भी करे। कुल मिला कर वे अपनी बहू की रोल मॉडल बनना चाहती हैं।

सास होती है बेहतर काऊंसलर

सास एक मां होती है इसलिए उसे अपनी बहू अपने बच्चों की तरह ही लगती है। अगर बहू-बेटे में किसी बात को लेकर तनाव की स्थिति पैदा होती है तब सास ही दोनों में सुलह करवाने का सेतु बनती है। सास और बहू में इतना खुलापन अवश्य होना चाहिए कि बहू अपने पति या परिवार से संबंधित कोई भी परेशानी उनसे बांट सके। इससे संबंधों में निकटता बनी रहेगी। कई बार कम अनुभव के कारण बहू जिम्मेदारियां पूरी तरह नहीं निभा पाती, तब सास ही सब मैनेज करने के गुर बताती है। जब सास अपने बहू-बेटे को खुश देखती है तो वह संतुष्ट होती है क्योंकि वह आज की आधुनिक सास है।

देती हैं इमोशनल सपोर्ट

अगर आप शादी के बाद नौकरी करती हैं या घर संभालती हैं तब सास के अनुभवों से आपको बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है क्योंकि उन्होंने आपसे अधिक दुनिया देखी है। दुख और तकलीफ के क्षणों में वह इमोशनली सपोर्ट का काम करती हैं व आपकी समस्या का समाधान बड़ी समझ और धैर्य से ढूंढती हैं। इन सबके बीच वह जाने कब आपकी सुख-दुख की सच्ची सहेली बन जाती हैं और आप उनके साथ घूमने, मूवी देखने या शापिंग पर भी जा सकती हैं।

रीति-रिवाज और संस्कार सिखाती

शादी होते ही लड़की को ससुराल के रीति-रिवाजों की ही पालना करनी पड़ती है। आपकी सास उन सबसे आपको अवगत कराती है। आप खुशनसीब हैं क्योंकि सास के रहते आप की जिम्मेदारियां कुछ कम हो जाती हैं। आप बेफिक्र होकर कहीं भी घूमने जा सकती हैं। नौकरी करती हैं तो बच्चों को निशचिंत होकर उनके पास छोड़ सकती हैं। बच्चों को अकेलापन नहीं झेलना पड़ता और सबसे बड़ी बात अपनी दादी मां की स्नेह भरी छत्रछाया में वह स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। उनमें मिल-बांट कर खाने-पीने और साथ रहने की भावना पनपती है।

सास-बहू में तालमेल है जरूरी

पति के परिवार और परम्पराओं को समझने व उनसे जुडने का सास से बेहतर कोई साधन नहीं हो सकता लेकिन आपको भी अपनी सासू मां को अपनी मां जैसा मान-सम्मान देना होगा। दोनों में किसी भी बात को लेकर छुपाव नही होना चाहिए बल्कि एक-दूसरे के प्रति ऐसी स्वच्छ भावनाएं छिपी हों कि बिना कहे ही वे एक-दूजे के मन की बात को भली-भांति समझ लें। जिस प्रकार आपको अपनी सास से उम्मीदें होती हैं ठीक उसी तरह उन्हें भी आप से उम्मीदें होती हैं। आज के समय में यह सच है कि जहां सास अपनी बहू के प्रति उदार हुई हैं, वहीं बहू के मन में भी सास के प्रति सम्मान की भावना बढ़ी है।

समय के साथ-साथ हो रहा है
सोच में बदलाव

महिलाएं बड़ी कुशलता से घर व दफ्तर की जिम्मेदारियों को निभा रही हैं। बदलती जीवन शैली ने महिलाओं की सोच को तो बदल दिया है पर घर व दफ्तर की जिम्मेदारियां निभाते-निभाते वे कई बार संवेग में आकर कई गलत फैसले ले लेती हैं।

समय के साथ-साथ महिलाओं की सोच में काफी बदलाव आया है। अब वे बड़ी कुशलता से घर व दफ्तर की जिम्मेदारियों को निभा रही हैं। बदलती जीवन शैली ने महिलाओं की सोच को तो बदल दिया है पर घर व दफ्तर की जिम्मेदारियां निभाते-निभाते वे कई बार संवेग में आकर कई गलत फैसले ले लेती हैं। उनके मुंह से निकले अपशब्द और किया गया व्यवहार उनको दूसरों से अलग कर देता है और वह खुद ही धीरे-धीरे अकेलेपन का शिकार होकर मानसिक पीड़ा से गुजरने लगती हैं। एक ऐसी ही स्थिति उत्पन्न होती है जब किसी महिला की कोई वस्तु गुम हो जाए। अगर गुमशुदगी बड़ी हो तो पुलिस में रिपोर्ट लिखवाएं, अन्यथा खुद ही तफ्तीश शुरू कर देती हैं। अक्सर देखा गया है कि गुम हुई वस्तु को हर जगह ढूंढने के पश्चात विफल रहने पर वह किसी न किसी पर शक की सूई घुमा लेती है। यह सूई उसकी काम वाली बाई, उसी समय मिलने आए दोस्त या रिश्तेदार पर चली जाती है।

वह बहुत जल्द तलाशी लेने लगती है और बिना सोचे-समझे आवेश में आकर किसी एक पर इल्जाम लगा कर बदनामी मोल ले लेती है। कई बार हम कोई वस्तु कहीं रख कर ऐसे भूल जाते हैं मानो हमने रखी ही न हो। फिर वह कई दिनों, यहां तक कि कई महीनों या सालों के पश्चात अचानक घर से ही मिल जाती है। तब हमें अपनी गलती का एहसास होता है परन्तु कई बार वस्तु सचमुच चुरा ली गई हो और वह महिला सही अनुमान भी लगा रही हो फिर भी बिना सबूत के उस पर कौन विश्वास करेगा। उल्टा सब लोग उस स्त्री से पीछे हट जाएंगे। हर कोई उसके इल्जाम लगाने की प्रवृत्ति की वजह से उससे कतराने लगेगा। इसी कारण महिलाएं काफी समय अपनी ही कही बातों के जंजाल में फंस कर दोहरे मानसिक दबाव में धंस जाती हैं। एक तो उसकी वस्तु गुम हुई दूसरा वह तलाशी लेकर या इल्जाम लगा कर दूसरों में बदनाम हो जाती है। इतना ही नहीं कोई भी काम वाली बाई उसके घर काम करना पसंद नहीं करती चाहे वह महिला व्यवहार में कितनी भी अच्छी और दयालु क्यों न हो। ऐसे में कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी है -

- सबसे पहले हमें हमेशा यह याद रखना चाहिए कि अगर हम एक उंगली किसी एक की ओर उठाएंगे तो तीन उंगलियां हमारी तरफ भी उठेंगी। इसलिए संयम रखें, धैर्य से व्यवहार करें। किसी पर इल्जाम न लगाएं। दूसरों से वस्तु ढूंढने में सहायता मांगें।
- याद रखें जिसने आपकी चोरी की है वह आपको वस्तु कभी नहीं लौटाएगा और न ही उस वस्तु को अपने पास रखेगा। इसलिए तलाशी लेना ज्यादातर फिजूल ही होता है और बद्दुआएं देने से आपकी अपनी जुबान खराब होगी।
- अगर आपको किसी से अपना शक सांझा करना हो तो आप पति, बेटा, बेटी या मां-बाप आदि से बात करें और उनसे बात को गुप्त रखने का वायदा लें।
- हर कीमती या प्रिय वस्तु को अलमारी में रख कर ताला लगाएं और चाबी अपने पास रखें। पहले अपनी वस्तु को अच्छे से ढूंढें फिर चोरी के बारे

म`

बताएं।
- हमेशा अपनी कीमती चीज संभाल कर रखनी चाहिए या फिर उसकी जिम्मेदारी किसी को देकर जाएं।
- याद रखें इस जीवनकाल का काफी समय आप बिता चुकी हैं और कुछ ही समय बचा है। वस्तु मिले या न मिले, वस्तु साथ नहीं जाएगी, लेकिन आपका व्यवहार लोग आपके बाद भी याद रखेंगे। आप इस मानसिक स्थिति से बाहर निकलने की कोशिश करें। अब आप महसूस करेंगी कि आपने वस्तु तो गंवाई परन्तु संतुलन बना कर कई रिश्तों को गंवाने से बचा लिया। यह सोचते ही आपका मन हर्षोल्लास से भर जाएगा और आप गुम हुई वस्तु को भूलने लगेंगी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के बाद केएल राहुल ने 'रो-को' की जोड़ी को सराहा, हर्षित राणा पर जताया भरोसा

रांची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका पर अपनी टीम की कड़ी जीत के बाद, भारतीय कप्तान केएल राहुल ने स्वीकार किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को इतनी स्वतंत्रता के साथ क्रिकेट खेलते देखना मजेदार था और उन्होंने नई गेंद से तेज गेंदबाज हर्षित राणा के प्रदर्शन की भी सराहना की और उन्हें विशेष और संभावनाओं से भरपूर कहा। 'रो-को' का जश्न सिडनी में जहां से रुका था, वहीं से जारी रहा और रांची के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें विराट ने अपना 52वां वनडे शतक बनाया और रोहित ने सर्वाधिक वनडे छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा।

हर्षित राणा के नई गेंद के तेज स्पैल के बावजूद, प्रोटियाज टीम मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मार्को जेनसन और कॉर्बिन बॉश के अर्धशतकों की बदौलत 11/3 के खराब स्कोर से खेल में वापसी करने में सफल रही, लेकिन कुलदीप यादव के चौके की बदौलत वे जीत से 17 रन दूर रह गए। मैच के बाद बोलते हुए, केएल ने स्वीकार किया कि 350 रनों के इतने तनावपूर्ण बचाव के दौरान उनके पेट में कुछ घबराहट हो रही थी। उन्होंने कहा कि अगर मैं कहूँ कि बिल्कुल भी घबराहट नहीं हुई (दक्षिण अफ्रीका द्वारा पीछा किए जाने के दौरान कोई घबराहट?) तो मैं झूठ बोलूँगा। कुछ समय बाद एकदिवसीय क्रिकेट खेलना और फिर से देश की कप्तानी करना - खुद से एक उम्मीद है। पूरे समय शांति का माहौल था, लेकिन उन्होंने हमें दबाव में रखा और लगातार कड़ी मेहनत करते रहे - यह रोमांचक था।

रोहित और विराट के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा, ÷उन्हें (कोहली और रोहित) इस तरह खेलते हुए, उस आज़ादी के साथ खेलते हुए देखना हमेशा मज़ेदार होता है, उन्होंने अपने पूरे करियर में यही किया है। मैं यह लंबे समय से देख रहा हूँ। मेरे लिए, ड्रेसिंग रूम में उनका साथ बहुत मज़ेदार है।÷ हर्षित के बारे में, राहुल ने कहा कि उनकी लंबाई और रन बनाने की क्षमता के कारण टीम उन्हें ढूंढ रही थी, और वह अभी भी विकास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हर्षित ने वाकई बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। ड्रेसिंग रूम में आते ही मुझे पता चल गया था कि वह खास है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसकी टीम को तलाश थी। वह अभी भी विकास कर रहा है, लेकिन उसमें काफ़ी क्षमता है। केएल ने छठे नंबर पर बल्लेबाज़ के रूप में अपनी नई भूमिका को अपने 'व्यक्तिगत विकास' के लिए अच्छा बताया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि खेल के बारे में सोचते रहो और बेहतर होने की कोशिश करते रहो।

इस मैच में, दक्षिण अफ्रीका ने भारत को पहले बल्लेबाज़ी के लिए आमंत्रित किया।

यशस्वी जायसवाल 16 गेंदों में 18 रन बनाकर शानदार शुरुआत के बाद आउट हो गए, जबकि रोहित (51 गेंदों में 57 रन, पाँच चौकों और तीन छक्कों की मदद से) और विराट ने दूसरे विकेट के लिए 136 रनों की साझेदारी करके रांची के दर्शकों का मन मोह लिया। मध्यक्रम में भारत की लय बिगड़ गई, रोहित, रुतुराज गायकवाड़ (8) और वाशिंगटन सुंदर (13) जल्दी-जल्दी आउट हो गए और भारत का स्कोर 200/4 हो गया।

रोहित की शाहिद अफरीदी से तुलना नहीं की जा सकती : अतुल वासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर अतुल वासन ने कहा है कि रोहित शर्मा और शाहिद अफारीदी की तुलना नहीं की जा सकती है। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में तीन छक्के लगाते ही अफरीदी के सबसे अधिक छक्कों का रिकार्ड तोड़ दिया था। रोहित ने इस मैच में 51 गेंदों पर 5 चौकों के साथ ही 3 छक्के लगाकर 57 रन बनाये थे। वहीं रोहित के छक्कों के इस रिकॉर्ड की तुलना अफरीदी से किये जाने पर इस पूर्व किकेटर ने कहा कि यह तो सेब की तुलना संतरे से करने जैसा है। रोहित 352 छक्के 269 पारियों में लगाये जबकि शाहिद अफरीदी ने 351 छक्के 369 पारियों में लगाये थे। ये रोहित की तुलना में 100 पारियां ज्यादा है।

वासन ने कहा कि रोहित के रिकॉर्ड की तुलना अफरीदी से करना सही नहीं है, क्योंकि रोहित ने इसे सलामी बल्लेबाज के तौर पर 100 पारियां कम खेलकर हासिल कर लिया। इससे उनका प्रभाव पता चलता है। वहीं अफरीदी की भूमिका बाद में आकर फिनिश करना और स्लॉग करना था। लेकिन एक ओपनर के तौर पर, 100 कम पारियों को खेलकर इतना बड़ा रिकॉर्ड बनाना, यह दिखाता है कि उन्होंने भारतीय टीम के लिए कितना प्रभाव किया बताया है।

रोहित की बड़े शॉट मारने और एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर मजबूत स्ट्राइक रेट बनाए रखने की क्षमता उनकी सफलता और भारत की जीत पर उनके सकारात्मक प्रभाव को दिखाती है। वासन ने कहा की रोहित ने पारी की तेजी से शुरुआत करते हुए भारतीय टीम की जीत के लिए आधार बनाया है।

बीसीसीआई के बाद विराट ने भी संन्यास से वापसी की अटकलों को खारिज किया

–एक ही प्रारुप खेलूंगा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि वह अब केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलेंगे और टेस्ट में वापसी करने का उनका कोई इरादा नहीं है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी विराट के एक फिर टेस्ट खेलने की संभावनाओं को गलत बताया था। भारतीय टीम की दक्षिणअफ्रीका से के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से करारी हार को देखते हए ये अटकलें लगायी जा रही थीं कि विराट संन्यास से वापसी कर सकते हैं। ये भी कहा जा रहा था कि बीसीसीआई कोहली से उनके टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के फैसले को बदलने के लिए भी बात करने की योजना बना रहा था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, विराट के संन्यास से वापसी की बातें केवल एक अफवाह है। इस बारे में कोहली से कोई बातचीत नहीं हुई है। आधारहीन बातों को न फैलाएं ऐसा कुछ नहीं हुआ है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में शानदार शतक लगाया इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया। वहीं तक विराट से जब पूछा गया कि वह आगे भी क्या सिर्फ एक ही प्रारुप में खेलते नजर आएंगे? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'हां, हमेशा ऐसा ही होगा। मैं तो बस एकदिवसीय ही खेलूंगा।'

ऐस में देखना होगा कि टीम प्रबंधन एकदिवसीय विश्वकप 2027 को लेकर क्या योजना बनाता है। अब तक के अनुममानों से दिख रहा है कि प्रबंधन रोहित और विराट को अगले विश्व कप के लिए टीम का हिस्सा नहीं मानता है। कोहली और ने इस साल इंग्लैंड दौरे से पहले ही टेस्ट से संन्यास ले लिया था।

गावस्कर ने विराट को एकदिवसीय का महानतम बल्लेबाज बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें अब तक का सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर करार दिया है। उन्होंने कहा कि विराट के 52 शतक बताते है कि वह एकदिवसीय प्रारुप में कितने बेहतरीन खिलाड़ी हैं। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 135 रनों की पारी खेलने के साथ ही इस प्रारुप में सबसे अधिक शतक का रिकार्ड भी अपने नाम किया है।

गावस्कर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई संदेह नहीं है। मेरा मतलब है कि यह केवल मैं नहीं सोचता हूं। मुझे लगता है कि जो लोग विराट के साथ और उनके खिलाफ खेले हैं वे सभी इस बात को जानते हैं कि वह एकदिवीय प्रारूप का सबसे महान खिलाड़ी है।' उन्होंने कहा, विराट ने 52 शतक बनाए हैं। ये आंकड़ा उसे बहुत

ऊपर ले जाता है।' यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग भी कोहली की क्षमताओं का लोहा मानते हैं।

गावस्कर ने कहा, 'पोंटिंग ने कहा हैं उन्होंने जिन बल्लेबाजों को देखा है उनमें कोहली एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ हैं। मेरा मतलब है कि जब कोई ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कहता है कि कोहली सबसे अच्छे हैं तो मुझे नहीं लगता कि तब इसमें किसी को कोई संदेह होना चाहिये। हर कोई इस बात से सहमत होगा कि किसी ऑस्ट्रेलियाई से तारीफ काफी कम मिलती है।' गावस्कर ने कहा कि सचिन तेंदुलकर के 51 एकदिवसीय शतक के रिकॉर्ड को पार कर विराट ने अपने को साबित कर दिया है। उन्होंने कहा, 'आप अब तक सचिन 51 शतक के साथ शीर्ष पर थे पर जब आप महान सचिन जैसे महान खिलाड़ी को पीछे छोड़ देते हैं तो आपको पता चलता है कि आप कहां खड़े हैं।'

गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के कोच शुक्री कॉनराड की भारतीय टीम को घुटने पर लाने वाली टिप्पणी की आलोचना की है। उन्होंने कहा, 'यह एक गलत सलाह वाली टिप्पणी हो सकती है।गलत समय, गलत जगह। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मीडिया से बात करते हुए वह ध्यान रखेंगे हालांकि मुझे नहीं लगता कि उन्हें माफी मांगने की जरूरत है। मैं निजी तौर पर माफी में विश्वास नहीं रखता।' गावस्कर ने कहा, 'पर अपनी गलती को स्वीकार करना चाहिये। ऐसी चीजें होती ही रहती हैं। जोश में आकर आप कभी-कभी कुछ ऐसा कह देते हैं।'

उनादकट मुश्ताक अली टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने

अहमदाबाद । सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने दिल्ली के खिलाफ हुए सैयद मुश्ताक अली क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। उनादकट इस मैच में दिल्ली के कप्तान नितीश राणा का विकेट लेते ही मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बन गये। उनादकट के नाम अब 121 विकेट हो गये हैं और उन्होंने पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज़ सिद्धार्थ कौल 120 विकेट को पीछे छोड़ दिया है। सिद्धार्थ ने 12 साल में 87 मैच खेलकर 120 विकेट लिए थे। वहीं, उनादकट ने अपने 83वें मैच में ही ये रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब उनके नाम 121 विकेट हो चुके हैं। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक 100 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों की संख्या केवल छह है। उनादकट और कौल के अलावा सूची में पियूष चावला 113 विकेट, लुकमान मेरिवाला 108 विकेट, चामा मिलिंद 107 विकेट, आकाश चौधरी 102 विकेट हैं। मैच की बात करें तो दिल्ली ने चार विकेट पर 207 रन बनाये। इसो बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए सौराष्ट्र 198 रन ही बना पायी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

विराट, रोहित के भविष्य पर अभी बात करने की जरुरत नहीं : कोटक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि बल्लेबाज रोहत शर्मा और विराट कोहली अभी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और इनके भविष्य के बारे में अभी बात करने की कोई जरुरत नहीं है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में 135 जबकि रोहित ने 57 रन बनाये थे। हाल के समय में इन दोनो के ही करियर और 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलने को लेकर आशंकाएं जाहिर की जाती रही हैं। माना जा रहा है कि ये दोनो ही विश्वकप के लिए टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। वहीं कोटक ने इसी को लेकर कहा, 'मुझे नहीं पता कि हमें इन सब चीजों पर ध्यान देने की जरूरत क्यों है। विराट वाकई शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके भविष्य को लेकर कोई बात करनी चाहिए। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह कमाल है। जिस तरह से वह प्रदर्शन कर रहे हैं, अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं, किसी भी चीज पर कोई सवाल नहीं उठता।' कोटक ने साथ ही कहा, 'पहले एकदिवसीय में उनकी पारी शानदार थी। उन्होंने सिर्फ एकदिवसीय बल्कि सभी प्रारुपों में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह उनका 52वां एकदिवसीय शतक था, वह वाकई शानदार खिलाड़ी हैं. उन्होंने जिम्मेदारी ली और जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह बहुत अच्छा था।' कोहली ने मैच के बाद कहा, 'मैंने 300 से ज्यादा एकदिवसीय मैच खेले हैं और पिछले 15-16 सालों में काफी क्रिकेट खेली है। जैसा कि मैंने कहा, अगर आप खेल के संपर्क में हैं और जब आप प्रैक्टिस में गेंदें मार रहे हैं, आपके रिफ्लेक्सेस हैं, आपकी शारीरिक क्षमता है लंबी बल्लेबाजी करने की।' वहीं रोहित ने भी पहले ही मैच में जबरदस्त शुरुआत दी।

एफआईएच जूनियर विश्व कप : स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ कमजोरियां दूर करना चाहेगा भारत

मदुरै (एजेंसी)। भारतीय टीम बेहतरीन फार्म में चल रही है लेकिन अभी तक उसे असली चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है और ऐसे में वह मंगलवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के नाकआउट चरण से पहले अपने अंतिम ग्रुप लीग मुकाबले में स्विट्जरलैंड के खिलाफ जीत की लय जारी रखने और अपने कमजोर पक्षों को दूर करने की कोशिश करेगी।

भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की।

भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। लेकिन नॉकआउट चरण से पहले भारत के लिए कुछ चिंताएं बनी हुई हैं। पहले दो मैचों में भारतीय रक्षापंक्ति की ज्यादा परीक्षा नहीं हुई

क्योंकि गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह को किसी तरह की खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा।

कप्तान रोहित की अगुवाई में रक्षापंक्ति भी टूर्नामेंट के अंतिम चरण में अधिक सक्रिय रहना चाहेगी। भारत के लिए चिंता का एक अन्य क्षेत्र पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना है। टीम के मुख्य ड्रैगफ्लिकर कप्तान रोहित को अपने खेल में सुधार करना होगा। ऐसा नहीं है कि भारत ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल नहीं किए, लेकिन अधिकतर गोल वैरिएशन और रिबाउंड से किए गए।

पहले दो मैचों में भारत के प्रदर्शन के लिए सबसे उत्साहजनक पहलू उसकी मध्य पंक्ति और अग्रिम पंक्ति का प्रदर्शन रहा। दिलराज सिंह अभी तक छह गोल करके टूर्नामेंट के संयुक्त रूप से शीर्ष स्कोरर हैं। उन्होंने ओमान के खिलाफ हैट्रिक भी लगाई थी जबकि अर्शदीप सिंह ने भी पिछले मैच में तीन गोल किए थे। मनमीत सिंह, अजीत यादव और इंगलेम्बा लुवांग थोरावोजम जैसे खिलाड़ी भी गोल करने वालों में शामिल हैं। स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ मैच मदुरै में भारत का एकमात्र मैच है। इसके बाद वह अपने बाकी मैच खेलने के लिए चेन्नई लौटेगा।

यह देखना अभी बाकी है कि भारतीय खिलाड़ी यहां की परिस्थितियों के साथ किस तरह तालमेल बिठा पाते हैं। भारत के सहायक कोच बीरेंद्र लाकड़ा इसको लेकर ज्यादा परेशान नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से मैदान बदलेगा, लेकिन मौसम की स्थिति वही रहेगी। हमें अभ्यास और सामंजस्य बिठाने के लिए दो दिन का समय भी मिला है। स्विट्ज़रलैंड एक अच्छी टीम है। उसने अपने दो मैच भी जीते हैं, इसलिए यह मुकाबला आसान नहीं होगा। लेकिन हम उनके खेल का विश्लेषण करेंगे और उसी तरह से अपनी रणनीति बनाएंगे।'

मंगलवार को अन्य मैचों में स्पेन का मुकाबला नामीबिया से (मदुरै में), बेल्जियम का मिस्र से (मदुरै में), चिली का ओमान से (चेन्नई में), नीदरलैंड का ऑस्ट्रिया से (मदुरै में), फ्रांस का बांग्लादेश से (चेन्नई में), इंग्लैंड का मलेशिया से (मदुरै में) और ऑस्ट्रेलिया का कोरिया से (चेन्नई में) होगा।

बीसीसीआई ने बुधवार को बुलायी अहम बैठक, गंभीर और अगरकर सहित प्रबंधन को बुलाया गया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट नियंत्रण (बीसीसीआई) ने बुधवार को रायपुर में एक बैठक बुलाई है। इसमें टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर सहित टीम प्रबंधन को बुलाया गया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बैठक में बोर्ड गंभीर और अगरकर से टेस्ट क्रिकेट की रणनीति, टीम चयन और प्रबंधन के सीनियर खिलाड़ियों के साथ संबंधों को लेकर जवाब मांगेगा। बैठक में रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों के साथ टीम मैनेजमेंट के रवैये और संवाद पर भी सफाई मांगी जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया, संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाटिया, हेड कोच गौतम गंभीर और राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर शामिल होंगे। अभी यह साफ नहीं है कि बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास बैठक में शामिल होंगे या नहीं। बीसीसीआई के एक बड़े अधिकारी के मुताबिक बैठक का उद्देश्य चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन ट के बीच सामंजस्य बनाना है। चयन में निरंतरता और टीम के प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। अधिकारी ने स्वीकार किया कि टेस्ट फॉर्मेट में हाल में हुईं चीजों से बोर्ड चिंतित है। उन्होंने कहा, होम टेस्ट सीजन के दौरान मैदान और मैदान से बाहर की रणनीतियों पर संशय देखा गया। हम स्पष्टता और फॉरवर्ड प्लानिंग चाहते हैं, खासकर तब जब अगल टेस्ट सीरीज 8 महीने बाद है। बैठक में चर्चा सिर्फ टेस्ट क्रिकेट से जुड़े मसलों पर नहीं होगी। अधिकार ने माना कि मौजूदा टीम मैनेजमेंट जिस तरह से सीमित ओवरों के सीनियर खिलाड़ियों के साथ पेश आ रही है, उससे बेचैनी बढ़ी है।

रोहित-कोहली की चमक में फीका पड़ा कुलदीप यादव का विश्व रिकॉर्ड, शेन वार्न को पीछे छोड़ा

रांची (एजेंसी)। रांची में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज की शानदार शुरुआत की, जहां विराट कोहली की ऐतिहासिक सेंचुरी और रोहित शर्मा की दमदार अर्धशतकीय पारी ने सुर्खियां बटोरीं। लेकिन रोहित-कोहली की चमक के बीच टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव के विश्व रिकॉर्ड पर किसी का ध्यान नहीं गया। रांची में खेले गए पहले मुकाबले में कुलदीप ने न सिर्फ 4 अहम विकेट चटकाए, बल्कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा बार चार विकेट लेने वाला स्पिनर बनकर महान शेन वार्न को भी पीछे छोड़ दिया। उनका यह स्पेल भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

रांची में कुलदीप की घातक गेंदबाजी से पलटा मुकाबला

झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए हाई-स्कोरिंग मुकाबले में कुलदीप यादव ने अपने अनुभव और कौशल का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। दक्षिण अफ्रीका जब तेज़ गति से रन बना रही थी, तब कुलदीप ने 10 ओवर में 68 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उनकी गेंदबाजी की खासियत यह रही कि उन्होंने विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाकर रनगति को नियंत्रित किया। उन्होंने पहले टोनी डी जॉर्जी (39) को आउट कर साझेदारी तोड़ी, इसके बाद मार्को यानसेन और मैथ्यू ब्रीट्ज़के जैसे दो खतरनाक बल्लेबाजों को सिर्फ तीन गेंदों के अंदर पवेलियन भेज दिया।

यानसेन-ब्रीट्ज़के की साझेदारी पर लगा ब्रेक

साउथ अफ्रीका के दो युवा बल्लेबाज यानसेन और ब्रीट्ज़के ने छठे विकेट के लिए 68 गेंदों में 97 रन जोड़कर भारतीय गेंदबाजी पर दबाव बढ़ा दिया था। यानसेन ने 39 गेंदों में 70 रन और ब्रीट्ज़के ने 80 गेंदों में 72 रन की पारी खेलकर मैच का रुख बदलने की कोशिश की। तभी कुलदीप ने शानदार वापसी करते हुए पहले यानसेन को आउट किया, फिर अगली ही गेंद पर ब्रीट्ज़के को भी चलता किया। उनके इन दो लगातार झटकों ने दक्षिण अफ्रीका की रन गति ठंडी कर दी और भारत मैच में पूरी तरह वापसी कर गया।

शेन वार्न को पछाड़कर बनाया नया रिकॉर्ड

कुलदीप यादव ने वनडे इतिहास में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा बार 4 विकेट लेने वाले स्पिनर बनने का बड़ा कारनामा कर दिखाया है। यह उनका दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथा मैच था जब उन्होंने चार विकेट झटके :

2018 - केपटाउन

2018 - गकेरहा

2022 - दिल्ली (अरुण जेटली स्टेडियम)

2024 - रांची

इससे पहले यह रिकॉर्ड शेन वार्न और युजवेंद्र चहल के नाम संयुक्त रूप से था। कुलदीप ने इस उपलब्धि से वह जगह हासिल कर ली जहां पहुंचना किसी भी स्पिनर के लिए गर्व की बात है।

अंतरराष्ट्रीय सूची में भी बढ़ी कुलदीप की दावेदारी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाने के साथ ही कुलदीप अब दुनिया के दिग्गज गेंदबाजों की सूची में भी आगे पहुंचते जा रहे हैं। वे अब लसिथ मलिंगा के बराबर पहुंच गए हैं, वहीं उनसे ऊपर सिर्फ ब्रेट ली और वकार यूनुस जैसे महान तेज गेंदबाज मौजूद हैं। यह कुलदीप की वनडे में 10वीं बार चार विकेट वाली परफॉर्मेंस थी, जिससे वे अनिल कुंबले के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर आ गए हैं। तेज गेंदबाजों में सिर्फ अजीत अगरकर (12) और मोहम्मद शमी (16) उनसे ऊपर हैं।

भारत के लिए क्यों खास है कुलदीप का यह प्रदर्शन

कुलदीप यादव की यह उपलब्धि साबित करती है कि वे भारत के सबसे भरोसेमंद मैच-विनिंग स्पिनरों में से एक बन चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत विपक्ष के खिलाफ लगातार प्रभावी प्रदर्शन करना उनकी निरंतरता और क्लास दोनों को दर्शाता है। उनका यह रिकॉर्ड न सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि भारतीय स्पिन विभाग की ताकत का भी प्रतीक है।

मार्करम ने हार के बाद भी अपनी टीम के जुझारु रवैये को सराहा, खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया

रांची । पहले एकदिवसीय में दक्षिण अफीकी क्रिकेट टीम की कप्तानी संभालने वाले एडन मार्करम ने भारतीय टीम के हाथों मिली हार के बाद भी अपनी टीम के प्रदर्शन की तारीफ की है। मार्करम ने कहा है कि उन्हें अपनी टीम पर गर्व है क्योंकि उसने 350 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा काफी अच्छे से किया। शुरुआत में ही 11 रनों पर तीन विकेट गंवाने के बाद भी टीम ने 332 रन बनाये और वह लक्ष्य से केवल 18 रन ही दूर थी। इस दौरान एक समय लग रहा था कि वह लक्ष्य हासिल कर लेगी। मैच के बाद एडन मार्करम ने कहा कि उन्हें अपनी इस टीम पर गर्व है। उन्होंने इस दौरान विशेष रुप से दो खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर सराहना की। मार्करम ने कहा, हां उन्हें इन खिलाड़ियों पर गर्व है। इनको अपना काम करते देखना बहुत अच्छा लगता है। इन्होंने कभी भी यह भरोसा नहीं खोया कि हम लक्ष्य नहीं पा सकते हैं। जैसे-जैसे पारी आगे बढ़ रही थीं, वे काफी उम्मीद लगाए हुए थे। शीर्ष क्रम हालांकि असफल रहा। हमें पता था कि गेंद स्विंग करेगी और फिर लक्ष्य का पीछा करते समय गेंद विकेट से थोड़ी तेजी आएगी, लेकिन फिर भी ऐसा लगा कि लक्ष्य का पीछा करना ही गेम जीतने का सबसे अच्छा तरीका है। अगले गेम में शीर्ष क्रम पर जिम्मेदारी रहेगी। मध्यक्रम पहले ही अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। कुल मिलाकर, लड़कों की कोशिशों पर बहुत गर्व है। वे बहुत करीब पहुंच गए और उन्होंने जबरदस्त खेल दिखाया। कप्तान ने मार्को यान्सन और कॉर्बिन बॉश की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यह बहुत बढ़िया है। कोई भी टीम जितना हो सके उतनी अच्छी बल्लेबाजी करना चाहेगी और वे हमारे लिए ठीक यही करते हैं।

एसआईआर प्रक्रिया एकतरफा, तानाशाही और बिना किसी तैयारी के शुरू की गई

-कांग्रेस सांसद ने सवाल उठाते हुए इसे लोकसभा में तुरंत रोकने की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सोमवार को लोकसभा में एक स्थगन प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रही एसआईआर प्रक्रिया को रोकने की मांग की। टैगोर ने इसे अभूतपूर्व संकट से जोड़ते हुए गंभीर सवाल उठाए। अपने नोटिस में टैगोर ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा लागू की गई यह प्रक्रिया एकतरफा, तानाशाही और बिना किसी तैयारी के शुरू की गई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने न तो शिक्षकों से कोई चर्चा की, न राज्यों के साथ समन्वय किया और न ही जनता की परेशानियों का ध्यान रखा। टैगोर ने अपने प्रस्ताव में कहा है कि यह एसआईआर प्रक्रिया एक एकाधिकारवादी, अचानक लागू की गई और अत्यधिक दबाव वाली कवायद बन गई है। सांसद मणिकम टैगोर ने कहा कि बीएलओ शिक्षक दिन-रात काम करने को मजबूर हैं। वे कक्षा और चुनावी कार्य के बीच फंसे हैं। कई लोग थकावट के कारण गिर पड़े, कुछ की मौत हो गई और कुछ ने आत्महत्या तक कर ली है। इसके बावजूद चुनाव आयोग ने अब तक कोई जांच नहीं कराई है और न ही राज्यों या केंद्रशासित प्रदेशों के हिसाब से बीएलओ की मौतों के आंकड़े जारी किए।

सांसद टैगोर ने इसे संस्थागत क्रूरता बताया है। उन्होंने कहा कि न तो आत्महत्याओं की निगरानी की कोई व्यवस्था है, न मानसिक स्वास्थ्य सहायता, न मुआवजा प्रावधान और न किसी प्रकार का आपातकालीन प्रोटोकॉल। उन्होंने कहा कि आम जनता भी इस प्रक्रिया की वजह से भ्रम, घबराहट, बार-बार होने वाले सत्यापन और अविश्वास की स्थिति से गुजर रही है। उन्होंने कहा कि जब मतदाता सूची तैयार करने वाले कर्मचारी ही भारी दबाव में गिरने लगें, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता भी गिर जाती है।

लोकसभा के सामने उन्होंने पांच प्रमुख मांगें रखीं। 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया को तुरंत निलंबित किया जाए। हर एक बीएलओ की मौत और आत्महत्या की राष्ट्रीय स्तर पर जांच की जाए। प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए। चुनावी प्रक्रियाओं में सुधार कर बीएलओ को सुरक्षित वातावरण मिले और चुनाव आयोग को तलब कर इस अव्यवस्थित लागू प्रक्रिया का स्पष्टीकरण मांगा जाए।

जनता के मुद्दों को उठाना नाटक नहीं : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में लोक महत्व के मुद्दों को उठाना 'नाटक' नहीं है, बल्कि इन पर चर्चा की अनुमति नहीं दिया जाना 'नाटक' है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और वायु प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह संसद को चुनावी हार के बाद 'हताशा निकालने का मंच' बना रहा है। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले संसद परिसर में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सत्र राजनीतिक रंगमंच न बने, बल्कि रचनात्मक और परिणामोन्मुखी बहस का माध्यम बने। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, 'संसद में आवश्यक लोक महत्व के मुद्दों के बारे में बोलना और उन्हें उठाना नाटक नहीं है। नाटक यह है कि उन मुद्दों पर लोकतांत्रिक चर्चा की अनुमति नहीं दी जाती, जो जनता के लिए मायने रखते हैं।' उन्होंने सवाल किया, 'संसद किस लिए है? हम महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा क्यों नहीं कर रहे हैं?'

दिल्ली बम धमाका : एनआईए ने डॉक्टर्स और मौलवी के 10 ठिकानों पर दी दबिश

श्रीनगर (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर सोमवार सुबह दिल्ली के लाल किले पर हुए कार बम धमाके मामले में बड़ी छापेमारी की। कश्मीर के शोपियां के नादिगाम, पुलवामा (कोयल), चंदगाम और अन्य इलाकों में एक साथ 10 ठिकानों पर दबिश दी। एनआईए ने बताया कि दिल्ली ब्लास्ट से जुड़े डॉ आमिर राशिद, डॉक्टर अदील, डॉ मुजफ्फर समेत डॉ जसिफ और मौलवी इरफान के घर पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। एनआईए ने बताया कि इस सर्च ऑपरेशन का एक मात्र उद्देश्य इस पूरे नेटवर्क का सफाया करना है। इसमें पढ़े-लिखे और पेशेवर लोग शामिल हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि वानी इस मॉड्यूल की तकनीकी रीढ़ था। उसने ड्रोनों में बदलाव किए, बैटरी और कैमरा सिस्टम को अपग्रेड किया और भीड़भाड़ वाले इलाकों में इस्तेमाल होने वाले छोटे विस्फोटक पेलोड तैयार किए। एनआईए का कहना है कि ये डिजाइन हमास और आईएसआईएस की मिडिल ईस्ट रणनीतियों से मिलते-जुलते थे। पिछले साल अक्टूबर में कुलगाम की एक मस्जिद में वानी की मुलाकात डॉक्टर नबी से हुई थी, जहां उसे जैश-ए-मोहम्मद के लिए काम करने को कहा गया, लेकिन नबी ने उसे आत्मघाती हमलावर बनाने की कोशिश की। बता दें लाल किला विस्फोट में इस्तेमाल कार डॉक्टर आमिर राशिद अली के नाम पर रजिस्टर्ड थी। अली ने ही सुरक्षित ठिकाना मुहैया कराया था। उसकी गिरफ्तारी के बाद एजेंसी को वानी और अन्य के ठिकानों का पता चला। अब तक पूछताछ में मिले सबूतों के आधार पर ये छापे मारे जा रहे हैं। एजेंसी को शक है कि यह मॉड्यूल दिल्ली समेत कई बड़े शहरों में एक साथ हमले की फिराक में था।

हरियाणा के युवक की लंदन में चाकू मारकर हत्या

गुरुगांव (एजेंसी)। चरखी दादरी का 27 वर्षीय विजय कुमार सरकारी नौकरी छोड़कर फरवरी 2026 में इंग्लैंड के बर्मिंघम में एमबीए की पढ़ाई के लिए गया था। परिवार की खुशी थी कि विजय पढ़ाई पूरी कर वहां बस जाएगा। उनकी मां सरोज बाला बेटे की शादी और भविष्य की कल्पना में थी। सूचना के अनुसार ?पिछले ?दिनों यूनिवर्सिटी से लौटते समय हरियाणा, दिल्ली और पंजाब के पांच युवकों ने विजय कुमार पर चाकू से हमला किया और उसकी हत्या कर दी। घटना की जानकारी लंदन पुलिस ने परिवार को फोन करके दी। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। विजय के पिता, पूर्व सैनिक सुरेंद्र सिंह और भाई, सेना जवान रवि कुमार ने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और हरियाणा के मुख्यमंत्री से हाथ जोड़कर मदद मांगी है। उनका कहना है कि बेटे का शव जल्द भारत लाया जाए ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके। विजय की बहन मोनिका और जीजा भी लंदन में ही रहते हैं। विजय के गांव जगरामबास और परिवार में गहरा शोक है। ग्रामीण, सरपंच सहित, परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे और जल्द शव लाने की मांग की। सांसद धर्मबीर सिंह और दादरी विधायक सुनील सांगवान ने विदेश मंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल को पत्र लिखकर इस मामले में सहायता की अपील की है।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में धांधली! कई जिलों में मतदान स्थगित, 20 दिसंबर को नई तारीख

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कई जि़लों में 25 से ज्यादा नगर निगमों के चुनाव राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) द्वारा अस्वीकृत नामांकन पत्रों से संबंधित अपील प्रक्रिया में व्यापक अनियमितताओं का पता चलने के बाद स्थगित कर दिए गए हैं। पहले 2 दिसंबर को होने वाले मतदान अब इन क्षेत्रों में 20 दिसंबर को होंगे। शेष सभी नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए मतदान पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक जारी रहेगा। इन निकायों के परिणाम 3 दिसंबर को घोषित किए जाएँगे। एसईसी ने ठाणे, बारामती, अमरावती, अहिल्यानगर, नांदेड़, सोलापुर, यवतमाल, धाराशिव, चंद्रपुर, अकोल और पुणे सहित कई स्थानों पर मतदान स्थगित कर दिया है। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही यह निर्णय कई उम्मीदवारों के लिए बड़ा झटका साबित हुआ। वहीं, महाराष्ट्र के पालघर में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव में टिकट के लिए कथित रूप से 10 लाख रुपये मांगने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो समूहों के बीच झड़प हो गई। पुलिस अधिकारियों ने गैर-संज्ञेय शिकायत (एनसी) में दर्ज विवरण के हवाले से बताया कि भाजपा की शहर इकाई के पूर्व अध्यक्ष अशोक अंबुरे ने चुनाव लड़ने की इच्छुक पार्टी कार्यकर्ता वैशाली चव्हाण से कथित रूप से 10 लाख रुपये मांगे थे। चव्हाण का समर्थन कर रहे समूह ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि लोकमान्य नगर क्षेत्र में शनिवार को हुई इस झड़प के दौरान अंबुरे और उनके सहयोगियों ने उनसे छेड़छाड़ की और लाठियों से हमला किया। स्थानीय सांसद हेमंत सावरा और भाजपा की पालघर जिला इकाई के अध्यक्ष भरत राजपूत द्वारा बीच-बचाव की कोशिश किए जाने के बावजूद दोनों पक्ष पुलिस के पास पहुंचे और उन्होंने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए। उल्लेखनीय है कि अंबुरे की पत्नी वार्ड संख्या 14 से चुनाव लड़ रही हैं। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर एनसी दर्ज की गई है।

ममता बनर्जी एसआईआर के खिलाफ मालदा, मुर्शिदाबाद, कूचबिहार में रैलियां निकालेंगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस सप्ताह मालदा और मुर्शिदाबाद में रैलियां आयोजित कर निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ अपना रोष जताएंगी और इसके बाद अगले सप्ताह कूचबिहार में एक जनसभा की जाएगी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सूत्रों ने यह जानकारी दी। बनर्जी द्वारा एसआईआर के विरोध में यह दूसरे चरण का अभियान होगा। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह शरणार्थी बहुल मतुआ क्षेत्र में बनगांव में रैली की थी और रैली के दौरान उन्होंने आरोप लगाया था कि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले परिवारों को डराने के लिए एसआईआर अभियान का दुरुपयोग किया जा रहा है। तृणमूल अपने जिलावार अभियान को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'घुसपैठियों का सफाया' के बयान के जवाब के रूप में पेश कर रही है। तृणमूल नेताओं ने कहा कि मालदा, मुर्शिदाबाद में तीन और चार दिसंबर को जबकि कूचबिहार में नौ दिसंबर को रैलियां आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इन तीन सीमावर्ती जिलों में अल्पसंख्यक, प्रवासी और विस्थापित आबादी काफी अधिक है तथा एसआईआर से उनकी दिक्कतें बढ़ गई हैं। मालदा की रैली गजोले में तथा मुर्शिदाबाद की रैली बेहरामपुर स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। कूचबिहार की रैली नौ दिसंबर को ऐतिहासिक रास मेला मैदान में होगी और इसे इस शीत ऋतु में उत्तर भारत में बनर्जी की सबसे बड़ी रैली के रूप में पेश किया जा रहा है। तृणमूल के जिलाध्यक्ष अभिजीत डे भौमिक ने कहा कि एक दिसंबर को ब्लॉक अध्यक्षों के साथ एक बैठक होगी। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस पर अवैध प्रवासियों को बचाने और राजनीतिक लाभ के लिए मतदाता सूची के संशोधन का विरोध करने का आरोप लगाया है। यहां 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले दोनों पार्टियां एसआईआर मुद्दे का लाभ उठाकर अपनी-अपनी विचारधारा को मजबूत करने की कोशिश कर रही हैं।

हरियाणा में बढ़ी धुंध और ठंड, एक्यूआई स्तर बना चिंता का कारण

- मौसम विभाग का अनुमान : 3 दिसंबर को धुंध और ठंडी हवाओं का असर अधिक रहेगा

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा में दिसंबर की शुरुआत होते ही मौसम ने करवट ले ली है। 1 दिसंबर से पूरे प्रदेश में धुंध और ठंडी हवाओं का असर बढ़ गया है। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के तेज होने से नमी भी बढ़ रही है, जिससे शीतलहर महसूस हो रही है। 30 नवंबर को नूंह जिले में अधिकतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि हिसार में सुबह का न्यूनतम तापमान 5.7 डिग्री सेल्सियस रहा। आज हरियाणा में सुबह का तापमान लगभग 11 डिग्री सेल्सियस है। आने वाले दिनों में दिन का तापमान 22-25 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 4-8 ?डिग्री सेल्सियस तक गिरने का अनुमान है। 3 दिसंबर को धुंध और ठंडी हवाओं का असर अधिक रहेगा। 5 दिसंबर को रात में तापमान 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की संभावना है। हरियाणा में वायु गुणवत्ता चिंता का विषय बनी हुई है। फरीदाबाद में सोमवार सुबह एक्यूआई 296, दिल्ली का 282, गुरुग्राम का 264 और अंबाला का 209 दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्तर सांस संबंधी मरीजों के लिए खतरनाक हो सकता है। लोगों को सलाह दी जा रही है कि वे बाहर निकलते समय मास्क पहनें और वायु प्रदूषण से बचाव करें। मौसक विभाग ने बताया है कि 1-5 दिसंबर तक धुंध और ठंडक बनी रहेगी। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के चलते नमी बढ़ेगी, जिससे सुबह और शाम धुंध का असर ज्यादा रहेगा। दिन में हल्की धूप के बावजूद रातें ठंडी रहेंगी। वायु गुणवत्ता खराब रहने के कारण स्वास्थ्य सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

बच्चों के पुतले लेकर कांग्रेस ने किया विधानसभा में प्रदर्शन, सरकार को बताया पूतना

भोपाल (एजेंसी)। सोमवार से मध्य प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र प्रारंभ हुआ है। पहले ही दिन यहां कांग्रेस ने बच्चों के पुतले लेकर काफी आक्रमक प्रदर्शन किया है। पार्टी का आरोप है कि लापरवाही और अनदेखी के चलते छिंदवाड़ा में कप सीरप के कारण कई बच्चों की जान चली गई। ये राज्य सरकार पूतना का काम कर रही है। मृत बच्चों के परिजनों को सरकारी सहायता मिलना चाहिए। कांग्रेस विधायकों ने कफ सिरप से बच्चों की मौत, बढ़ते अत्याचार और सरकार की असंवेदनशीलता के खिलाफ विधानसभा परिसर में अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में विधायकों ने बच्चों के पुतले लेकर और एक विधायिका द्वारा पूतना का रूप धारण कर भाजपा सरकार की नीतियों और लापरवाही को प्रतीकात्मक रूप से उजागर किया।

कांग्रेस का आरोप है कि सरकार बच्चों के प्रति संवेदनशील नहीं है। छिंदवाड़ा में कई बच्चों की मौत के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी तय नहीं की जा रही है। अस्पतालों में अव्यवस्था का आलम यह है कि बच्चों को चूहे तक कुतर रहे हैं, लेकिन सरकार इस पर चर्चा करने और जवाब देने से बच रही है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, सरकार बच्चों के मामले में भी संवेदनशील नहीं है। छिंदवाड़ा में कई परिवारों के घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए, माताओं की गोद सूनी हो गई, लेकिन पूतना बनी सरकार को स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी और समीक्षा करने की फुर्सत तक नहीं है। अस्पतालों में ऐसी बदइंतज़ामी है कि बच्चों को चूहे तक कुतर दे रहे हैं, और सरकार इस पर चर्चा करने, जवाब देने और जिम्मेदारी तय करने से लगातार बच रही है। कांग्रेस विधायकों ने कहा कि यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि प्रदेश में बच्चों की सुरक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की हालत और सरकार की प्राथमिकताओं पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। जनता जानना चाहती है कि आखिर सरकार मासूमों की जान से खिलवाड़ होने पर भी खामोश क्यों है? कांग्रेस विधायकों ने साफ कहा कि भाजपा सरकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आरोपी जेल में है, सरकार ने सख्ती की है

छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत के मामले में खातेगांव से बीजेपी विधायक आशीष शर्मा ने सदन के बार कहा- मामला बहुत संवेदनशील था। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस पर एक्शन लिया है। कफ सिरप बनाने वाले जेल में हैं। उन्हें सजा भी होगी। इस तरह की घटनाओं से सरकार ने सबक भी लिया है।

नगालैंड की परंपराएं भारत के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूत करती हैं : शाह

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नगालैंड के लोगों को राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी और कहा कि पूर्वोत्तर राज्य की जीवंत परंपराएं और वहां के लोगों की जुझारू भावना राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूत करती है। नगालैंड का गठन एक दिसंबर, 1963 को भारत के 16वें राज्य के रूप में किया गया था। तब से एक दिसंबर को प्रतिवर्ष नगालैंड राज्य स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है। गृह मंत्री शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'नगालैंड की बहनों और भाइयों को उनके राज्य स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। राज्य की जीवंत परंपराएं और इसके लोगों की जुझारू भावना हमारे राष्ट्र के सांस्कृतिक ताने-बाने को मजबूती प्रदान करती है। कामना है कि नगालैंड शांति, प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़े।'

शशि थरूर ने फिर दिया कांग्रेस को झटका, सेहत के बहाने खास बैठक से बनाई दूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फैसलों की कई बार तारीफ कर चुके कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने एक बार फिर कांग्रेस को झटका दिया है। हाल ही में एसआईआर के विरोध में रणनीत बनाने के लिए बुलाई गई कांग्रेस की मीटिंग में भी शशि थरूर शामिल नहीं हुए। इसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। वहीं अब संसद के शीतकालीन सत्र की रणनीति को लेकर हुई बैठक में भी वह गैरहाजिर रहे। अब सवाल यह है कि एक दिन पहले ही वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में हाजिर थे। वहीं एक दिन बाद ही कांग्रेस की बैठक से किनारा कर गए।

थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट भी किया था। अब सोशल मीडिया पर भी शशि थरूर के रवैये को लेकर हलचल है। लोगों का कहना है कि क्या शशि थरूर बीजेपी में जाने का प्लान कर रहे हैं? बीते दिनों जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के एक कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे तब शशि थरूर ने उनका भाषण सुना और फिर जमकर तारीफ की। उन्होंने शिक्षा पर की गई उनकी टिप्पणी को भी सराहा था। जबकि इस भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुलामी की मानसिकता बताते हुए कांग्रेस की खूब आलोचना की थी।पीएम मोदी की तारीफ को लेकर कांग्रेस के अन्य नेताओं ने उन्हें निशाने पर भी लिया था। थरूर ने सफाई देते हुए बताया कि वह केरल में थे। वह 90 वर्षीय मां के साथ थे और इसलिए बैठक में शामिल नहीं हो सके। इस बैठख में कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल भी शामिल नहीं हो पाए थे। वह स्थानीय चुनाव प्रचार में व्यस्त थे।कांग्रेस नेता ने कहा कि असल समस्या यह है कि वह देश को ठीक से समझते ही नहीं हैं। उन्हें यही लगता है कि बीजेपी की नीतियां बहुत अच्छी हैं। अगर ऐसा ही है तो वह कांग्रेस में क्यों हैं? वह दोहरा रवैया अपना रहे हैं। कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि प्रधानमंत्री के भाषण में कोई प्रशंसा करने वाली बात नहीं थी इसके बाद भी शशि थरूर को अच्छी लगी। मझे समझ में नहीं आता कि कांग्रेस पर निशाना साधना उन्हें क्यों अच्छा लगा?

पैनासोनिक ने धोनी को बनाया ब्रांड एंबेसडर

एजेंसी

रांची : पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया ने भारत के सबसे प्रसिद्ध क्रिकेटिंग आइकन और दुनिया भर में "कैप्टन कूल" के नाम से मशहूर "एमएस धोनी" को भारत में अपने एयर कंडीशनर पोर्टफोलियो के नए ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल किया है। धोनी निरंतरता, संयम और उच्च क्षमता वाले प्रदर्शन का उदाहरण देते हैं, ऐसे गुण जो अगली पीढ़ी के कूलिंग समाधानों की कप्तानी करने की पैनासोनिक की विरासत को प्रतिबिंबित करते हैं। दोनों कूल कैप्टेन का यह साथ पैनासोनिक के इन वादों को और मजबूत करेगा जिनमें भरोसा, आधुनिक टेक्नोलॉजी, भरोसेमंद गुणवत्ता, कम ऊर्जा में शानदार परफॉर्मेंस, बेहतरीन कूलिंग और विश्वसनीय क्वालिटी शामिल है। धोनी के पैनासोनिक परिवार से जुड़ने से देशभर में उपभोक्ताओं के बीच ब्रांड की पहचान और जुड़ाव को बढ़ावा मिलेगा। धोनी का स्वागत करते हुए तदाशी चिबा, एमडी और सीईओ, पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया ने कहा, ह्लयह साझेदारी साझा मूल्यों का प्रतिबिंब है। पिछले 100 से अधिक वर्षों से पैनासोनिक वैश्विक स्तर पर विश्वसनीयता, नवाचार और सार्थक योगदान का प्रतीक रहा है, और हम इन्हीं मूल्यों को भारत में और मजबूत कर रहे हैं।

महेंद्र सिंह धोनी ने कहा, ह्लहममें से कई लोगों के लिए भारत में बड़े होते समय पैनासोनिक सिर्फ एक जापानी ब्रांड नहीं था, बल्कि हमारे रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा था। मैं ऐसे ब्रांड से जुड़कर गर्व महसूस करता हूं जो नवाचार को अपनाता है और साथ ही विश्वास की अपनी बुनियादी सोच को बनाए रखता है।

बिहार के फार्मूले से पश्चिम बंगाल का सियासी समीकरण हल करना चाहती है भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल करने के बाद भाजपा मिशन बंगाल में जुट गई है। यहां बिहार के फार्मूले से पश्चिम बंगाल का सियासी समीकरण हल करने में जुटी भाजपा को जनता से क्या आनसर मिलेगा ये बाद में पता चलेगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐलान किया था कि अब पार्टी का लक्ष्य पश्चिम बंगाल में जीत हासिल करना है। लेकिन, क्या भाजपा बिहार के फॉर्मूले पर ही बंगाल में फतह हासिल कर सकती है? यह बड़ा सवाल है क्योंकि सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक हर तरीके से बंगाल, बिहार से अलग है। राज्य में भाजपा और टीएमसी के बीच सीधी टक्कर है। लेकिन, बीते तीन चुनावों यानी 2019 के लोकसभा, 2022 के विधानसभा और फिर 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों ने भाजपा को अपनी पुरानी रणनीति बदलने पर मजबूर कर दी है। भाजपा समझ गई है कि बंगाल में सिर्फ हिंदू राष्ट्रवाद के मुद्दे पर चुनावी फतह करना आसान नहीं है। क्योंकि इस राज्य में बिहार-उत्तर प्रदेश की तरह चुनाव में जाति बहुत अहम नहीं है। साथ ही इस राज्य में करीब 30 फीसदी मुस्लिम आबादी रहती है।

एक भाजपा नेता ने कहा कि इस बार के चुनाव में पार्टी उन मुस्लिम वोटरों को टार्गेट कर रही है जो किसी भी कारण से ममता दीदी से नाराज चल रहे हैं। टीएमसी से नाराज ये मुस्लिम वोटर्स आमतौर पर कांग्रेस या फिर वाम दलों को वोट करते हैं। भाजपा की रणनीति इन मुस्लिम वोटर्स को अपने पाले में लाने की है। पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के बयान को भी इसी संदर्भ में देखा जा रहा है।पश्चिम बंगाल में मुस्लिम आबादी करीब 30 फीसदी है। राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा में केवल 40 से 50 सीटों पर ही मुस्लिम समुदाय बेहद प्रभावी है। इन सीटों को नजरअंदाज भी किया जा सकता है। लेकिन, राज्य में कई ऐसी सीटें हैं जहां मुस्लिम आबाद इतनी मजबूत नहीं है लेकिन जीत-हार तय करने में उनकी अहम भूमिका होती है। 2022 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनावों में इन सीटों पर भी भाजपा की हार हो गई थी। ऐसे में हम इस बार इन सीटों पर मौका नहीं चूकना चाहते हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक पश्चिम बंगाल में 27 फीसदी आबादी मुस्लिम है जबकि 70.5 फीसदी हिंदू हैं।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 18 पर जीत हासिल की थी। उसे 40.25 फीसदी वोट मिले थे। यह भाजपा का सबसे शानदार प्रदर्शन था। लेकिन, 2021 के विधानसभा चुनाव में पार्टी यही मोमेंटम कायम नहीं रख पाई। उसका वोट प्रतिशत घट गया। उसे 27.81 फीसदी वोट मिले। उसकी सीटों की संख्या 77 थीं। हालांकि 2016 के विधानसभा की तुलना में यह प्रदर्शन शानदार था। फिर 2024 के लोकसभा में चुनाव में भी भाजपा अपनी पुरानी बढ़त कायम नहीं रख पाई। उसकी सीटें घटकर 12 हो गईं और उसका वोट प्रतिशत 39.10 फीसदी रहा। आनी बीते दो चुनावों में टीएमसी अपने 2019 के प्रदर्शन से आगे नहीं निकल पाई है। यही पार्टी के लिए सबसे बड़ी चिंता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस वक्त पश्चिम बंगाल में एसआईआर चल रहा है। इससे पहले बिहार में भी एसआईआर करवाया गया था। बिहार में एसआईआर के दौरान भाजपा घुसपैठ के बड़ा मुद्दा बनाने में कामयाब रही है। लेकिन, बंगाल में एसआईआर पर भाजपा का रुख थोड़ा अलग है। वहां वह कह रही है कि पार्टी राष्ट्रवादी मुस्लिमों के खिलाफ नहीं है। पश्चिम बंगाल में 2011 से ममता दीदी सत्ता में हैं। बंगाल में अलग फॉर्मूले की जरूरत है। क्योंकि जाति उतना अहम मुद्दा नहीं जितना बिहार और अन्य राज्यों में है। ऐसे में यहां भाजपा को क्षेत्रीय और धार्मिक समीकरणों में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**